केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

अपने जीवन की तुलना किसी के साथ नहीं करनी चाहिए, 'सूर्य' और 'चंद्रमा' के बीच कोई तुलना नही जब जिसका वक्त आता है वो चमकता है

वर्ष : 16 अंक : 292 | उज्जैन, शनिवार 04 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

सम्राट विक्रमादित्य के सुशासन का संदेश देता है महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री श्री मोदी राज्यों में परस्पर सहयोग को बढ़ाने का कर रहे हैं महत्वपूर्ण कार्य

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सुशासन की उत्कृष्ट परंपरा के नायक सम्राट विक्रमादित्य के जीवन काल से हम सब परिचित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की कर्मस्थली काशी में इस महानाट्य के मंचन के अवसर पर यह कहना प्रासंगिक होगा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के सुशासन से राष्ट्र को दिए जा रहे योगदान के लिए अभिनंदन के पात्र हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव वाराणसी (काशी) में शुक्रवार को तीन दिवसीय सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य के मंचन पर संबोधित कर रहे थे। समारोह का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. यादव और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज बदलते दौर में 2 राज्यों के मध्य सांस्कृतिक संबंध को प्रगाढ़ करने के लिए यह कार्यक्रम महत्वपूर्ण है। दोनों राज्य विभिन्न क्षेत्रों में संयुक्त रूप से कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के आशीर्वाद से दोनों राज्यों को अंतर्राज्यीय केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की सौगात मिली है। यह दोनों राज्यों में सिंचाई, कृषि उत्पादन और पेयजल प्रदाय में सहयोग करने वाली महत्वपूर्ण परियोजना है। यह प्रधानमंत्री श्री मोदी का सुशासन भी है, जिसके अंतर्गत राज्यों के बीच परस्पर सहयोग को बढ़ाने की दिशा में कार्य हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी सुशासन के इस काल में सम्राट विक्रमादित्य के शासन काल में स्थापित सुशासन का स्मरण आना स्वभाविक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्र के स्वाभिमान के सम्राट विक्रमादित्य के राष्ट्र प्रेम, पराक्रम, न्यायप्रियता, प्रजा वात्सल्य और ज्ञान विज्ञान परम्परा की पुनर्स्थापना के गुणों की जानकारी युवा पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए महानाट्य माध्यम बन रहा है। सम्राट विक्रमादित्य के युग का पुनर्स्मरण करने के लिए महानाट्य का मंचन किया जा रहा है। सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का पहले नई दिल्ली में भी मंचन हुआ है। इस नाटक में अनेक इंजीनियर, डॉक्टर, वकील और अन्य व्यवसायों से जुड़े प्रतिभाशाली व्यक्ति विभिन्न पात्रों के रूप में मंच पर भूमिका निभाते हैं। इससे प्रतिभाओं को तो मंच मिल ही रहा है, एक कुशल शासक के योगदान से देश के नागरिक भी परिचित हो रहे हैं। इस तरह यह महानाट्य लोकरंजन के साथ भारत के गौरवशाली इतिहास को भी आज जीवंत करने में माध्यम बना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत में भाइयों की तीन जोड़ियां प्रसिद्ध हुई हैं। इनमें भगवान श्रीराम और लक्ष्मण, भगवान श्रीकृष्ण और बलराम के साथ सम्राट विक्रमादित्य और राजा भतृहरि की जोडी शामिल है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने एक करोड़ एक लाख रुपए का सम्राट विक्रमादित्य अंतर्राष्ट्रीय सम्मान प्रारंभ किया है। एक राष्टीय सम्मान 21 लाख रुपए राशि का और तीन राज्य स्तरीय सम्मान 5-5 लाख रुपए राशि के स्थापित किए गए हैं। वर्ष 2024 में हुए विक्रमोत्सव को सर्वाधिक अवधि वाली धार्मिक-आध्यात्मिक फैस्टिवल का महाद्वीप स्तरीय वॉव अवार्ड भी मिला है। यही नहीं प्रतिष्ठित ईमैक्स ग्लोबल अवार्ड भी विक्रमोत्सव को प्राप्त हुआ है।

विक्रमादित्य महानाट्य मंचन यादगार क्षण ~ उ.प्र. मुख्यमंत्री श्री योगी- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विक्रमादित्य महानाट्य मंचन को यादगार क्षण बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के ÷एक भारत-श्रेष्ठ भारत%% के भाव को साकार करते हुए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा विश्वनाथ की इस धरा को बाबा महाकाल की धरा से नाट्य मंचन के माध्यम से जोड़ने का विशिष्ट कार्य किया है। श्री योगी ने भाइयों की जोड़ी का जिक्र करते हुए कहा कि सम्राट विक्रमादित्य और राजा भरथरी की जोड़ी का उल्लेख है। महाराजा ने नाथ संप्रदाय में दीक्षा लेकर काशी की भूमि और चुनार के किले में साधना की थी। सम्राट विक्रमादित्य ने ही आज से दो हजार साल पहले अयोध्या नगरी की खोज की थी और महाराज लव के बाद सबसे पहले भगवान श्री राम के मंदिर का निर्माण करवाया था। सम्राट विक्रमादित्य नीति शास्त्र और न्याय के पर्याय थे।

न्यूज ब्रीफ

अनंत सिंह का महादंगल में भारत का परचम: ईरानी पहलवान 3 बार हारा, जॉर्जिया के खिलाड़ी ने दिल्ली के रोहित को दी मात

मोकामा/ जीएनएस। बाढ़ अनुमंडल के नदावां गांव में 'बिहार केसरी' स्वर्गीय विवेका पहलवान की प्रथम पुण्यतिथि पर अंतरराष्ट्रीय महादंगल का आयोजन हुआ। इस आयोजन में देश-विदेश के पहलवानों ने हिस्सा लिया। हजारों दर्शकों की मौजूदगी में अखाड़ा पूरी तरह खचाखच भरा रहा। पारंपरिक कुश्ती के इस आयोजन ने क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना दिया। स्थानीय लोगों के साथ दूर-दराज से भी खेल प्रेमी पहुंचे। पूरा आयोजन खेल और परंपरा का संगम बन गया। महादंगल में भारतीय पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन किया। ईरान से आए पहलवानों को कड़े मुकाबले में हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। तीनों ईरानी पहलवान भारतीय दांव-पेंच के आगे टिक नहीं सके। हर मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों का आत्मविश्वास साफ नजर आया। दर्शकों ने हर जीत पर जोरदार तालियां बजाईं। इस जीत से पूरे आयोजन में देशभक्ति का माहौल दिखा। महाराष्ट्र के शिवा पहलवान और ईरान के हामिद के बीच मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। दोनों ने अखाड़े में जोरदार ताकत दिखाई। लेकिन शिवा के सटीक दांव के आगे ईरानी पहलवान कमजोर पड़ गए। शिवा ने शानदार तरीके से मुकाबला जीत लिया। उनकी जीत ने दर्शकों को उत्साहित कर दिया। यह मुकाबला दंगल का मुख्य आकर्षण रहा। दिल्ली के जॉन्टी गुर्जर ने ईरान के इरफान को पटखनी दी। उन्होंने अपने अनुभव का बेहतरीन प्रदर्शन किया। वहीं कलुआ पहलवान ने भी ईरान के हामिद को हराया। दोनों मुकाबलों में भारतीय पहलवानों का दबदबा साफ दिखा। विदेशी पहलवानों को कड़ी चुनौती मिली। अखाड़े में हर दांव पर दर्शक झूम उठे। विदेशी खिलाड़ियों में जॉर्जिया के टेडडो ने भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दिल्ली के रोहित पहलवान को बेहद करीबी मुकाबले में हराया। मुकाबला एक पॉइंट के अंतर से तय हुआ। यह फाइट दंगल की सबसे रोमांचक कुश्तियों में शामिल रही। दर्शकों ने इसे खूब सराहा। दंगल में जीतने वाले पहलवानों को सम्मानित किया गया। प्रत्येक विजेता को एक लाख रुपये नकद इनाम दिया गया। साथ ही ट्रॉफी और शील्ड भी प्रदान की गई।

उत्तराखंड में शराब से रिकॉर्ड कमाई: 4,570 करोड़ पहुंचा राजस्व, 210 करोड़ की बढ़त

देहरादून/ जीएनएस। उत्तराखंड में सुरा की धार इस बार सीधे सरकारी खजाने तक पहुंची। आबकारी विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 4570.50 करोड़ रुपये का राजस्व जुटाकर अब तक की सबसे बड़ी वसूली दर्ज की है। यह पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 210 करोड़ रुपये अधिक है। विभाग के अनुसार नई आबकारी नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, दुकानों के बेहतर व्यवस्थापन और उत्पादन इकाइयों के विस्तार से यह उपलब्धि संभव हुई। आबकारी आयुक्त अनुराधा पाल के अनुसार राज्य के 13 जिलों में कुल 698 फुटकर मदिरा दुकानों का संचालन हुआ। पूरे वर्ष किसी भी अनुज्ञापी के खिलाफ वसूली की कार्रवाई की जरूरत नहीं पड़ी और कोई भी डिफाल्टर घोषित नहीं हुआ। विभाग इसे बेहतर अनुश्रवण और नियंत्रित व्यवस्था का संकेत मान रहा है। ऊधमसिंहनगर, हरिद्वार, नैनीताल, टिहरी, चमोली और रुद्रप्रयाग में शत-प्रतिशत सेटलमेंट दर्ज किया गया। वहीं, जिन जिलों में लक्ष्य चुनौतीपूर्ण था। वहां नई दुकानों के माध्यम से राजस्व आधार मजबूत किया गया। नई आबकारी नीति के तहत राज्य में वाइनरी और मदिरा निर्माण इकाइयों को प्रोत्साहन देने के लिए लाइसेंस शुल्क और अन्य शुल्कों में दी गई छूट का असर भी राजस्व में दिखा। राजस्व लक्ष्य हासिल करने में ऊधमसिंहनगर, हरिद्वार और नैनीताल जैसे बड़े जिलों की अहम भूमिका रही। चमोली, टिहरी और रुद्रप्रयाग ने भी शत-प्रतिशत व्यवस्थापन दर्ज किया। बागेश्वर, चंपावत और कोटद्वार में नई वाइनरी स्थापित हुई हैं।हरिद्वार व भगवानपुर क्षेत्र में विदेशी मदिरा व बीयर उत्पादन इकाइयों ने उत्पादन बढ़ाया।

अप्रैल में मौसम के मिजाज में उतार-चढ़ाव, दिल्ली-हरियाणा में बारिश तो जम्मू-कश्मीर में गिरेंगे ओले

नई दिल्ली/ जीएनएस। अप्रैल की शुरुआत के साथ ही उत्तर एवं पश्चिम भारत में मौसम के मिजाज में उतार-चढ़ाव है। इस हफ्ते दो मजबूत पश्चिमी विक्षोभ के कारण देश के लगभग आधे हिस्से में बारिश, आंधी और ओलावृष्टि का सिलसिला जारी रहेगा।

मौसम विभाग ने पूरे महीने पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय रहने के संकेत दिए हैं। मौसम में दो-तीन दिन सूखा और उसके बाद फिर दो-तीन दिन बारिश जैसा पैटर्न दिख सकता है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, पहला पश्चिमी विक्षोभ अभी सक्रिय है, जिसका असर जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड के साथ पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान तक देखा जा रहा है।

पश्चिमी विक्षोभों की यह सक्रियता हिमालयी क्षेत्र में लगातार नमी ला रही है। यही कारण है कि उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में बार-बार मौसम बदल रहा है।

कश्मीर में गिरेंगे ओले - पाकिस्तान और आसपास के क्षेत्रों में भी इसी प्रणाली के कारण भारी वर्षा दर्ज की गई है, जिससे संकेत मिलता है कि यह सिस्टम अभी और सक्रिय रह सकता है।

शनिवार को बड़े क्षेत्र में तेज हवा और गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। कश्मीर घाटी में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा और ओलावृष्टि की भी संभावना है। दूसरा पश्चिमी विक्षोभ सात-आठ अप्रैल के आसपास सक्रिय होगा। इसके प्रभाव से उत्तर-पश्चिम भारत में फिर से मौसम बदलेगा। पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में आंधी के साथ बारिश की संभावना अधिक है। राजस्थान के कई हिस्सों में भी तेज हवाओं के साथ वर्षा हो सकती है।

फिर बढेगा तापमान - इस दौरान तापमान सामान्य से नीचे या उसके आसपास रहने की संभावना है। गर्मी की तीव्रता फिलहाल थमी रहेगी। हालांकि, पांच अप्रैल को एक ब्रेक देखने को मिलेगा, जब उत्तर और पश्चिम भारत में ठंडी और शुष्क हवाएं चलेंगी।

इससे मौसम साफ होगा और तापमान में हल्की गिरावट दर्ज हो सकती है। मध्य भारत में भी इस प्रणाली का असर स्पष्ट रहेगा। मध्य प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में आंधी के साथ बारिश की संभावना है। महाराष्ट्र के विदर्भ से लेकर कोंकण क्षेत्र तक गरज-चमक के साथ बारिश का दौर जारी रह सकता है।

क्या दिव्यांग कैडेट्स को माना जा सकता है पूर्व सैनिक? सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा सवाल

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से सवाल किया है कि क्या उन मिलिट्री कैडेट्स को पूर्व-सैनिक का दर्जा दिया जा सकता है, जो प्रशिक्षण के दौरान दिव्यांगता की वजह से अनफिट हो जाते हैं और सेवामुक्त कर दिए जाते हैं? इन कैडेट्स को पूर्व सैनिक का दर्जा देने से उन्हें सरकारी और अर्ध-सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ मिल सकेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, 1985 से अब तक सैन्य संस्थानों से लगभग 500 अधिकारी कैडेट्स को प्रशिक्षण के दौरान अलग-अलग स्तर की दिव्यांगता के कारण सेवामुक्त किया गया है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि अधिकतर मिलिट्री कैडेट्स की उम्र 30 वर्ष से कम है और उन्हें रोजगार की जरूरत है। केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सालिसिटर जनरल एन. वेंकटरमण ने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर विस्तृत जवाब देगी। शीर्ष अदालत ऐसे कैडेट्स को होने वाली मुश्किलों से जुड़े एक स्वत~ संज्ञान मामले की सुनवाई कर रही थी।

घुसपैठ पर सख्त त्रिपुरा हाई कोर्ट, सरकार से 3 महीने में मांगी विस्तृत रिपोर्ट

नई दिल्ली/ जीएनएस। त्रिपुरा हाई कोर्ट ने भाजपा शासित राज्य सरकार से कहा है कि वह सीमा पार से घुसपैठ रोकने के लिए उठाए गए कदमों पर एक विस्तृत रिपोर्ट अगले तीन महीनों के भीतर प्रस्तुत करे।

एक वकील ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मुख्य न्यायाधीश एमएस रामचंद्र राव की अध्यक्षता में एक डिवीजन बेंच ने यह निर्देश गुरुवार को तीन व्यक्तियों द्वारा दायर एक याचिका की सुनवाई के दौरान दिया जिसमें टिपरा मोथा पार्टी के विधायक रंजीत देबबर्मा भी शामिल थे।

याचिकाकर्ताओं ने क्या आरोप लगाए- याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा घुसपैठ रोकने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने के बावजूद त्रिपुरा सरकार इस समस्या को हल करने के लिए प्रभावी कदम उठाने में विफल रही है।

याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले एंथनी देबबर्मा ने कहा,डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार से कहा है कि वह केंद्रीय गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार घुसपैठियों का पता लगाने, उन्हें हिरासत में लेने और निर्वासित करने के लिए उठाए गए कदमों पर अगले तीन महीनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करे। पूर्वोत्तर राज्य की बांग्लादेश के साथ 856 किमी की अंतरराष्ट्रीय सीमा है, जिसमें से लगभग 85 प्रतिशत सीमा बाड़बंदी की गई है। न्यायालय के निर्देश का जवाब देते हुए रंजीत देबबर्मा ने कहा कि घुसपैठ को तुरंत रोकना चाहिए ताकि राज्य की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

सीट बंटवारे में देरी के लिए कांग्रेस-द्रमुक दोनों जिम्मेदार, चुनाव से पहले बोले नारायणसामी

नई दिल्ली/ जीएनएस। कांग्रेस नेता वी.नारायणसामी ने कहा है कि उनकी पार्टी और द्रविड़ सहयोगी द्रमुक दोनों सीट बंटवारे में भ्रम के लिए जिम्मेदार हैं और इसे एक छोटी बाधा बताया।

द्रमुक ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया और कहा कि यह कांग्रेस थी जिसने छह अतिरिक्त क्षेत्रों में उम्मीदवार खड़े करके बड़ी गलती की।

बातचीत को लंबा खींचने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए थी। 78 वर्षीय पूर्व मुख्यमंत्री नारायणसामी ने एक साक्षात्कार में एआइएनआरसी-भाजपा सरकार को पुड्डुचेरी के लोगों के साथ पूरी तरह से धोखा देने वाला शासन बताया।

उन्होंने कहा, सहयोगी पार्टियों, कांग्रेस और द्रमुक के बीच सीट बंटवारे में भ्रम केवल एक छोटी बाधा है, लोग भाजपा को पूरी तरह से अस्वीकार कर रहे हैं।

उनकी पार्टी व सहयोगी द्रमुक के बीच लंबे समय तक चलने वाली सीट बंटवारे की बातचीत के दौरान देखी गई कठिनाइयों व बाधाओं के मद्देनजर इस वरिष्ठ नेता ने कहा कि कांग्रेस के उम्मीदवारों ने नेलिथोप, कालापेट, राज भवन, उझावरकराई, मंगलम, तिरुभुवनाई और कराईकल दक्षिण की सात निर्वाचन क्षेत्रों में भी नामांकन दाखिल किए हैं।

हर दिन हो रही 28 लाख सिलिंडर की डिलीवरी, बेवजह न लगाएं कतार, इंडियन ऑयल ने लोगों से की अपील

नई दिल्ली/ जीएनएस। इंडियन आयल कारपोरेशन ने शुक्रवारको कहा कि वह प्रतिदिन लगभग 28 लाख एलपीजी सिलिंडर डिलीवरी कर रही है। सरकारी तेल कंपनी ने कहा कि बदलती भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद परिचालन सामान्य बना हुआ है। तेल कंपनी ने ग्राहकों को यह भी भरोसा दिलाया है कि एलपीजी की कोई कमी नहीं है और पैनिक बुकिंग और स्टाक जमा नहीं करें। इंटरनेट मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कंपनी ने कहा, इंडियन ऑयल देशभर के घरों में बिना रुकावट एलपीजी आपूर्ति सुनिश्चित कर रही है। प्रतिदिन लगभग 28 लाख एलपीजी सिलिंडरडिलीवर किए जा रहे हैं।

कंपनी ने बताया कि लगभग 87 प्रतिशत एलपीजी बुकिंग अब एसएमएस और आईवीआरएस जैसे डिजिटल प्लेटफार्म के जरिये की जाती है और डिलीवरी ओटीपी के जरिये सत्यापित की जाती है, जिससे सिलिंडर सही ग्राहक तक पहुंचे। तेल कंपनियां प्रवासी मजदूरों को सत्यापित आईडी प्रूफ पर पांच किलो सिलिंडर की लगातार आपूर्ति कर रही हैं।

कंपनी ने आगे कहा, घरेलू एलपीजी ग्राहक हमारी सबसे पहली प्राथमिकता हैं। पूरे देश में डिस्ट्रीब्यूटर के जरिये बिना रुकावट आपूर्ति पक्की की जा रही है और कालाबाजारी को रोकने के लिए कड़ी मॉनिटरिंग की जा रही है। कंपनी ने लोगों को इंटरनेट मीडिया पर फैल रही गुमराह करने वाली जानकारी पर यकीन नहीं करने की सलाह दी।

भारत और रूस ने मिलकर निकाल लिया होर्मुज का काट... क्या खत्म हो जाएगा तेल-गैस संकट?

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम एशिया में जारी संकट और होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बनी हुई है। ऐसे में रूस ने भारत को कच्चे तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति बढ़ाने का आश्वासन दिया है।

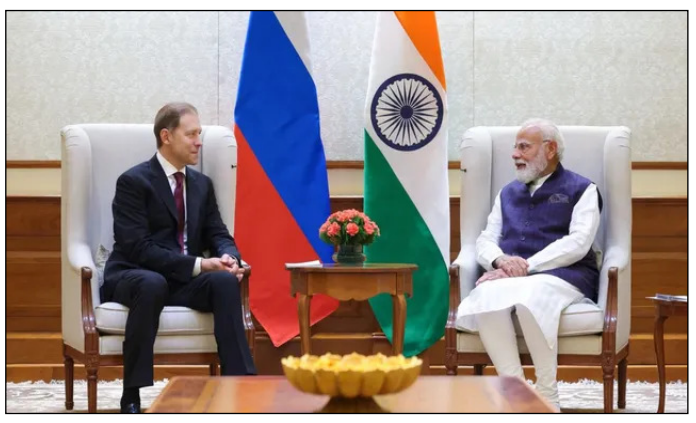

रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मांटुरोव की दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान ऊर्जा सहयोग चर्चा का प्रमुख मुद्दा रहा। 2 अप्रैल 2026 को उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्टीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की।

रूस बनेगा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता- सूत्रों ने बताया है कि रूस भारत के लिए सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बनने जा रहा है। मांटुरोव की यात्रा के बाद रूस की तरफ से जारी सूचना के मुताबिक मांटुरोव ने पुष्टि की है कि रूसी कंपनियां भारतीय बाजार में तेल और एलएनजी की आपूर्ति को लगातार बढ़ाने की क्षमता रखती हैं।

दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर भी सहमति जताई। रूसी पक्ष ने भारत-रूस अंतर- सरकारी आयोग की बैठक के दौरान तेल और गैस क्षेत्र में सहयोग को विशेष प्राथमिकता दी।

मांटुरोव की केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात - मांटुरोव की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात में भुगतान संबंधी मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार, दोनों पक्षों ने रूसी तेल और गैस की आपूर्ति के भुगतान को सुविधाजनक बनाने के तरीकों पर विमर्श किया। मांटुरोव की यात्रा ऐसे समय में हुई है जब भारत ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है।

सनद रहे कि होर्मुज जलडमरूमध्य से वैश्विक तेल और एलएनजी का लगभग 20 प्रतिशत व्यापार होता है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से आयात करता है, इसलिए यह संकट भारत के लिए गंभीर चुनौती बन गया है।

भारत में तेल-गैस संकट - यूक्रेन-रूस विवाद फरवरी, 2022 में शुरू होने के बाद भारत ने बड़े पैमाने पर रूस से तेल की खरीद शुरू कर दी थी। युद्ध के बाद प्रतिबंधों के बावजूद भारत ने रूसी तेल की खरीद बढ़ाई और 2024-25 के दौरान रूस का हिस्सा 35-40 प्रतिशत (पहले सिर्फ 0.2 फीसद) तक पहुंच गया था।

हाल के महीनों में अमेरिकी दबाव और प्रतिबंधों के कारण यह हिस्सा घटकर जनवरी 2026 में लगभग 19-21 प्रतिशत रह गया था, लेकिन होर्मुज संकट के बाद फिर से बढ़ रहा है।

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की तैयारी पूरी, 78 लाख मीट्रिक टन है उपार्जन का लक्ष्य : खाद्य मंत्री श्री राजपूत

इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग में 10 अप्रैल तथा शेष संभागों में 15 अप्रैल से होगी खरीदी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि प्रदेश में गेहूं उपार्जन के लिये इस वर्ष रिकॉर्ड 19 लाख 4 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3 लाख 60 हजार अधिक है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन की सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जा रही हैं। प्रदेश सरकार किसान हितैषी सरकार के रूप में किसानों को बेहतर लाभ दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से किसानों को इस वर्ष 2585 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य के साथ ही 40 रुपये प्रति क्विंटल का अतिरिक्त बोनस दिया जा रहा है। इससे किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिल सकेगा। उन्होंने बताया है कि इस वर्ष किसानों का पंजीकृत रकबा 41.58 लाख हेक्टेयर दर्ज किया गया है, जो विगत वर्ष से 6.65 लाख हेक्टेयर अधिक है।

मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि किसानों को उपार्जन केन्द्रों पर इंतजार न करना पड़े, इसके लिए उपार्जन प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से शुरू की जा रही है। इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग में 10 अप्रैल 2026 से तथा शेष संभागों में 15 अप्रैल 2026 से समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन प्रारंभ किया जाएगा।

मंत्री श्री राजपूत ने जानकारी दी कि राजस्व विभाग द्वारा किसानों के पंजीकृत रकबे के सत्यापन का कार्य तेज गति से किया जा रहा है। सत्यापन पूर्ण होने के बाद किसानों के लिए स्लॉट बुकिंग प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी, जिससे किसान अपनी उपज बिना किसी असुविधा के उपार्जन केन्द्रों पर बेच सकें। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष समर्थन मूल्य पर लगभग 77 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया गया था। इस वर्ष वैश्विक परिस्थितियों और पश्चिम एशिया में युद्ध जैसी चुनौतियों के बावजूद किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए सरकार ने 78 लाख मीट्रिक टन गेहूं उपार्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है।

मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि पश्चिम एशिया में पिछले एक माह से युद्ध की स्थिति के कारण पेट्रोल, डीजल, एलपीजी गैस और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका थी, लेकिन केन्द्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है, जिससे आमजन को किसी प्रकार की समस्या न हो।

50 हजार जूट की गठानों का अतिरिक्त आवंटन- मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि एलपीजी गैस की उपलब्धता बनाए रखने और औद्योगिक उपयोग में पेट्रोलियम पदार्थों की सीमाओं के कारण बारदानों की उपलब्धता में आई संभावित कठिनाइयों का भी समाधान कर लिया गया है। भारत सरकार ने मध्यप्रदेश को 50 हजार जूट की गठानों का अतिरिक्त आवंटन किया है। साथ ही गेहूं उपार्जन के लिए HDP/PP बैग और एक बार उपयोग होने वाले जूट बारदाने के उपयोग की अनुमति भी दी गई है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार लगातार बारदाना उपलब्धता और अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा कर राज्य सरकार को सहयोग प्रदान कर रही है। प्रदेश में निर्धारित लक्ष्य के अनुसार समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए आवश्यक बारदानों की व्यवस्था उपार्जन प्रारंभ होने से पूर्व पूरी कर ली जाएगी।

मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि जिन जिलों में भंडारण क्षमता सीमित है, वहां संयुक्त भागीदारी योजना के तहत गोदाम की क्षमता के 120 प्रतिशत तक भंडारण की व्यवस्था का प्रावधान किया गया है। साथ ही केंद्र सरकार के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत मार्च-अप्रैल तथा मई-जून 2026 का खाद्यान्न एक साथ वितरित किया जाएगा, जिससे लगभग 10 लाख मीट्रिक टन से अधिक अतिरिक्त भंडारण क्षमता उपलब्ध हो सकेगी।

प्रदेश में देश की सर्वाधिक कवर्ड भंडारण क्षमता- मध्यप्रदेश में देश की सर्वाधिक लगभग 400 लाख मीट्रिक टन की कवर्ड भंडारण क्षमता उपलब्ध है। इसमें से लगभग 103 लाख मीट्रिक टन भंडारण क्षमता खाली है, जो इस वर्ष निर्धारित गेहूं उपार्जन के लक्ष्य से अधिक है।

खौफ में इंदौर! 3 महीने में 13000 लोगों को कुत्तों ने काटा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या पर नियंत्रण पाने के लिए नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे नसबंदी अभियान और करोड़ों रुपये के खर्च के दावे जमीन पर पूरी तरह विफल साबित हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी किए गए ताजा आंकड़े शहर की भयावह स्थिति को दर्शा रहे हैं। वर्ष 2026 के शुरुआती तीन महीनों में ही 31 मार्च तक कुल 13 हजार 640 नागरिक कुत्तों के हमले का शिकार होकर अस्पतालों तक पहुंचे हैं। यह आंकड़ा बताता है कि निगम के तमाम प्रयासों के बावजूद सड़कों पर आवारा कुत्तों का खौफ कम होने का नाम नहीं ले रहा है।

आंकड़ों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि केवल मार्च के महीने में ही आवारा कुत्तों ने 4 हजार 722 लोगों को काटकर घायल किया है। इन हमलों के शिकार होने वालों में समाज का सबसे संवेदनशील वर्ग यानी महिलाएं और बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायलों में 833 महिलाएं और 787 नाबालिग बच्चे हैं। नगर निगम पिछले कई वर्षों से आवारा कुत्तों को पकड़ने और उनकी नसबंदी करने की प्रक्रिया को निरंतर जारी रखने का दावा करता रहा है लेकिन डॉग बाइट की घटनाओं का यह बढ़ता ग्राफ इन दावों पर गंभीर सवालिया निशान लगा रहा है।

शहर के 20 से अधिक क्षेत्र बने डेंजर जोन

स्वास्थ्य विभाग ने डॉग बाइट की बढ़ती घटनाओं के आधार पर शहर के उन इलाकों की पहचान की है जो अब हॉट स्पॉट बन चुके हैं। इन क्षेत्रों में खजराना की हिना कॉलोनी, शाहीन नगर मुख्य मार्ग और जमजम चौराहा शामिल हैं। इसके अलावा आजाद नगर, चंदननगर, मूसाखेड़ी, एकता नगर, शांतिनगर, मरीमाता चौराहा बाणगंगा, कुलकर्णी का भट्ठा, हेमू कालानी और मुखर्जी नगर में भी कुत्तों का अत्यधिक आतंक देखा जा रहा है। अन्य प्रभावित क्षेत्रों में गणेशधाम, बापट चौराहा, सुखलिया, विजयनगर, वीणा नगर, श्यामनगर, इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स, परदेशीपुरा, मंगल नगर, चंद्रगुप्त मौर्य चौराहा, भानगढ़, ग्राम तलावली चांदा और देवास नाका जैसे नाम शामिल हैं जहां से लगातार घायलों के अस्पताल पहुंचने की खबरें मिल रही हैं।

रीवा और मऊगंज जिले में 2319.43 करोड़ की बड़ी जल योजना से 1.29 लाख परिवारों को मिलेगा शुद्ध पानी

रीवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में ग्रामीण पेयजल आपूर्ति को सुदृढ़ बनाने की दिशा में लगातार ठोस कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में रीवा संभाग में मध्यप्रदेश जल निगम की परियोजना क्रियान्वयन इकाई, रीवा द्वारा संचालित रीवा समूह जल प्रदाय योजना ने महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की है। लगभग 2319.43करोड़ रुपए की लागत से विकसित इस योजना में जल शोधन संयंत्र तक रॉ वाटर पहुंचाया जा चुका है, जिससे परियोजना के आगामी चरणों में गति मिलने की स्थिति बनी है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके के मार्गदर्शन में क्रियान्वित इस योजना के माध्यम से रीवा जिले के 677ग्रामों और मऊगंज जिले के 936 ग्रामों के कुल 1613 ग्रामों को जोड़ा जा रहा है। योजना के पूर्ण होने पर लगभग 1.29 लाख ग्रामीण परिवारों को शुद्ध और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे इन क्षेत्रों में लंबे समय से बनी जल समस्या का समाधान संभव होगा। जल शोधन संयंत्र तक रॉ वाटर की आपूर्ति सुनिश्चित होना परियोजना के क्रियान्वयन का एक महत्वपूर्ण चरण है। इसके बाद जल शोधन और वितरण नेटवर्क के माध्यम से घर-घर पेयजल आपूर्ति की दिशा में कार्य को और गति दी जाएगी।

मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला से स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर की चर्चा

सिंहस्थ महापर्व को देखते हुए एमवाय हॉस्पीटल और जिला हॉस्पीटल के निर्माणाधीन कार्यों को शीघ्र पूर्ण करवाने का किया आग्रह

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ला के इन्दौर प्रवास पर उनसे स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की। श्री सिलावट ने सिंहस्थ महापर्व को देखते हुए एमवाय हॉस्पीटल और जिला हॉस्पीटल के निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करवाने का आग्रह किया। श्री सिलावट ने अवगत कराया कि इन्दौर में बेहतर आवागमन और स्वास्थ्य सुविधा होने के कारण हजारों मरीज प्रतिदिन आते हैं। एमवाय हॉस्पीटल में प्रतिदिन पांच हजार से ज्यादा मरीज आते हैं और स्वास्थ्य लाभ लेते हैं। हॉस्पीटल में भवन और बेड की कमी होने पर मरीजों को असुविधाओं का सामना करना पडता है।

मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि एमवाय हॉस्पीटल में विकास के लिए शासन द्वारा लगभग 775 करोड़ रूपये के विकास कार्यों तथा हॉस्पीटल के उन्नयन एवं मरीजों के स्वास्थ्य सुविधाओं हेतु स्वीकृत किये गए हैं, जिन पर निर्माण कार्य हो रहा है। सिंहस्थ महापर्व 2028 को देखते हुए इन निर्माण कार्यों में गति लाना आवश्यक है। साथ ही धार रोड स्थित सबसे बड़े बनने वाले जिला हॉस्पीटल भवन का निर्माण शीघ्र कराकर मरीजों को बेहतर उपचार मिले, इस हेतु आग्रह किया गया।

मंत्री श्री सिलावट ने सांवेर विधानसभा के लगभग 30 से अधिक सीएचसी-पीएचसी में स्वास्थ्य सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए आगामी वर्षों में सिंहस्थ के दौरान सांवेर तथा धरमपुरी व शिप्रा में स्वास्थ्य सेवाओं को बढाने एवं उनके उन्नयन तथा विकास कार्यों को कराने के लिए जोर दिया। श्री सिलावट ने ग्वालियर स्थित गजराराजे चिकित्सा महाविद्यालय में भी इंदौर की तर्ज पर लगभग 1000 करोड़ रुपये की लागत से स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन एवं विकास कार्यों के लिए राशि स्वीकृत करने का अनुरोध किया।

टूटा रिकॉर्ड, तीन महीने में ही पुलिस ने काट दिए हेलमेट के 1 लाख चालान, 4 करोड़ कमाए

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की यातायात पुलिस ने वर्ष 2026 की पहली तिमाही में नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाया है। पिछले तीन महीनों के भीतर ही पुलिस ने हेलमेट लगाने में लापरवाही बरतने वाले 1 लाख से ज्यादा चालकों के चालान काटे हैं। विशेष बात यह है कि इस साल के शुरुआती तीन महीनों में वसूला गया समन शुल्क पिछले पूरे साल की कुल वसूली के आधे आंकड़े को पार कर गया है।

यातायात पुलिस द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के साथ-साथ जनवरी माह से ही बिना हेलमेट चलने वालों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। शहर के चारों जोन के प्रमुख चौराहों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाकर बीते तीन महीनों में हेलमेट के कुल 1 लाख 3 हजार 358 चालान बनाए गए हैं।

इन चालानों में आईटीएमएस तकनीक के माध्यम से जारी किए गए नोटिस भी सम्मिलित हैं। विभिन्न यातायात नियमों के उल्लंघन को मिलाकर 2026 की प्रथम तिमाही में इंदौर पुलिस ने कुल 1 लाख 26 हजार 349 चालान किए हैं। इनसे कुल 4 करोड़ 37 लाख 11 हजार 450 रुपए का समन शुल्क प्राप्त हुआ है। तुलनात्मक रूप से देखें तो वर्ष 2025 में पूरे साल के दौरान 8 करोड़ 28 लाख 88 हजार रुपए का राजस्व जुटाया गया था, जिसकी तुलना में इस वर्ष की शुरुआत काफी आक्रामक रही है।

पुलिस के आधिकारिक आंकड़े दर्शाते हैं कि विभाग केवल हेलमेट और पार्किंग ही नहीं, बल्कि दोषपूर्ण नंबर प्लेट, रेड लाइट जम्प और ओवरलोडिंग जैसे विषयों पर भी पूरी तरह सतर्क है। हालांकि, हेलमेट न पहनने वालों की संख्या सबसे चिंताजनक बनी हुई है। माहवार आंकड़ों पर नजर डालें तो जनवरी में 31813 चालान किए गए, फरवरी में यह संख्या बढ़कर 34866 हुई और मार्च में सर्वाधिक 36679 वाहन चालकों के विरुद्ध हेलमेट न पहनने पर कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार लोग बार-बार जुर्माना भरने को तैयार हैं, लेकिन सुरक्षा के लिए हेलमेट लगाने की आदत को पूरी तरह नहीं अपना रहे हैं।

सफाई व्यवस्था में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई, स्वास्थ्य अधिकारी का वेतन काटने के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल द्वारा शहर के झोन क्रमांक 2 एवं 12 के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मधु मिलन चौराहा, गणगौर घाट, मुंबई बाजार, मच्छी बाजार, चंद्रभागा पुल, राज मोहल्ला और जिंसी चौराहा सहित कई स्थानों पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

मुंबई बाजार क्षेत्र में सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिलने पर आयुक्त ने संबंधित दरोगा को फटकार लगाते हुए तत्काल सुधार के निर्देश दिए। वहीं चंद्रभागा पुल के पास सार्वजनिक कार्यक्रम के बाद कचरा नाले किनारे फेंके जाने पर जिम्मेदारों के खिलाफ चालानी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए।

लगातार निर्देशों के बावजूद झोन 2 एवं 12 में सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं होने पर आयुक्त ने संबंधित सीएसआई के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए हैं।

ऑटिज्म जागरूकता दिवस पर 'दिव्यांग सेवा रत्न' सम्मान

विशेष शिक्षकों और केयर गिवर्स के सेवाभाव को मिला सम्मान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस पर सामाजिक न्याय विभाग के सौजन्य से विशेष बच्चों के लिए कार्यरत संस्था अरुणाभ ने विशेष शिक्षकों और केयर गिवर्स को उनके उत्कृष्ट सेवाभाव, समर्पण और योगदान के लिए 'दिव्यांग सेवा रत्न' सम्मान से सम्मानित किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उद्योगपति श्री विनय पिंगले, सक्षम की राष्ट्रीय सहसचिव श्रीमती स्वाति धारे तथा सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक श्री पवन चौहान और श्री शैलेंद्र सोलंकी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने चयनितों को सम्मानित करते हुए कहा कि विशेष बच्चों को आत्मनिर्भर और सक्षम बनाने में शिक्षकों एवं केयर गिवर्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

संस्था अरुणाभ ने इस अवसर पर समाज को ऑटिज्म के प्रति जागरूकता, संवेदनशीलता और समावेशिता का संदेश भी दिया। कार्यक्रम में अभिभावकों, शिक्षकों, सहयोगियों और समाजसेवियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती प्रिया देवरारी ने किया, वहीं आभार प्रदर्शन स्पेशल एजुकेशन डिपार्टमेंट के हेड श्री व्यंकटेश कट्टी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विशेष बच्चों के म्यूजिक बैंड द्वारा प्रस्तुत नाम-कीर्तन रहा, जिसने सभी उपस्थितजनों को भाव-विभोर कर दिया। साथ ही विशेष बच्चों द्वारा संचालित कैफे में परोसे गए गरमा-गरम स्नैक्स ने कार्यक्रम को और भी खास बना दिया। संस्था का मानना है कि विशेष बच्चों की प्रगति में समर्पित सेवा ही सबसे बड़ी ताकत है।

जामसांवली में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता प्रदर्शनी का आयोजन

पांढुरना/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुप्रसिद्ध धार्मिक स्थल जामसांवली में हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति के बीच ग्रामीण आदिवासी समाज विकास संस्थान द्वारा एक विशेष पहल की गई। सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान ने मंदिर परिसर में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता प्रदर्शनी का आयोजन किया, जिसका मुख्य उद्देश्य आम जनमानस को मानसिक रोगों के प्रति जागरूक करना और इससे जुड़ी सामाजिक भ्रांतियों को दूर करना था। इस कार्यक्रम के दौरान संस्थान के निदेशक श्री विजय धवले और समन्वयक श्री आशिष पाल के साथ समस्त कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। प्रदर्शनी में विभिन्न पोस्टरों और चार्ट्स के माध्यम से मानसिक रोगों के विभिन्न प्रकारों, उनके लक्षणों और आधुनिक उपचार पद्धतियों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यकर्ताओं ने श्रद्धालुओं को विशेष रूप से यह समझाया कि मानसिक रोग भी अन्य शारीरिक बीमारियों की तरह ही होते हैं, जिनका सही समय पर इलाज संभव है। प्रदर्शनी के माध्यम से यह संदेश प्रसारित किया गया कि केवल योग्य मनोचिकित्सक ही इन समस्याओं का प्रभावी उपचार कर सकते हैं।

भाजपा ने पुराने पदाधिकारियों पर ही जताया भरोसा, दुबे और मूलचंदानी को फिर जिम्मेदारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा ने अपनी मीडिया टीम की घोषणा की है और प्रवक्ता व मीडिया प्रभारियों को चुनने में अनुभव को महत्व दिया। इंदौर में भाजपा ने अपनी नई टीम के लिए पुराने पदाधिकारियों पर भरोसा जताया है। सबसे ज्यादा चौंकाने वाला नाम विधायक उषा ठाकुर का रहा। उन्हें प्रदेश प्रवक्ता बनाया गया है। आमतौर पर इंदौर में इस तरह का प्रयोग पहले कभी नहीं हुआ। उषा प्रदेश भाजपा में उपाध्यक्ष के पद पर रह चुकी हैं और शिवराज सरकार में वे मंत्री भी रह चुकी हैं। पहले प्रवक्ता रह चुके आलोक दुबे और जेपी मूलचंदानी को फिर पद मिला है। दोनों का पुराना अनुभव काम आया। इसके अलावा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में लंबे समय तक काम करने वाले सचिन बघेल को

भी पद मिला है। इंदौर से नयन दुबे को सोशल मीडिया सह-प्रभारी बनाया गया है। नयन युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष पद की दौड़ में थे। सचिन बघेल पहले विहिप से जुड़े थे। बाद में वे प्रवीण भाई तोगड़िया की हिंदू परिषद में भी महत्वपूर्ण भूमिका में रहे थे। बाद में वे फिर भाजपा में आए तो पार्टी ने भी उनका ध्यान रखा और इस बार वे पद भी पा गए।

पिछली प्रदेश कार्यकारिणी में इंदौर से दीपक जैन टीनू भी मीडिया टीम में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी में थे, लेकिन इस बार उन्हें दोबारा मौका नहीं मिला। टीनू का नाम आईडीए बोर्ड के लिए भी चर्चा में है। इससे पहले वे भाजपा नगर अध्यक्ष पद की दौड़ में भी थे। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

हेलमेट अभियान में सख्ती और जागरूकता साथ-साथ, 3 माह में 1.03 लाख से अधिक चालकों पर कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा चलाए जा रहे हेलमेट पहनें-सुरक्षित रहें अभियान के तहत शहर में एक ओर जन-जागरूकता बढ़ाई जा रही है, वहीं नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई भी की जा रही है। बीते तीन माह में बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले 1,03,358 चालकों पर कार्रवाई की गई है।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह और पुलिस उपायुक्त (यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में यह अभियान लगातार जारी है। सड़क दुर्घटनाओं में सिर की चोट से होने वाली मौतों को रोकने और नागरिकों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से यह पहल की जा रही है।

अभियान के अंतर्गत शहर के प्रमुख चौराहों पर जहां नियम तोड़ने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की जा रही है, वहीं अनाउंसमेंट और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से हेलमेट के महत्व को भी समझाया जा रहा है। साथ ही 25 हेलमेट वितरण कार्यक्रमों के माध्यम से जनसहयोग से 3900 हेलमेट जरूरतमंदों को वितरित किए गए हैं और स्वेच्छा से हेलमेट पहनने वाले चालकों को सम्मानित भी किया जा रहा है।

इंदौर ट्रैफिक पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए हमेशा हेलमेट का उपयोग करें तथा यातायात नियमों का जिम्मेदारीपूर्वक पालन करें, क्योंकि सड़क पर सुरक्षा ही सर्वोच्च प्राथमिकता है।

ट्रैफिक के लिए खोला रालामंडल बायपास का ब्रिज डेढ़ माह बाद फिर बंद, तोड़फोड कर सुधार रहे गलती

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के रालामंडल बायपास पर तीन साल बाद बनकर तैयार हुआ ब्रिज अफसरों की लापरवाही और नाकामियों की वजह से फिर बंद कर दिया गया। पहले अफसरों ने ब्रिज से ट्रैफिक शुरू करने में जल्दबाजी दिखाई। आधे-अधूरे ब्रिज को बिना लोकार्पण के ही ट्रैफिक के लिए खोल दिया गया और अब ब्रिज में तकनीकी गलतियां नजर आने पर उसमें तोड़फोड़ कर सुधार किया जा रहा है। ब्रिज की दोनों लेन बंद होने से फिर बायपास की सर्विस रोड पर यातायात बाधित हो रहा है।

रालामंडल ब्रिज पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने 40 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, लेकिन फिर भी ब्रिज ट्रैफिक के हिसाब से ठीक नहीं बना। इसकी एक भुजा की रेलिंग के कर्व को ब्रिज की सड़क से आधा फीट ऊंचा बना दिया गया, जिससे टकराकर वाहन हादसों का शिकार हो सकते हैं। जब अफसरों

को इस बात का अहसास हुआ तो लोकार्पण के तीन दिन बाद ही ब्रिज की तेजाजी नगर की तरफ जाने वाली भुजा बंद कर दी गई और रेलिंग के पास के हिस्से को तोड़ा गया।ब्रिज के एक हिस्से में कर्व फुटपाथ की तरह नजर आ रहे हैं और उसकी ऊंचाई भी ब्रिज पर असमान है, जबकि हाईवे के ब्रिजों पर सामान्यतः फुटपाथ नहीं बनाए जाते। कुछ समय बाद ब्रिज की दोनों लेन खोल दी गई, लेकिन चार दिन पहले फिर से दोनों भुजाएं ट्रैफिक के लिए बंद कर दी गईं। कभी थोड़ी देर के लिए ट्रैफिक के लिए खोल भी दिया जाता है।

आपको बता दें कि रालामंडल पर छह लेन ब्रिज का काम तीन साल पहले शुरू हुआ था। इसकी समय सीमा एक साल थी, लेकिन दो साल की देरी से यह ब्रिज बना, फिर भी उसमें खामियां रह गईं।

9 फरवरी को ब्रिज ट्रैफिक के लिए खोला गया था, लेकिन अब फिर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। इससे वाहन चालकों को परेशानी हो रही है और सर्विस रोड पर भारी वाहनों का दबाव बढ़ गया है।

घर के बाहर खेल रहे छह साल के बच्चे पर चढ़ा दी कार, पैर हुआ फैक्चर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के बॉम्बे अस्पताल क्षेत्र में घर के बाहर एक युवक ने छह साल के बच्चे पर कार का अगला पहिया चढ़ा दिया। इससे बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका एक पैर फैक्चर हो चुका है। पुलिस ने इस मामले में कार चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। बच्चे को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। यह हादसा बॉम्बे अस्पताल क्षेत्र की शांति निकेतन कॉलोनी में हुआ है। सड़क पर दो बच्चे खेल रहे थे। इस बीच एक कार तेज रफ्तार से आई। चालक को सड़क पर खेल रहा एक बच्चा दिखाई नहीं दिया और पहले उसने उसे टक्कर मार दी और फिर एक पहिया चढ़ाकर आगे बढ़ गया। इसके बाद उसे अहसास हुआ कि पहिए के नीचे कुछ आया है। पीछे पलटकर चालक ने देखा तो बच्चा जमीन पर था और उठने की कोशिश कर रहा था। इसके बाद चालक ने कार रोकी और घायल बच्चे को खुद अस्पताल ले गया। कार संजय अग्रवाल की है। उसे चालक दीपक चला रहा था। दीपक के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है। घायल बच्चे के पिता मजदूर हैं। वह कॉलोनी के खाली प्लॉट पर खोली बनाकर रहते हैं। इंदौर में पति की डांट से नाराज एक महिला ने जहर खाकर जान दे दी। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है।

12 अप्रैल को सोनगरी में होगा मेव इज्तिमाई शादी सम्मेलन, 60 जोड़े पंजीकृत, समाज में उत्साह

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सामाजिक एकता और सादगीपूर्ण निकाह परंपरा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मेव सोशल वेलफेयर सोसायटी के तत्वावधान में आगामी 12 अप्रैल 2026, रविवार को 24वां भव्य मेव इज्तिमाई (सामूहिक) शादी सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। जिला मंदसौर के सोनगरी स्थित दरगाह हजरत गैब शाह वली के मुकाम पर आयोजित होने वाले इस शादी सम्मेलन को लेकर तैयारियां जारी हैं।

सम्मेलन कमेटी कार्यालय पर की मीटिंग आयोजित कर सम्मेलन को सफल बनाने के लिए विस्तृत चर्चा और मशवरा किया गया। जिसमें मेव वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष असगर खां मेव व सम्मेलन कमेटी के अध्यक्ष पूर्व सरपंच तौफीक खां ने बताया कि इस शादी सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य समाज में व्याप्त फिजूलखर्ची को रोकना, गरीब व जरूरतमंद परिवारों को संबल प्रदान करना और मुस्लिम बिरादरी के बीच आपसी भाईचारे व एकता की मिसाल पेश करना है। वर्तमान में सम्मेलन को लेकर मुस्लिम समाज के भीतर भारी उत्साह देखा जा रहा है, जिसका प्रमाण यह है कि अब तक 60 जोड़ों का पंजीयन हो चुका है और अन्य जोड़ों की स्वीकृति भी प्राप्त हो सकती है। आयोजकों ने सभी मुस्लिम बिरादरी के लोगों से इस पुनीत कार्य में भागीदारी निभाने की अपील की है। पंजीयन के इच्छुक परिवार 6 अप्रैल तक सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक नयापुरा रोड स्थित फिरदोस मस्जिद के नीचे 'मयूर मीनाक्षी ट्रेवल्स' कार्यालय पर या मो.नं. 7999194477 पर सम्पर्क कर सकते है। शादी सम्मेलन के नियमों के अनुसार, निकाह के लिए लड़के की न्यूनतम आयु 21 वर्ष और लड़की की 18 वर्ष होना अनिवार्य है। रजिस्ट्रेशन के समय दूल्हा-दुल्हन के आधार कार्ड की छायाप्रति और दो-दो फोटो जमा करना आवश्यक होगा। प्रचार-प्रसार के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक इस आयोजन की सूचना पहुंचाई जा रही है ताकि अधिक से अधिक लोग इस सामूहिक विवाह पद्धति का लाभ उठा सकें।

आयोजन स्थल पर मेहमानों और जोड़ों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं ताकि किसी को भी असुविधा न हो। इस दौरान इस्माईल सेठ, असलम खां सदर, शरीफ भाई मल्हारगढ़, इमरान भाई मीनाक्षी, सईद खां खेड़ेवाले, राजा खां, उस्मान सेठ, हमीद खां सदर, हाजी शब्बीर खां, हाजी साबिर भाई पानवाले, अजहर हयात मेव, भूरू भाई आइफा, गुड्डू मास्टर, इरफान फीट एण्ड फीट, गफ्फार भाई पहलवान, अमजद भाई बुलगढ़ी, इस्माइल मास्टर, अयुब भाई लकड़ीवाले, फिरोज भाई, अशफाक खां पूर्व पार्षद, युनुस भाई बालोत, सरवर खां आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी वेलफेयर सोसायटी के सेकेट्री सईद खां खेड़ेवाले ने दी।

85 केएम सड़क बनी मुसीबत, सिंगोली-नीमच मार्ग पर गिट्टी, धूल और धीमे काम मे सफर हुआ मुश्किल

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच से सिंगोली तक बन रही करीब 85 किलोमीटर लंबी सड़क इन दिनों राहत के बजाय लोगों के लिए भारी परेशानी का कारण बन गई है।

युद्ध जैसे वैश्विक हालातों के चलते डामर की कमी ने निर्माण कार्य की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है, जिससे यह परियोजना अब आमजन के लिए मुसीबत बनती जा रही है। अधूरी सड़क, उखड़ी सतह और जगह-जगह गिट्टी बिछी होने से हादसों का खतरा लगातार बढ़ रहा है।स्थिति यह है कि पहले जहां यह सफर डेढ़ से दो घंटे में पूरा हो जाता था, वहीं अब लोगों को तीन से चार घंटे तक का समय लग रहा है। निर्माणाधीन सड़क के बड़े हिस्से को खोदकर छोड़ दिया गया है और उस पर केवल गिट्टी डाल दी गई है, जिससे वाहन फिसल रहे हैं। खासकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह मार्ग जानलेवा साबित हो रहा है। चारपहिया वाहन और शासकीय गाड़ियां भी लगातार पंचर और खराबी का शिकार हो रही हैं, जिससे लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।मालाखेड़ा से सिंगोली तक धूल और गिट्टी का गुबार हालात को और खराब कर रहा है। इसी मार्ग पर स्थित हेरिटेज रेस्टोरेंट पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो का अफीम तोल केंद्र संचालित हो रहा है, जहां बड़ी संख्या में किसानों का आवागमन बना रहता है। खराब सड़क के चलते किसानों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।यह सड़क परियोजना मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के तहत लगभग 295 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृत है। इसमें 85.52 किलोमीटर लंबी 10 मीटर चौड़ी डामरीकृत सड़क और 133 पुल-पुलियाओं का निर्माण शामिल है। कार्य पूर्ण करने की समय-सीमा जून 2027 तय की गई है।ठेकेदार कंपनी सांवरिया कंस्ट्रक्शन के प्रतिनिधि विक्रम सिंह के अनुसार, युद्ध जैसे अंतरराष्ट्रीय हालातों के कारण डामर की भारी कमी हो गई है, जिससे काम प्रभावित हुआ है। उनका कहना है कि जैसे ही डामर उपलब्ध होगा, मोरवन से डीकेन तक एक साइड का काम तेजी से पूरा किया जाएगा। उन्होंने वर्तमान असुविधा को निर्माण कार्य की सामान्य प्रक्रिया बताया।वहीं MPRDC के सहायक प्रबंधक राहुल बरडे ने भी डामर की कमी को स्वीकार किया है। उनका कहना है कि सामग्री उपलब्ध होते ही काम में तेजी लाई जाएगी और फिलहाल धूल कम करने के लिए पानी का छिड़काव व रोलिंग कराया जा रहा है।गौरतलब है कि 30 जनवरी 2026 को कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने इस निर्माण कार्य का निरीक्षण कर गुणवत्ता और समय-सीमा को लेकर सख्त निर्देश दिए थे। बावजूद इसके,तीन महीने बाद भी काम की धीमी गति और अव्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

आम आदमी पार्टी का राज्य स्तरीय पदाधिकारी सम्मेलन भोपाल में संपन्न

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आम आदमी पार्टी मध्यप्रदेश इकाई द्वारा राज्य में आगामी चुनाव की तैयारी एवं सफलता को लेकर पोलिंग बूथ स्तर तक संगठन निर्माण के लिए भोपाल में जोन वार पदाधिकारी सम्मेलन संपन्न हुआ, जिसमें राज्य के 13 जोन के पदाधिकारीगण सम्मिलित हुए। इस सम्मेलन में प्रदेश प्रभारी जितेंद्रसिंह तोमर द्वारा प्रत्येक जोन स्तर पर एवं जिला स्तर पर पदाधिकारियों से चर्चा की गई और पार्टी संगठन को मजबूत एवं पोलिंग बूथ समिति एवं विधानसभा स्तर पर समिति गठित करने पर जोर दिया एवं प्रत्येक स्तरों के चुनाव पर उम्मीदवार उतारने एवं जीत हासिल करने हेतु प्रेरित किया। इस सम्मेलन में रतलाम जोन के अंतर्गत मंदसौर, नीमच, रतलाम जिले से पदाधिकारीगण भी शामिल हुए। इसमें नीमच से प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन कुमार अग्रवाल, प्रदेश संगठन मंत्री यशवंत धाकड़, प्रदेश पेंशनर प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष बालचंद वर्मा, रतलाम जिला अध्यक्ष संयम शर्मा, मंदसौर जिला अध्यक्ष गंगाराम पाटीदार, नीमच जिला अध्यक्ष राजू पाल एवं रतलाम जोन मीडिया प्रभारी प्रकाश दोसावत आदि सम्मिलित हुए एवं प्रदेश प्रभारी श्री जितेंद्र सिंह तोमर एवं प्रदेश सह प्रभारी एवं नवनियुक्त रतलाम जोन प्रभारी श्री प्रवीण झा से वन टू वन चर्चा कर, आगामी विभिन्न स्तरों के चुनाव पर उम्मीदवार खड़ा करने की रणनीति बनाई। यह जानकारी रतलाम जोन मीडिया प्रभारी प्रकाश दोसावत द्वारा दी गई।

सिंगोली में पंच कल्याणक महोत्सव के द्वितीय दिवस पर नाभिराय ओर माता मरुदेवी की गोद भराई सम्पन्न

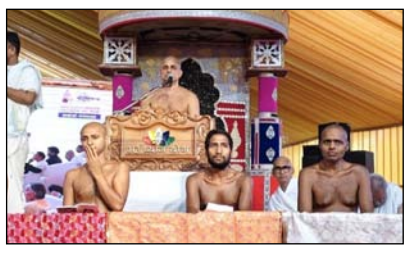

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जैन धर्म मे पंचकल्याणक महोत्सव में नाभिराय और माता मरुदेवी की गोद भराई एक अत्यंत हर्षोल्लासपूर्ण दृश्य होता है ।

यह तीर्थंकर ऋ षभ देव के जन्म से पूर्व का उत्सव है, मेवाड़ प्रांत की जैन धार्मिक नगरी सिंगोली जंहा 6 दिवसीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का दूसरा दिन भक्ति ,श्रद्धा और उल्लास के वातावरण में सम्पन्न हुआ। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वाधान में आयोजित पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव जंहा आचार्य श्री 108 विद्या सागर जी महाराज एवं नवाचार्य श्री समय सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद और अर्हं योग प्रणेता मुनि108 श्री प्रणम्य सागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में चल रहा है।

सिंगोली नगर में भव्य पंचकल्याणक महोत्सव के द्वितीय दिवस शुक्रवार को सर्वप्रथम प्रातः काल जाप आराधना, मंगलाष्टक, अभिषेक , शांतिधारा , गर्भ कल्याणक पूजन,एवं मुनि श्री की अमृत वाणी सुनने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ तत पश्चात दोपहर 1:00 अयोध्या नगरी मै राजा नाभिराय माता मरुदेवी की गोद भराई का कार्यक्रम हुआ जिसमें सौधर्म इंद्र परिवार ,ध्वजा रोहण कर्ता परिवार,धनपति कुबेर इंद्र परिवार,महायज्ञनायक परिवार ,यज्ञनायक परिवार,ईशान इंद्र परिवार,सानत कुमार इंद्र परिवार ,माहेंद्र इंद्र परिवार,भरत चक्रवर्ती परिवार ,राजा श्रेयांश परिवार,राजा सोम परिवार ,स्वर्ण सौभाग्यवती महिला परिवार ,प्रात्येंद्र इन्द्र परिवार ,महामंडलेश्वर परिवार , मंडलेश्वर परिवार आदि अनेक इंद्र परिवार ओर अनेक नगर के महानुभावों के माध्यम से माता पिता की गोद भराई की गई तत पश्चात गुरुदेव ने गोद भराई के महत्व को बताया अर्हम योग प्रणेता मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज ने कहा कि गोद उस की भरी जाती है जिस के गर्भ में कुछ हो अगर हम स्वयं की चर्चा कर तो हमे अपनी अंतरात्मा मै झांके तो हमारे अंदर भी बहुत कुछ है हमारे गर्भ में पाप ओर पुण्य भरा हुआ है पाप और पुण्य माने अंतरंग का विषय पाप ओर पुण्य हमारे गर्भ में उत्पन्न होता है इसी प्रकार गुरुदेव ने हम सब को गर्भ कल्याणक उत्तर रूप के बारे में बताया एवं संध्या कालीन 7:30 बजे से भव्य मंगल महा आरती की गई शास्त्र सभा एवं 8:00 बजे से महारानी मरुदेवी का जागरण, माता श्रृंगार , छप्पन कुमारियो द्वारा माता को भेंट, महाराज नाभिराय का आगवन तत्व चर्चा स्वप्न फल, जिज्ञासा महाराज द्वारा स्वप्नों का फल आदि अनेक प्रकार के कार्यक्रम हुए एवं बड़े ही हर्ष का विशेष कल जन्म कल्याणक का पावन दिन सभी अवश्य पधारे और कार्यक्रम का आनंद ले।

सूरजना में पकड़ी गई एमडी ड्रग्स फेक्टरी का मुख्य आरोपी दो साथी सहित पकड़ाया

शामगढ़ पुलिस को मिली सफलता, आरोपियों के कब्जे से एक किलो 245 ग्राम अफीम बरामद

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गरोठ थाने के ग्राम सूरजना में एमडी ड्रग्स फेक्टरी को पुलिस प्रशासन ने पकड़ा था। इस मामले में फरार मुख्य आरोपी को शामगढ़ थाना पुलिस टीम ने पकड़ा है। इसके अलावा उसके दो और साथी भी पकड़ाए है, जिनके कब्जे से एक किलो 245 ग्राम अफीम भी बरामद की गई है। उल्लेखनीय है कि धरपकड़ के समय सूरजना में मौके से एमडी ड्रग्स का 12 किलो 610 ग्राम गाढ़ा मिश्रण एवं 102 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की गई थी।

पुलिस के अनुसार मुखबीर सूचना पर उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाकर शामगढ़ थाना प्रभारी कपिल सौराष्ट्रीय ने टीम गठित की। सूचना मिली थी कि रेलवे ग्राउंड पास शामगढ़ के यहां तीन व्यक्ति खड़े हैं, जिनके पास मादक पदार्थ अफीम है, जो ट्रेन आने के समय स्टेशन की ओर जाएंगे। यहां से वे दिल्ली, पंजाब की ओर जाने वाले हैं। इस सूचना पर शामगढ़ थाने के उपनिरीक्षक रविन्द्र प्रताप डांगी ने हमराह फोर्स को टीम में शामिल कर घेराबंदी की। मौके से सूरजना प्रकरण के मुख्य आरोपी आरोपी प्रधान सिंह पिता मदन सिंह सौंधिया 28 वर्ष निवासी ग्राम नलखेड़ा थाना गरोठ एवं भगवान सिंह उर्फ बबलू पिता चन्दर सिंह सौंधिया 27 वर्ष निवासी नलखेड़ा थाना गरोठ तथा दिलीप सिंह पिता मदन सिंह सौंधिया 33 वर्ष निवासी ग्राम खेड़िया मेघा थाना सुवासरा को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की तलाशी में एक प्लास्टिक की थैली में 01 किलो 245 ग्राम अफीम मिली, जिसकी कीमत 2 लाख 49 हजार रुपए आंकी गई है। उनके खिलाफ शामगढ़ थाने में एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज किया गया। आरोपियों से अवैध मादक पदार्थ अफीम के स्रोत के संबंध में पूछताछ की जाकर अनुसंधान किया जा रहा है। आरोपी प्रधान सिंह निवासी नलखेड़ा का आदतन अपराधी होकर वह गरोठ थाना क्षेत्र के ग्राम सूरजना पकड़ी गई एमडी ड्रग्स फेक्टरी केस में मुख्य आरोपी है, वह घटना दिनांक से फरार चल रहा था। इसके खिलाफ झालावाड़ जिले के थाना इकलेरा में भी मादक पदार्थ तस्करी का प्रकरण दर्ज है। आरोपी प्रधान सिंह से एमडी ड्रग्स फेक्टरी मामले में सम्मिलित अन्य आरोपियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। इस सराहनीय कार्य में शामगढ़ थाना प्रभारी कपिल सौराष्ट्रीय, उपनिरीक्षक रविन्द्र प्रताप डांगी एवं टीम का विशेष सहयोग रहा है।

मध्य प्रदेश पुलिस के मुखिया का ओपन फरमान- नशा मुक्त प्रदेश बनाने का आगाज़, तस्करों में मचा हड़कंप

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय स्तर से सख्त संदेश जारी होने के बाद प्रदेशभर में नशे के अवैध कारोबार से जुड़े लोगों में खलबली मच गई है। पुलिस के मुखिया के स्पष्ट निर्देश के बाद सभी जिलों में विशेष अभियान चलाने की तैयारी तेज कर दी गई है। इसी कड़ी में नीमच जिले में एमडी ड्रग के कथित कारोबार से जुड़े नाम सामने आने पर स्थानीय पुलिस ने निगरानी बढ़ा दी है।

सूत्रों के अनुसार बादल, इरफान, चिंटू और फिरोज जैसे संदिग्ध तस्कर पुलिस की रडार पर बताए जा रहे हैं। जानकारी मिल रही है कि युवाओं को निशाना बनाकर एमडी ड्रग का जाल फैलाने की शिकायतों के बाद पुलिस ने इन गतिविधियों को गंभीरता से लिया है। उच्च स्तर से मिले निर्देशों के बाद जिले में मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया है और संदिग्ध स्थानों पर लगातार नजर रखी जा रही है। पुलिस का कहना है कि नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी और जो भी इस कारोबार में लिप्त पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान से नशा तस्करों में हड़कंप की स्थिति बताई जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि जल्द ही विशेष दबिश और जांच अभियान चलाए जा सकते हैं। वहीं समाज के जागरूक लोगों ने भी प्रशासन से अपेक्षा जताई है कि युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

नशा मुक्त मध्य प्रदेश के इस अभियान को लेकर पुलिस प्रशासन ने आम जनता से भी सहयोग की अपील की है, ताकि अवैध कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके और युवाओं का भविष्य सुरक्षित रहे।

दिगंबर जैन आर्यिका द्वय का 5 अप्रैल को मंदसौर में भव्य मंगल प्रवेश

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दिगंबर जैन आर्यिका 105 श्री समर्थ श्री माताजी एवं 105 श्री सार्थक श्री माताजी का ससंघ दिनांक 5 अप्रैल को मंदसौर नगर में मंगल प्रवेश होने जा रहा है। उल्लेखनीय है कि आर्यिका द्वय की कर्मभूमि और जन्मभूमि मंदसौर ही है। आप दिगंबर जैन समाज के समाजसेवी स्व. डॉ. अजित कुमार जैन के परिवार की सांसारिक जीवन में सदस्य रही हैं। गणाचार्य श्री विराग सागर महाराज से दिनांक 25 अक्टूबर 2015 को अजमेर में दीक्षा ग्रहण करने के 11 वर्षों बाद आर्यिका द्वय का प्रथम आगमन अपने गृहनगर में हो रहा है। डॉ. एस.एम. जैन ने बताया कि दीक्षा के पश्चात आर्यिका द्वय ने सलुम्बर, उदयपुर, ईडर, विजयनगर, हिम्मतनगर, अहमदाबाद, महुआ पार्श्वनाथ, इचलकरंजी एवं रतलाम में चातुर्मास कर धर्म प्रभावना की है। आपने मालवांचल के उन गांवों में भी विहार कर दिगंबर जैन सिद्धांतों के प्रति जागरण की अलख जगाई है, जहाँ अभी तक दिगंबर जैन संतों का सानिध्य प्राप्त नहीं हुआ था। आर्यिका द्वय के ससंघ मंगल प्रवेश के प्रति स्थानीय दिगंबर जैन समाज में हर्ष और उत्साह का वातावरण है। दिगंबर जैन समाज के पदाधिकारियों ने दिनांक 5 अप्रैल को प्रातः 8.30 बजे नूतन स्कूल मेन गेट के यहां एकत्रित होकर आर्यिका द्वय की भव्य अगवानी करने की अपील की है।

प्रशासन के दल ने समझाइश देकर रामदेव नगर में 17 वर्षीय बालिका का बाल विवाह रुकवाया

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में नीमच जिले में बाल विवाह रोकथाम एवं जागरूकता हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे है। इसके तहत जावद क्षेत्र के गांव रामदेव नगर में एक बाल विवाह को रुकवाया गया है। जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री अंकिता पंड्या ने बताया कि सूचना प्राप्त हुई कि विकासखंड जावद के ग्राम रामदेवनगर में 17 वर्षीय बालिका का विवाह 07 अप्रैल को होने वाला है; बारात मंदसौर जिले से आएगी। सूचना प्राप्ति पर परियोजना अधिकारी जावद श्रीमती आभा पाटीदार ने संपूर्ण जानकारी की तस्दीक की गई और सूचना सही पाएं जाने पर प्रशासन व पुलिस के संयुक्त दल द्वारा बालिका के घर जाकर ,परिवार को समझाया गया। समझाइश के आधार पर बालिका के पिता व परिवार द्वारा लिखित में दिया गया कि वे बालिका सोना(परिवर्तित नाम) का विवाह 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर ही करेंगे और यदि उसके पूर्व विवाह किया जाता है तो किसी भी प्रकार की वैधानिक कार्यवाही उनके विरुद्ध की जा सकेगी। प्रशासन एवं पुलिस की तत्परता से एक बाल विवाह की रोकथाम की जा सकी है।

गुड फाइडे पर नीमच में गूंजे प्रभु यीशु के सात वचन, आशीष भवन चर्च में श्रद्धा और भक्ति का माहौल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गुड फ्राइडे के पावन अवसर पर नीमच स्थित आशीष भवन चर्च में विशेष प्रार्थना एवं आराधना का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रभु यीशु मसीह को क्रूस पर चढ़ाए जाने की घटना का स्मरण करते हुए उनके सात अंतिम वचनों पर मनन एवं चिंतन किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ईसाई समुदाय के महिला, पुरुष, युवा एवं युवतियों ने भाग लिया।

चर्च के पास्टर विनोद मईड़ा एवं एसपी मिन्हास ने बताया कि गुड फ्राइडे ईसाई धर्म में अत्यंत महत्वपूर्ण दिन है। इसी दिन प्रभु यीशु मसीह ने मानवता के उद्धार के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया था। इस अवसर पर चर्चों में विशेष प्रार्थनाएं, उपवास और प्रभु के कष्टों का स्मरण किया जाता है।

कार्यक्रम के दौरान प्रभु यीशु द्वारा क्रूस पर दिए गए सात अंतिम वचनों को श्रद्धापूर्वक दोहराया गया, जिनमें प्रमुख हैं- हे पिता, इन्हें क्षमा कर, क्योंकि ये नहीं जानते कि ये क्या कर रहे हैं।

आज ही तू मेरे साथ स्वर्गलोक में होगा।

हे स्त्री, देख, यह तेरा पुत्र है।

हे मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया? मुझे प्यास लगी है।

सब कुछ पूरा हुआ।

हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूं।

इन वचनों के माध्यम से प्रभु यीशु ने क्षमा, प्रेम, दया, विश्वास और समर्पण का संदेश दिया, जिस पर आज भी ईसाई समाज अमल करता है।

कार्यक्रम में प्रत्येक वचन पर ईसाई समाज की महिलाओं को अपने विचार रखने का अवसर दिया गया। उन्होंने इन वचनों के महत्व और उनके जीवन में प्रभाव पर विस्तार से प्रकाश डाला।

गुड फ्राइडे के अवसर पर श्रद्धालुओं ने उपवास रखा और सादगीपूर्ण जीवन शैली अपनाई। चर्च में विशेष आराधना के दौरान शांति, प्रार्थना और आत्मचिंतन का वातावरण बना रहा।

अंत में मानवता की भलाई, शांति और प्रेम के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई।

सिंगोली में हनुमान जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में हनुमान जयंती का पर्व बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया नगर के विभिन्न बालाजी के मंदिरों पर हनुमान जयंती का पर्व पूरी विधि विधान के साथ मनाया गया जिसमें नगर के सबसे पुराने और प्रसिद्ध मंदिर श्री बारी के बालाजी मंदिर पर आकर्षक साज सज्जा की गई प्रातः आकर्षक चोला चढ़ाया गया रामायण पाठ किया गया साथ ही हवन यज्ञ किया गया दिन में अभिजीत मुहूर्त में महाआरती कर छप्पन भोग ढोल ढमाके के साथ लगाया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने छप्पन भोग का प्रसाद ग्रहण किया शाम को सुंदर कांड का पाठ कर आरती की गई इसी प्रकार नगर के बजरंग व्यायाम शाला, तलाई वाले बालाजी, किलेश्वर बालाजी, पंचमुखी बालाजी, आदि स्थान पर हनुमान जन्मोत्सव बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया गया बजरंग व्यायाम शाला ओर तलाई वाले बालाजी पर शाम को संगीतमय सुंदर कांड का आयोजन रखा गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत शा.महाविद्यालय सैलाना में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय महाविद्यालय सैलाना में 'जल गंगा संवर्धन अभियान 2026' के अंतर्गत जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. पी. पाटीदार के मार्गदर्शन एवं अभियान प्रमुख प्रोफेसर आशा राजपुरोहित के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से जन-जागरूकता का संदेश दिया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत महाविद्यालय में निबंध, भाषण, वाद विवाद, स्लोगन व पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं के पश्चात महाविद्यालय परिसर से एक जागरूकता रैली निकाली गई । रैली में विद्यार्थियों ने नारों और तख्तियों के माध्यम से जल संवर्धन और नदियों की स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ. पाटीदार ने अपने संबोधन में कहा कि जल स्रोतों को बचाना आज की महती आवश्यकता है। प्रोफेसर आशा राजपुरोहित ने अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए सफल आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापिका प्रो अनुभा कानडे, क्रीड़ा अधिकारी रक्षा यादव, प्रो भरत नागर, डॉ कल्पना जयपाल सहित महाविद्यालय स्टाफ उपस्थित थे।

सम्पादकीय

शिक्षक, शोध और शिक्षा - सबका नया केंद्र बनेगी एनसीईआरटी

जब किसी देश की शिक्षा व्यवस्था करवट लेती है, तो बदलाव केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की दिशा और दशा दोनों बदल जाती हैं। भारत की शिक्षा यात्रा में 2026 का आरंभ ऐसा ही एक निर्णायक पड़ाव बन गया है। पिछले 6 दशकों से करोड़ों विद्यार्थियों को अपनी पुस्तकों के माध्यम से मार्ग दिखाने वाली एनसीईआरटी अब 'डीम्ड-टू-बी-यूनिवर्सिटी' बनने जा रही है। अब वह केवल किताबें तैयार करने वाली संस्था नहीं रहेगी, बल्कि डिग्री प्रदान करेगी, शोध को बढ़ावा देगी, नए शिक्षकों का निर्माण करेगी और शिक्षा की नई नीतियों की आधारशिला रखेगी। यह बदलाव महज एक प्रशासनिक फैसला नहीं, बल्कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था को भीतर तक बदल देने वाली उस ऐतिहासिक क्रांति की शुरुआत है, जिसकी नींव राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने रखी थी।

1961 में स्थापित एनसीईआरटी ने दशकों तक भारतीय विद्यालयी शिक्षा की आधारशिला बनकर कार्य किया। देश के अधिकांश स्कूलों में पढ़ाई जाने वाली पुस्तकें, पाठ्यक्रम और मूल्यांकन पद्धतियां इसी संस्था की दृष्टि से आकार लेती रहीं। इसकी किताबों ने गांव के छोटे विद्यालय से लेकर महानगरों के प्रतिष्ठित स्कूलों तक शिक्षा का एक समान आधार तैयार किया। लेकिन समय बदलने के साथ यह स्पष्ट हो गया कि केवल पाठ्यपुस्तकें तैयार कर देना पर्याप्त नहीं है। नई शिक्षा व्यवस्था को ऐसे विशेषज्ञों की जरूरत है, जो शिक्षा को गहराई से समझें, उस पर शोध करें और बदलते समय के अनुसार उसे नया स्वरूप दे सकें। यही सोच एनसीईआरटी को विद्यालयी शिक्षा की सीमाओं से आगे बढ़ाकर उच्च शिक्षा के केंद्र में ले आई।

वर्ष 2023 में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पहली बार सार्वजनिक रूप से संकेत दिया था कि एनसीईआरटी को शोध और शिक्षक शिक्षा का राष्ट्रीय केंद्र बनाया जाएगा। लगभग 3 वर्षों की तैयारी, विशेषज्ञों की सिफारिशों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के बाद अब यह निर्णय अंतिम रूप लेने जा रहा है। दिल्ली स्थित एनसीईआरटी मुख्यालय के साथ-साथ अजमेर, भोपाल, भुवनेश्वर, मैसूर और शिलांग के क्षेत्रीय संस्थान भी इस नए स्वरूप का हिस्सा बनेंगे। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि एनसीईआरटी का दायरा बढ़ेगा, बल्कि यह कि देश के अलग-अलग हिस्सों में शिक्षा और शोध के नए केंद्र उभरेंगे। पहली बार विद्यालयी शिक्षा और विश्वविद्यालयी शोध एक ही मंच पर साथ दिखाई देंगे।

डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा मिलने के बाद एनसीईआरटी को व्यापक शैक्षणिक अधिकार प्राप्त हो जाएंगे। अब वह स्वतंत्र रूप से डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी स्तर तक के पाठ्यक्रम संचालित कर सकेगा। शिक्षा, मनोविज्ञान, बाल विकास, समावेशी शिक्षा, डिजिटल शिक्षण, बहुभाषी अध्ययन और शिक्षक-प्रशिक्षण जैसे विषयों में विशेष डिग्रियां दी जा सकेंगी। संस्था को अपने पाठ्यक्रम स्वयं बनाने, शैक्षणिक ऋण बैंक प्रणाली लागू करने और राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचे में शामिल होने की स्वतंत्रता मिलेगी। इसके साथ ही विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी, छात्र-शिक्षक आदान-प्रदान तथा नए परिसर खोलने का मार्ग भी प्रशस्त होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि एनसीईआरटी का उद्देश्य लाभ कमाना नहीं, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊंचाई तक पहुंचाना होगा।

दशकों से भारतीय शिक्षा व्यवस्था दो हिस्सों में बंटी हुई दिखाई देती रही है–एक ओर स्कूल, दूसरी ओर विश्वविद्यालय। विद्यालयों में पढ़ाई जाने वाली सामग्री और विश्वविद्यालयों में होने वाला शोध शायद ही कभी एक-दूसरे से जुड़ पाए। परिणामस्वरूप शोध पुस्तकालयों और रिपोर्टों तक सीमित रह गया, जबकि स्कूल पुराने ढर्रे पर चलते रहे। एनसीईआरटी का यह नया रूप अब इस दूरी को समाप्त करने वाला सशक्त सेतु बनेगा। जो विशेषज्ञ पाठ्यक्रम तैयार करेंगे, वही शिक्षक गढ़ेंगे और वही शिक्षा पर शोध भी करेंगे। इससे नई खोजें और नए विचार सीधे कक्षा तक पहुंचेंगे। बच्चों की पढ़ाई अधिक व्यावहारिक, वैज्ञानिक और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बन सकेगी। भारत की शिक्षा व्यवस्था में सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक हमेशा से प्रशिक्षित और सक्षम शिक्षकों की कमी रही है। अनेक शिक्षक-प्रशिक्षण संस्थान आज भी पुराने पाठ्यक्रमों और पारंपरिक तरीकों तक सीमित हैं। ऐसे समय में एनसीईआरटी का यह नया स्वरूप शिक्षक-शिक्षा के क्षेत्र में नई क्रांति ला सकता है। अब वह ऐसे पाठ्यक्रम प्रारंभ कर सकेगा, जिनमें डिजिटल शिक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शिक्षण, व्यावसायिक शिक्षा, समावेशी कक्षाएं और बहुभाषी अध्ययन जैसे आधुनिक विषय शामिल होंगे। क्षेत्रीय संस्थानों में पीजी और पीएचडी कार्यक्रम शुरू होने से युवा शोधकर्ताओं को विद्यालयी शिक्षा की वास्तविक चुनौतियों पर काम करने का अवसर मिलेगा।

सभी प्रकार के नशे से युवाओं को सुरक्षित रखता है सहजयोग ध्यान

न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते।
तत्स्वयं योगसंसिद्धः कालेनात्मनि विन्दति।।
भगवद्गीता

परम पूज्य श्री माताजी प्रणीत सहयोग हमें शुद्ध पवित्र निर्मल आत्मज्ञान प्रदान करता है भगवद्गीता से लिए गए उपरोक्त श्लोक का अर्थ है कि इस संसार में आत्मज्ञान से बढ़कर के समान पवित्र निसंदेह कुछ भी नहीं इस ज्ञान को कितने ही कल से कर्मयोग द्वारा शुद्ध अंतःकरण प्राप्त करने वाला मनुष्य अपने आप ही आत्मा में पा लेता है।

परम पूज्य श्री माताजी कहते हैं कि आपका कर्मफल पूर्ण होने का समय आ गया है। जब कोई भी साधक श्री माताजी के समक्ष बैठकर आत्मसाक्षात्कार मांगता है तथा सभी को क्षमा कर अपना हृदय स्वच्छ कर अपना चित्त सहस्त्रार चक्र पर स्थिर कर कुछ क्षण शांत बैठता है तो उसके पिंड में स्थित शक्ति वायु रूप लेकर रीढ़ की हड्डी के समानांतर स्थित सुषुम्ना नाड़ी से प्रवाहित होती है और उसके हाथों से शीतल चैतन्य लहरियां बहने लगतीं हैं। इन शीतल चैतन्य लहरियों का अनुभव ही आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति का संकेत होता है।

तत्पश्चात् नियमित ध्यान से जब आपकी कुंडलिनी मां भवसागर को पार करती है तो धर्म आपके हाथों से चैतन्य लहरियों के रूप में प्रवाहित होने लगता है । इस चैतन्य में धर्म को स्थापित करने की क्षमता होती है। इस प्रकार का साधक श्री माताजी की आज्ञा से किसी भी तत्व को चैतन्यित कर सकता है। इस चैतन्य का उपयोग जल के माध्यम से करना अत्यंत सहज, सरल व प्रभावशाली होता है। श्री माताजी के समक्ष चैतन्यित जल को जब कोई व्यक्ति ग्रहण करता है तो धर्म स्वयं ही उसके भीतर जागृत हो जाता है तथा उचित - अनुचित का भेद स्पष्ट होने लगता है। ऐसा व्यक्ति किसी भी प्रकार के नशे जैसे शराब, तंबाकू, ड्रग्स आदि का त्याग बड़ी ही आसानी से कर देता है। इस चैतन्यित जल का प्रयोग करने से हमारे सूक्ष्म शरीर में चक्रों व नाड़ियों में संतुलन स्थापित होता है जिससे अनेक प्रकार के रोग सहजता से ठीक हो जाते हैं। अनगिनत उदाहरण सहजयोग में मौजूद हैं जिसमें साधकों ने सहजयोग के नियमित अभ्यास द्वारा अनेक साध्य व असाध्य रोगों से मुक्ति प्राप्त की है। परंतु सहजयोग कोई झाड़ फूंक अथवा तंत्र - मंत्र द्वारा रोगों को ठीक करने की संस्था नहीं है। सहजयोग सनातन ऋषियों की वैज्ञानिक पद्धति का सर्वोच्च ज्ञान है जिसका मुख्य व एकमात्र उद्देश्य आत्मज्ञान की प्राप्ति है । सूक्ष्म शरीर का ज्ञान तथा नियमित ध्यान अभ्यास से जो संतुलन हमारे भीतर स्थापित होता है उसका सह उत्पाद रोगों से मुक्ति है।

इस प्रकार श्री माताजी प्रणित सहजयोग अपना अंतरंग स्वच्छ कर हमें सकारात्मक ढंग से पूर्ण परिवर्तित कर जीवन का उच्चतम आनंद प्रदान करता है।

पश्चिम बंगाल बढ़ती अराजकताः लोकतंत्र के लिए चुनौती

पश्चिम बंगाल, जो कभी सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिकता और राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक माना जाता था, आज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें लगातार कमजोर होती प्रतीत हो रही हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राज्य में हिंसा, अराजकता अलोकतांत्रिकता और राजनीतिक असहिष्णुता की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है। हाल ही में मालदा जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण अर्थात एसएआर को लेकर जिस प्रकार का असंतोष और तनाव देखने को मिला, वह भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अविश्वास को दर्शाता है। मतदाता सूची में नाम जुड़ना या हटना एक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके लिए स्पष्ट नियम और प्रावधान होते हैं। यदि इस प्रक्रिया को राजनीतिक चश्मे से देखा जाएगा या प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाया जाएगा, तो निष्पक्ष चुनाव की पूरी प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाएगी। एसएआर प्रक्रिया में बाधक बनते हुए जिसे तरह से न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाए जाने की घटना सामने आयी है, वह न केवल चिंताजनक है बल्कि लोकतंत्र के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। यह उस व्यापक घातक एवं विडम्बनापूर्ण प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें प्रशासनिक और न्यायिक तंत्र को भी राजनीतिक दबाव और भीड़तंत्र के आगे झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विशेष रूप से यह तथ्य कि बंधक बनाए गए अधिकारियों में महिलाएं भी शामिल थीं, इस घटना को और अधिक गंभीर बना देता है। यह न केवल कानून के शासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता को भी उजागर करता है।

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का इतिहास नया नहीं है। 1960 और 70 के दशक में नक्सल आंदोलन के दौरान हिंसा का जो दौर शुरू हुआ था, उसने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया। इसके बाद वामपंथी शासन के लंबे कालखंड में भी राजनीतिक विरोधियों के प्रति असहिष्णुता और हिंसा की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहीं। सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल कांग्रेस एवं ममता बनर्जी के शासन में यह प्रवृत्ति समाप्त नहीं हुई, बल्कि नए स्वरूप में सामने आई। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या केवल किसी एक दल या विचारधारा की नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र में व्याप्त एक गहरे संकट की है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, चुनावों के निकट आते ही जिस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं, वे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे का संकेत देती हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे संवेदनशील कार्य में लगे अधिकारियों को बंधक बनाना यह दर्शाता है कि कुछ तत्व चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मतदाता की स्वतंत्रता और निष्पक्ष चुनाव के अधिकार पर सीधा हमला है।

इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता उल्लेखनीय है। समय-समय पर न्यायालय ने राज्य सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी की याद दिलाई है। किंतु यह भी एक चिंताजनक तथ्य है कि इन निर्देशों का जमीनी स्तर पर अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखाई देता। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या राज्य प्रशासन एवं सत्तारूढ पार्टी इन निर्देशों को लागू करने में अक्षम है या इच्छुक नहीं है? यदि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश भी प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। चुनाव के समय बढ़ती अराजकता के पीछे राजनीतिक बौखलाहट भी एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती है। जब किसी दल को अपनी लोकप्रियता में गिरावट का भय होता है, तो वह अक्सर लोकतांत्रिक मर्यादाओं को दरकिनार कर असंवैधानिक उपायों का सहारा लेने लगता है। पश्चिम बंगाल में भी कुछ ऐसी ही प्रवृत्तियां देखने को मिल रही हैं, जहां सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं पर विपक्ष को डराने, प्रशासनिक कार्यों में बाधा डालने और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लगते रहे हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।

नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति इन सभी पहलुओं पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि चुनाव प्रक्रिया ही निष्पक्ष और शांतिपूर्ण नहीं रह जाती, तो लोकतंत्र का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मतदाता का विश्वास होता है, और यदि मतदाता को यह लगने लगे कि मतदाता सूची, चुनाव प्रक्रिया या प्रशासन किसी राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्वतः कमजोर होने लगती है। इस पूरे घटनाक्रम में प्रशासनिक नाकामी का प्रश्न भी गंभीरता से सामने आता है। किसी भी राज्य में यदि अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं, न्यायिक अधिकारी तक बंधक बना लिए जाते हैं और पुलिस या प्रशासन समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाता, तो यह प्रशासनिक तंत्र की कमजोरी का स्पष्ट प्रमाण है। प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून व्यवस्था बनाए रखना और सरकारी कार्यों को निर्भय वातावरण में संपन्न कराना होता है। यदि प्रशासन यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है, तो इससे जनता में भय और अविश्वास दोनों बढ़ते हैं। जनता का विश्वास ही किसी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी होता है, और जब यही विश्वास डगमगाने लगता है, तो शासन की वैधता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगते हैं।

राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। लोकतंत्र में राजनीतिक दल केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कार्यकर्ताओं को संयम, कानून के सम्मान और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करने के लिए प्रेरित करें। लेकिन जब राजनीतिक प्रतिस्पर्धा कटु संघर्ष में बदल जाती है और कार्यकर्ताओं को किसी भी तरह से राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, तो अराजकता की स्थिति उत्पन्न होती है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि राजनीतिक दल चुनाव को युद्ध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्सव के रूप में देखें। आज आवश्यकता इस बात की है कि पश्चिम बंगाल की घटनाओं को केवल एक राज्य की समस्या न मानकर लोकतंत्र के लिए चेतावनी के रूप में देखा जाए। यदि प्रशासनिक तंत्र कमजोर होगा, राजनीतिक दल मर्यादा नहीं रखेंगे, और जनता का विश्वास कम होता जाएगा, तो लोकतंत्र केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। लोकतंत्र की रक्षा केवल संविधान या न्यायालय नहीं कर सकते, इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक निष्पक्षता और जनता की जागरूकताकृतीनों का संतुलन आवश्यक है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान परिस्थितियां हमें यही संदेश देती हैं कि लोकतंत्र को केवल चुनाव से नहीं, बल्कि व्यवस्था की निष्पक्षता, कानून के शासन और नागरिक विश्वास से मजबूत बनाया जा सकता है।

इस परिप्रेक्ष्य में आवश्यक है कि राज्य सरकार, चुनाव आयोग और न्यायपालिका मिलकर ठोस कदम उठाएं। कानून व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाए, दोषियों के खिलाफ त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई हो और प्रशासनिक तंत्र को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखा जाए। इसके साथ ही राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करें। निश्चित ही यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति एक चेतावनी है कि यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो यह अराजकता और गहराई तक फैल सकती है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि हम सभी मिलकर कानून, नैतिकता और सहिष्णुता के मूल्यों को पुनः स्थापित करें। पश्चिम बंगाल आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां से वह या तो लोकतांत्रिक पुनर्जागरण की ओर बढ़ सकता है या अराजकता के गहरे गर्त में गिर सकता है। यह निर्णय न केवल राजनीतिक नेतृत्व, बल्कि पूरे समाज को मिलकर लेना होगा।

-ललित गर्ग

जरूरी था ट्रांसजेंडर कानून में बदलाव

गत दिनों ट्रांसजेंडर के अधिकारों से जुड़े संशोधन विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई। 2019 के अधिनियम में सुधार की दृष्टि से लाए गए ट्रांसजेंडर (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक में किसी को जबरन ट्रांसजेंडर दर्शाने या उससे भीख मंगवाने पर 10 वर्ष की सजा का प्रविधान है। बच्चों की ऐसी प्रस्तुति-शोषण पर यह सजा आजीवन कारावास तक हो सकती है। अगवा कर ट्रांसजेंडर बनाने के उद्देश्य से अंग-भंग पर भी कड़ी सजा का प्रविधान है। मौजूदा कानून में ट्रांसजेंडरों के प्रति भेदभाव-दुर्व्यवहार पर दो साल तक की सजा थी। पहले से व्यापक और कड़े प्रविधानों के बावजूद इस बिल का विरोध हो रहा है। विरोध का मूल कारण वह प्रस्ताव है, जो ट्रांसजेंडर पहचान को स्व-अनुभूत लिंग पहचान की अपेक्षा मेडिकल सत्यापन से तय करता है। नए विधेयक के बाद ट्रांसजेंडर को उचित अधिकारी से मेडिकल प्रमाणपत्र लेना होगा।

नेशनल लीगल सर्विसेज अथारिटी, नालसा और द कर्नाटक स्टेट जेंडर एंड सेक्सुअलिटी माइनारिटीज फार कन्वर्जेंस जैसी संस्थाएं यह कह कर विरोध कर रही हैं कि किसी भी व्यक्ति को उसकी आनुवांशिक संरचना से इतर इच्छानुसार अपना लिंग घोषित करने का अधिकार होना चाहिए। नालसा बनाम केंद्र सरकार वाद में सर्वोच्च न्यायालय ने नालसा का यह तर्क माना था और 2019 का ट्रांसजेंडर अधिनियम उसी आधार पर बना था। अब संशोधन विधेयक ने पुनः ट्रांसजेंडर एक्टिविज्म और लिंग पहचान राजनीति को विमर्श का बिंदु बना दिया है। सामान्यजन को भले ही आश्चर्य हो कि किसी व्यक्ति का लिंग निर्धारण क्रोमोसोम जैविकी की अपेक्षा उसकी भावनाओं पर कैसे आधारित हो सकता है, परंतु ऐसा मत पश्चिम के अकादमिक जगत और राजनीति में प्रबल रूप ले चुका है। लिंग पहचान की स्वघोषणा से ऐसी विचित्र स्थिति बन गई है कि पुरुष महिला प्रसाधन कक्ष और महिला जेलों में प्रवेश पा रहे हैं एवं महिला खेल एवं प्रतिस्पर्धाओं में भाग ले रहे हैं। इसी तरह पश्चिम में 'शी' या 'ही' की बजाय 'जी' और 'हिम' या 'हर' के स्थान पर 'हिअर' जैसे लिंग निरपेक्ष सर्वनामों के उपयोग की हठ है। यह दुष्चेष्टा माता-पिता की सहमति के बिना बच्चों को स्कूल में अपना नाम और सर्वनाम बदलने की अनुमति देती है और चिकित्सकों द्वारा अवयस्कों के लिंग परिवर्तन की पैरवी भी करती है। भारत में अभी तक अवयस्कों को ऐसे अधिकार नहीं हैं, परंतु यदि पश्चिम प्रेरित पैरवी रोकी नहीं गई तो इस सक्रियता की दिशा वही होगी। इस पूरे विमर्श में बड़ा प्रश्न यह है कि ऐसी विकृति को बढ़ावा देने का उद्देश्य आखिर क्या है?

-विकास सारस्वत

भारत के पुनर्जागरण की तथा-कथा, देश की सर्वांगीण प्रगति का मूल राष्ट्रीय जागरण

1947 में भारत एवं पाकिस्तान ने एक साथ स्वतंत्रता की प्राप्ति की थी किंतु पाकिस्तान एक मुस्लिम राष्ट्र की अवधारणा धारण कर अलग दिशा में आगे बढ़ता गया जिसके फलस्वरुप आज पाकिस्तान विपन्न और गरीब देश बन गया है। दूसरी तरफ भारत एक लोकतांत्रिक, जनतांत्रिक अवधारणा की दिशा में नई-नई विकास के सोपनो को प्रतिपादित कर आगे बढ़ता गया। भारत वैश्विक स्तर पर सामरिक आर्थिक एवं अन्य विषयों पर काफी हद तक प्रगति प्राप्त कर चुका है।भारत ने आश्चर्यजनक रूप से देश को विकसित मजबूत एवं सशक्त बना दिया है ।भारतीय परिदृश्य और संदर्भ में भारत में विगत एक दशक में व्यापक तथा आमूल चूल परिवर्तन देखे गये हैं। राजनीतिक परिदृश्य में उत्तरदायित्व आधारित शासन प्रशासन-प्रणाली, सांस्कृतिक विमर्श में सनातनी सांस्कृतिक सभ्यता-गौरव की पुनर्प्राप्ति और आर्थिक नीतियों के संरचनात्मक सुधारों ने देश की दिशा और दशा तय की है। इन नई विचारधारा एवं रणनीति ने भारत को न केवल आंतरिक रूप से सशक्त किया बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी एक निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित किया।

भारतीय राजनीति में पिछले दो दशकों का सबसे बड़ा परिवर्तन रिपोर्ट कार्ड राजनीति का उदय रहा, जिसमें आम जनता और राजनीतिक नेताओं और दलों का मूल्यांकन उनके किए गए कार्यों और परिणामों के आधार पर कसौटी पर कसा जाने लगा है ।संवैधानिक और नीतिगत स्तर पर कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए। 2019 में अनुच्छेद 370 का निरसन और जम्मू-कश्मीर का पुनर्गठन केंद्र की सख्त और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति तथा विचारधारा का प्रतीक बना। तीन तलाक कानून ने मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम रखा। वहीं नागरिकता संशोधन अधिनियम ने राष्ट्रीयता और शरणार्थी नीति पर नई विचारों की श्रृंखला को जन्म दिया। भारत की परंपरागत लोकतांत्रिक विरासत को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए नया संसद भवन, ई-संसद और डिजिटलीकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य को शामिल किया गया है। दूसरी तरफ विपक्ष की भूमिका, मीडिया की स्वतंत्रता और चुनावी राजनीति में सोशल मीडिया तथा धनबल के प्रभाव ने लोकतांत्रिक विमर्श को चुनौतीपूर्ण और प्रभावशाली भी बनाया गया है।

नये भारत की संकल्पना और अवधारणा को केवल राजनीति या अर्थव्यवस्था तक सीमित परिसीमित नहीं रखा गया है बल्कि सांस्कृतिक क्षेत्र के व्यापक फलक पर भी इसका गहरा असर और परिणाम परिलक्षित हुए हैं । भारत की महान अर्वाचीन योग और आयुर्वेद जैसी परंपरा को वैश्विक स्तर प्रचारित प्रसारित कर नई अवधारणा तथा पहचान प्रदान की गई है। अयोध्या में राममंदिर निर्माण ने भारतीय परंपरा और धार्मिक-सांस्कृतिक आकांक्षाओं की विशाल अवधारणा को मूर्त रूप दिया गया है। शिक्षा और पाठ्यपुस्तकों में भारतीय आख्यानों और इतिहास को नवीन स्वरूप देने के प्रयास किए गए हैं। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं को पुष्पित पल्लवित करने के प्रयासों को संपूर्ण प्रोत्साहन दिया गया। साथ ही, सांस्कृतिक कूटनीति नवीन अवधारणा के माध्यम से भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी पहचान और अधिक सुदृढ़ रूप से विस्तारित की है। हालाँकि, इस सांस्कृतिक पुनर्जागरण के साथ अनेक कठिन एवं दुष्कर चुनौतियाँ भी रहीं हैं। बहुलतावाद और अल्पसंख्यक अधिकारों पर उठते सवाल तथा परंपरा बनाम आधुनिकता की खींचतान समाज में गूढ विचार विमर्श का विषय बनी रही।

आर्थिक पुनर्जागरण के संदर्भ में यही कहा जा सकता है कि भारत की अर्थव्यवस्था ने इस दशक में उल्लेखनीय और अभूतपूर्व प्रगति प्राप्त की है । मेक इन इंडिया ने विनिर्माण और रक्षा उत्पादन को बढ़ावा दिया। जीएसटी (2017) ने कर संरचना को एकीकृत और पारदर्शी बनाया। जीएसटी को 2025 में 22 सितंबर से नवीन संशोधन कर एकदम सरल एवं स्पष्ट कर काफी हद तक सस्ता करके आम जन को बड़ी राहत पहुंचाई है। डिजिटल इंडिया, जनधन योजना और क्ष्ठ ने वित्तीय समावेशन और नकदी रहित लेन-देन की दिशा में क्रांतिकारी बदलाव लाए।

स्टार्टअप इंडिया ने उद्यमिता और नवाचार को प्रोत्साहित किया। इसके परिणामस्वरूप भारत आज विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी सशक्त अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। विदेशी निवेश वृद्धि, रेलवे और सड़क निर्माण में गति तथा बिजली और डिजिटल नेटवर्क का विस्तार इस आर्थिक पुनर्जागरण के प्रमुख संकेतक रहे।इसके बावजूद बेरोजगारी की समस्या, ग्रामीणङ्कशहरी असमानता और आय-विभाजन जैसी बड़ी और गंभीर चुनौतियाँ भारत देश के आर्थिक परिदृश्य को संतुलित होने से रोकती रही हैं। कृषि सुधार अभी तक आधे अधूरे रह गए और हरियाणा पंजाब तथा अन्य प्रदेशों में किसान आंदोलनों ने यह यह साफ तथा स्पष्ट संकेत दिया कि विकास की अवधारणा सबके लिए समान रूप से सुलभ नहीं है।

भारत ने पिछले दशक में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नई पहचान बनाई ग्लोबल साउथ के नेता के रूप में भारत की भूमिका स्पष्ट हुई। 2023 में आयोजित द्द20 सम्मेलनों में भारत ने वैश्विक मुद्दों पर संतुलित और निर्णायक नेतृत्व प्रस्तुत किया। चीन में हुए शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में 10 महत्वपूर्ण देशों के साथ 27 देशों ने भारत चीन और रूस पर अपना विश्वास जाहिर कर यूरोपीय शक्तियों एवं मनमानी का खुला विरोध किया है, जिसमें भारत पर अमेरिका द्वारा 50न्न लगाए गए टैरिफ का भी खुला विरोध हुआ है। रूस, चीन और पड़ोसी देशों के साथ संतुलित कूटनीतिक संबंधों ने भारत की स्थिति को और सशक्त मजबूत किया।पिछले दस वर्षों का भारत राजनीतिक दृढ़ता, सांस्कृतिक आत्मगौरव और आर्थिक नवाचारों से परिपूर्ण रहा है। यह अवधि भारतीय लोकतंत्र को नई परिभाषा देने, सांस्कृतिक मूल्यों को पुनर्जीवित करने और आर्थिक संरचना को मज़बूत करने में महत्वपूर्ण रही। हालाँकि असमानता, बेरोजगारी और राजनीतिक ध्रुवीकरण जैसी विकराल चुनौतियाँ अब भी बनी हुई हैं, फिर भी यह कहना उचित होगा कि यह दशक भारत के लिए राजनीतिक-सांस्कृतिक-आर्थिक पुनर्जागरण का समय रहा है, जिसने भारत को वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में निर्णायक शक्ति बना दिया है। भारत की सनातनी सांस्कृतिक विरासत, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और भारत की सामरिक शक्ति में इजाफा होकर पिछले एह्लक दशक में भारतीय जनमानस की एकजुटता एवं देश के नेतृत्व की कार्य कुशलता के परिणाम स्वरूप भारत का सम्मान और कद वैश्विक परिदृश्य में काफी हद तक ऊंचा हुआ है।

-संजीव ठाकुर

बंगाल में मुस्लिम मतों का रुझान

पश्चिम बंगाल चुनाव का एक प्रमुख विश्लेषण हमेशा मुस्लिम मतों पर केंद्रित रहता है। कई वर्षों से राज्य की सत्ता पर काबिज मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की निरंतर विजय में मुस्लिम मतों की प्रमुख भूमिका मानी जाती रही है। 2011 की जनगणना के अनुसार बंगाल की आबादी करीब 9.13 करोड़ थी, जिसमें मुस्लिम लगभग 2.5 करोड़ थे। इस समय बंगाल की कुल जनसंख्या 10.5 करोड़ से ऊपर होगी, जिसमें मुस्लिम तीन करोड़ से अधिक हो सकते हैं। बंगाल में मुस्लिम बहुल जिले हैं मुर्शिदाबाद-66.3 प्रतिशत, मालदा-51.3, उत्तर दिनाजपुर-50, बीरभूम-37, दक्षिण 24 परगना-35.5 और नादिया-26.7 प्रतिशत।

यदि भाजपा जबरदस्त टक्कर देने के बावजूद पिछले विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की सत्ता को नहीं हिला पाई तो उसका एक कारण मुस्लिम वोट भी थे। मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की नींव रखने वाले पूर्व तृणमूल नेता हुमायूं कबीर ने असदुद्दीन ओवैसी की एआइएमआइएम से गठबंधन कर उसे आठ सीटें दी हैं। हुमायूं कबीर ने 182 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी के साथ सौ से ज्यादा सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवार उतारने की घोषणा की है। पिछली बार फुरफुरा शरीफ के इमाम ने भी अपनी पार्टी बनाकर कांग्रेस और वाम मोर्चा के साथ गठबंधन किया था, पर उनका भी प्रभाव नहीं पड़ा और मुसलमान कुल मिलाकर तृणमूल के साथ ही गए। मुसलमान भाजपा को हराने के लिए मतदान करते हैं।

प्रश्न है कि इस बार मुस्लिम मतों की प्रवृत्ति किस ओर रहेगी? अगर पिछले विधानसभा चुनाव को आधार बनाएं तो मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर दिनाजपुर, बीरभूम और साउथ 24 परगना जैसे जिलों में 85 ऐसी सीटें हैं, जिन पर मुस्लिम जनसंख्या 35 प्रतिशत से ज्यादा है। इनमें से 75 सीटें तृणमूल के पास हैं। जितनी आक्रामक होकर तृणमूल मुसलमानों के साथ खड़ी होती है, उससे उनका ध्रुवीकरण उसके पक्ष में बनता है। मुर्शिदाबाद में पिछले वर्ष हिंदू विरोधी भयानक दंगे में जब लोग पलायन करने को मजबूर थे, तब ममता कोलकाता में इमामों और मौलवियों की सभा में दंगों के लिए भाजपा और आरएसएस को दोषी ठहरा रही थीं। बंगाल में सीएए विरोधी आंदोलन के समय भी भारी हिंसा हुई थी, पर ममता सरकार ने उपद्रवियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई नहीं की।

एनआरसी और सीएए का भय दिखाकर ममता मुसलमानों को आभास दिलाती रहती हैं कि उनके सत्ता में रहने से ही वे सुरक्षित हैं। मुसलमानों को साथ रखने के लिए भाजपा का भय उनका बहुत बड़ा अस्त्र है। 2011 के चुनाव में ममता ने सच्चर कमेटी की रिपोर्ट लागू करने का वादा किया था। दो साल बाद उन्होंने घोषणा की कि रिपोर्ट का 90 प्रतिशत हिस्सा लागू किया जा चुका है। शायद ही किसी राज्य सरकार ने इतनी त्वरित गति से ऐसा किया हो। हर चुनाव में ममता मुसलमानों के लिए कुछ नई घोषणाएं करती हैं। आचार संहिता लागू होने से दो दिन पहले ही उन्होंने इमामों का भत्ता बढ़ाने की घोषणा की। मुस्लिम छात्र-छात्राओं की स्कालरशिप के लिए वे विशेष योजना चलाती हैं। चुनाव से पहले अंतरिम बजट में भी उनकी सरकार ने अल्पसंख्यक मामलों के लिए 5,700 करोड़ रुपये जारी किए।

मुसलमानों के सामने यह साफ है कि अगर तृणमूल हारती है तो सत्ता में भाजपा आएगी। इससे मुस्लिम मतों के तृणमूल के साथ जाने के ही संकेत मिलते हैं, किंतु हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी बंगाल में एक नया प्रयोग है। बाबरी मस्जिद की नींव रखते समय एकत्रित भारी भीड़ से माहौल भी बनता दिखा था। कबीर मुसलमानों के बीच अपने चेहरे के रूप में उभर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस ने अपने कुल 291 उम्मीदवारों में 47 मुस्लिम उतारे हैं। यानी करीब 18 प्रतिशत। पिछली बार की तरह ममता ने मुस्लिम प्रभाव वाले क्षेत्रों से भी हिंदू प्रत्याशी उतारे हैं। वस्तुतः ममता ने मुसलमानों को बहुत ज्यादा टिकट कभी नहीं दिए। इसे हुमायूं कबीर, ओवैसी और अन्य मुस्लिम नेता मुद्दा बना रहे हैं। कहना कठिन है कि यदि हुमायूं कबीर का गठबंधन सौ से ऊपर सीटों पर मुस्लिम प्रत्याशी खड़ा करता है तो उसका कुछ तो असर होगा ही। हुमायूं कबीर और ओवैसी वक्फ संशोधन कानून को मुद्दा बना रहे हैं, जिसे कभी लागू न करने की घोषणा करने वाली ममता ने अंततः उसे चुपचाप लागू कर दिया। कांग्रेस सहित कई दलों के नेता हुमायूं कबीर की पार्टी में शामिल हो रहे हैं। इसका भी कुछ असर हो सकता है।

पिछले कुछ समय से मुस्लिम मतों में यह प्रवृत्ति देखने को मिल रही है कि अगर उनके सामने कोई मुसलमान विकल्प है तो वे उसके पक्ष में जाते हैं। बिहार में ओवैसी की पार्टी को पांच सीटों पर विजय तथा कई पर अच्छी टक्कर का अन्य कोई कारण नहीं। महाराष्ट्र के नगर निकाय चुनाव में एआइएमआइएम ने कई जगह सफलता हासिल की तथा नई बनी इस्लाम पार्टी मालेगांव में बहुमत में पहुंच गई। यह प्रवृत्ति धीरे-धीरे देशव्यापी हो रही है। 15 साल से चल रही राज्य सरकार से किसी न किसी तरह का असंतोष स्वाभाविक है। बंगाल के मुसलमानों के पास तृणमूल कांग्रेस के समानांतर एक विकल्प उपलब्ध हो गया है। हुमायूं कबीर के साथ कुछ प्रभावी मुसलमान नेता और चेहरे आ गए हैं। कुल मिलाकर देखें तो मुस्लिम राजनीति को लेकर सामूहिक सोच तथा माहौल में पिछले तीन चुनावों से अंतर है।

-धनंजय राजौरा

अमलतास विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह का आयोजन संपन्न

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमलतास विश्वविद्यालय में, शुक्रवार 3 अप्रैल को विश्वविद्यालय का वार्षिक दीक्षांत समारोह सफलता पूर्वक संपन्न किया गया 7 इस गौरवशाली उत्सव में मुख्य अतिथि भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री माननीय श्री वीरेंद्र कुमार जी ,विशिष्ट गरिमा बढ़ाने के लिए विशिष्ठ अतिथि माननीय श्री जगदीश देवड़ा जी उप मुख्यमंत्री म.प्र. , निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग अध्यक्ष डॉ. खेम सिंह डेहरिया , देवास विधायक श्रीमंत गायत्री राजे पंवार, हाटपिपलिया विधायक श्री मनोज चौधरी जिला अध्यक्ष भाजपा श्री रायसिंह सेंधव, राजेश यादव, अमलतास ग्रुप के संस्थापक श्री सुरेश सिंह भदौरिया, चेयरमैन श्री मयंकराज सिंह भदौरिया, विश्वविद्यालय प्रो. चांसलर डॉ. सलिल भार्गव, बांगर सरपंच श्री दिलीप जाट, एवं समस्त विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता , प्राचार्य अन्य जनप्रतिनिधि, ग्रुप पदाधिकारी, डॉक्टर, कर्मचारी, विद्यार्थी और अभिभावक उपस्थित हुए।

केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने कहा कि अमलतास विश्वविद्यालय के इस दीक्षांत समारोह में आकर में गौरांवित महसूस कर रहा हूं। मैं आज आप सभी को इसके लिए विशेष शुभकामनाएं और बधाई देता हूं। आज आप जीवन के दूसरे पड़ाव पर पहुंच गए है। यहां से आपको बेहतर स्वास्थ्य सेवा देना का संकल्प लेकर जाना है और समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाना है। अमलतास मेडिकल कॉलेज का शुभारंभ वर्ष 2016 में हुआ तब से आज तक दिन-ब-दिन यह लगातार चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाईयां प्राप्त कर रहा है। अब तक यहां 01 हजार से अधिक एमबीबीएस डॉक्टर बने है। इसके साथ ही बीएचएमएस, पैरामेडिकल स्टाफ, नर्सिंग स्टॉफ सहित अन्य चिकित्सा क्षेत्र की पढ़ाई के विद्यार्थियों ने चिकित्सा के क्षेत्र में आगे कदम बढ़ाया है। अब यह विश्वविद्यालय हो गया है। इस अमतलास विश्वविद्यालय के शुरू होने से इसका नाम पूरे प्रदेश में हो रहा है। यहां पर अन्य जिलों के विद्यार्थी भी पढ़ाई करने आ रहे हैं। यहां पर पढ़ने वालों विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यहां चिकित्सा के साथ समाज सेवा का भी कार्य किया जा रहा है। यहां सेवा, समर्पण और विश्वास के साथ कार्य किया जा रहा है। यहां पर इंदौर के नागरिक भी उपचार कराने के लिए आ रहे हैं। आज इस दीक्षांत समारोह में पीजी की डिग्री लेने वाले, ग्रेजएशन की डिग्री लेने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई व शुभकामनाएं देता हूं तथा आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं। उन्होंने कहा कि आप स्वास्थ्य सेवा देना- मानव सेवा का सबसे बड़ा धर्म है और आप अच्छे से मरीजों का उपचार करें। आपके पढ़ाने में आपके माता-पिता ने बहुत संकट झेला है, अब आपको और अच्छा करके दिखाना है। इसके लिए उन्होंने फाउंडर चेयरमैन श्री सुरेश सिंह भदौरिया और चेयरमैन मयंकराज सिंह भदौरिया को धन्यवाद दिया। साथ ही अमलतास अस्पताल द्वारा संचालित अमलतास नशा मुक्ति केंद्र का निरिक्षण कर केंद्र की सराहना की 7 एवं नशामुक्ति भारत की शपथ भी दिलाई गई 7

कार्यक्रम में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने संबोधित करते हुए कहा कि आज इस दीक्षांत समारोह में आकर बहुत हर्ष और गर्व हो रहा है। मैं इन सभी विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि मुझे यह देखने में आ रहा है कि यहां पर विद्यार्थियों में उत्साह तो है साथ ही उनके अभिभावकों के चेहरे पर खुशी देखते ही बन रही है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के अभिभावक आएं हैं। आज उन माता-पिता के लिए बड़े ही गौरव की बात है कि उनके बेटा-बेटी डॉक्टर बन गए हैं और आज से वे जीवन के उच्च मुकाम के लिए आगे बढ़ने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर माता-पिता की इच्छा होती है कि उनके बेटा-बेटी आगे बढ़े और जीवन में तरक्की करें।

समारोह को संबोधित करते हुए देवास विधायक श्रीमंत गायत्री राजे पवार जी ने विश्वविद्यालय और अस्पताल के सेवा कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा, दवाइयां और उपचार तो आज हर जगह उपलब्ध हैं, लेकिन अमलतास अस्पताल द्वारा घर-घर जाकर उपचार पहुँचाने का जो कार्य किया जा रहा है, वह अत्यंत उल्लेखनीय और अनुकरणीय है। उन्होंने सभी उपाधि प्राप्त छात्र-छात्राओं को उनके सफल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए जनहित में कार्य करने की प्रेरणा दी।

समारोह में उपस्थित हाटपिपलिया विधायक श्री मनोज चौधरी ने सभी स्नातक छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, अमलतास जैसी प्रतिष्ठित संस्था से आपने जो उच्च स्तरीय शिक्षा अर्जित की है, वह केवल आपके करियर के लिए नहीं, बल्कि समाज के उत्थान के लिए है। अब यह आपका कर्तव्य है कि इस ज्ञान को जन-जन तक पहुँचाएँ और अपनी सेवा के माध्यम से देश का नाम रोशन करें। उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक बधाई दी।

इस समारोह में 300 से अधिक विद्यार्थियों एमबीबीएस ,एमडी ,एमएस , एमसीएच नर्सिंग एवं बीएससी नर्सिंग , और बीपीटी को स्नातक एवं स्नाकोत्तर छात्र-छात्राओं को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए उपाधियाँ ,पूर्णतः प्रमाण पत्र एवं स्वर्ण पदक दिए गए। साथ ही अमलतास विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ शरदचंद्र वानखेड़े एवं कुलसचिव श्री संजय रामबोले द्वारा सभी माननीय अतिथियों की उपस्थिति में श्री राय सिंह सेंधव जिला अध्यक्ष देवास को सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु एवं रिटायर्ड आई. ए. एस. ऑफिसर(भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी) श्री राकेश सिंह जी को प्रशासनिक कार्यों में उल्लेखनीय कार्य हेतु डी. लिट की मानक उपाधि प्रदान की गयी। कार्यक्रम में अमलतास ग्रुप द्वारा बनाई गई डॉक्युमेंट्री फिल्म दिखाई गई। एवं पुस्तक का विमोचन भी हुआ। सभी उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों को शपथ दिलाई गई।

दिनभर तपन, शाम को बदल रहा मौसम

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अप्रैल माह में ही प्री-मानसून गतिविधियों सा एहसास नगरवासियों को हो रहा है। दिन भर लोगों को सूरज की तीखी किरणों का सामना करना पड़ रहा है। तो शाम होते ही ठंडी हवाएं और बूंदाबांदी का दौर चल रहा है। जिससे लोगों को दिनभर तपन और शाम को ठंडक का एहसास हो रहा है।

हालांकि इन दिनों तापमान में भी लगातार वृद्धि हो रही है जो 40 डिग्री पहुंचने की कगार पर है। शुक्रवार को नगर का अधिकतम तापमान 38.1 व न्यूनतम तापमान 19.3 डिग्री दर्ज किया गया। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि दिन और रात में गर्मी का असर कितना होगा। लेकिन पश्चिमी विक्षोभ के चलते शाम होते ही इन दिनों ठंडी हवाएं और बूंदाबांदी का भी सिलसिला जारी है। गुरूवार को भी लोगों का दिनभर गर्मी से बुरा हाल रहा, लेकिन शाम को हुई बूंदाबांदी और ठंडी हवाओं ने इस गर्मी से राहत दिलाई। उम्मीद थी कि तेज बारिश होगी, लेकिन हवाओं के चलते बादलों का डेरा शहर से गुजर गया जिससे मौसम में ठंडक घुल गई और बारिश भी नहीं हुई। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि बारिश की संभावना बनी हुई है।

आज भी हो सकती है बारिश- मौसम विशेषज्ञ के अनुसार रविवार तक मौसम में परिवर्तन का क्रम जारी रहेगा। जिसके चलते कहीं-कहीं हल्की या मध्यम बारिश हो सकती है। हालांकि बारिश की ज्यादा संभावना नहीं है, लेकिन तेज हवाएं चल सकती है। उन्होंने बताया कि रविवार तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा। इसके बाद तापमान में वृद्धि होगी।

सामाजिक कार्यकर्ताओ को एच.पी.वी टीकाकरण की जानकारी दी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में चल रहे एच.पी.वी (हयूमन पेपिलोमा वायरस वैक्सीन) टीकाकरण अभियान अंतर्गत 14 वर्ष की किशोरी बालिकाओं को अधिक से अधिक एच.पी.व्ही का टीकाकरण कराने के संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं सीएमएचओ डॉ. कमला आर्य एवं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. भूदेव मेहता द्वारा सामाजिक कार्यकर्तायाकूब खान एवं अबसार अहमद खान से सम्पर्क कर उन्हें महिलाओं में होने वाली सर्वाईकल कैंसर जैसी घातक बीमारी के बारे में बताया गया। साथ ही उन्हें जानकारी देते हुए बताया कि इस बीमारी के बचाव के लिये शासन द्वारा एचपीव्ही का निःशुल्क टीका जिले की चिन्हित स्वास्थ्य संस्थाओं पर लगाया जा रहा है। उनके द्वारा संबंधित सामाजिक कार्यकर्ताओं से अपील की गई कि वे इस अभियान का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करें और 14 वर्ष की बालिकाओं का अधिक से अधिक टीकाकरण कराए। याकूब खान एवं अवसार अहमद खान द्वारा जिले के अधिकारियों को उक्त अभियान में पूर्ण सहयोग कर 14 वर्ष की किशोरी बालिकाओं को एच.पी.व्ही. का टीका लगवाने के लिए आश्स्वत किया गया।

भाजपा जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव को मानद पीएच.डी. की उपाधि

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शैक्षणिक एवं सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए भाजपा जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव को अमलतास विश्वविद्यालय द्वारा मानद पीएच.डी. की उपाधि से सम्मानित किया गया। शैक्षणिक एवं सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने पर भाजपा जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव को डॉक्टर ऑफ फिलोसॉफी (मानद) उपाधि से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान उन्हें उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक, सामाजिक सेवाओं, संगठनात्मक कार्यों तथा जनहित में किए गए महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रदान किया गया। अमलतास विश्वविद्यालय, देवास में आयोजित दीक्षांत समारोह के दौरान यह सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार खटीक एवं मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री तथा देवास जिले के प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों को उपाधि एवं मेडल वितरित किए गए तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

अपने संबोधन में अतिथियों ने कहा कि शिक्षा ही सफलता की कुंजी है और युवा अपने ज्ञान व कौशल के बल पर समाज एवं राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम में देवास विधायक श्रीमती गायत्री राजे पवार, हाटपीपल्या विधायक मनोज चौधरी, जिला महामंत्री राजेश यादव, सुरेश सिंह भदौरिया, मयंक राज सिंह भदौरिया, शरद चंद्र वानखेड़े, भेरुलाल अटारिया सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कमल अहिरवार ने दी।

चेक बाउंस मामले में आरोपी को डेढ़ वर्ष की सजा और 16 लाख रुपए का जुर्माना

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला न्यायालय देवास में दिनांक 31 मार्च को एक चेक बाउंस प्रकरण में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया गया। प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी श्रीमती किरण सिंह जी के न्यायालय में आरोपी सबिस्तान बैग पिता सुलतान बैग निवासी बैंक नोट प्रेस कॉलोनी देवास को प्रकरण क्रमांक 253/2019 में दोषी पाते हुए 16,84,000/- (सोलह लाख चौरासी हजार रुपए) के जुर्माने तथा डेढ़ वर्ष के सश्रम कारावास की सजा से दंडित किया गया। प्रकरण के अनुसार, आरोपी सबिस्तान बैग ने परिवादी मेहमूद उर्फ गुड्डू पठान से उसके रहवासी मकान का सौदा किया था। सौदे के तहत आरोपी द्वारा 10,00,000/- (दस लाख रुपए) का चेक दिया गया, जो बैंक में प्रस्तुत करने पर अपर्याप्त निधि के कारण बाउंस हो गया। इसके पश्चात भी आरोपी द्वारा राशि का भुगतान नहीं किया गया। राशि नहीं मिलने पर परिवादी गुड्डू पठान निवासी भोंसले कॉलोनी द्वारा जिला न्यायालय देवास में प्रकरण दायर किया गया। मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद न्यायालय ने यह निर्णय पारित किया। प्रकरण में परिवादी मेहमूद उर्फ गुड्डू पठान की ओर से पैरवी एडवोकेट चंद्रपाल सिंह राजपूत (चंदू दरबार) एवं सहयोगी अभिभाषक सुश्री शालू ठाकुर एडवोकेट द्वारा की गई।

आज आधे शहर में चार घंटे बाधित रहेगा विद्युत प्रदाय

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में शनिवार 4 अप्रैल को सुबह 7 बजे से 11 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। यह व्यवधान प्री-मानसून मेंटेनेंस की वजह से होगा। बिजली कंपनी ने इस संबंध में जानकारी दी है। कंपनी के अनुसार लालघाटी उपकेंद्र से संचालित होने वाले 11 केवी शाजापुर प्रथम फीडर पर पोल-टू-पोल लाइन मेंटेनेंस किया जाएगा। इसके साथ ही, बिजली लाइनों के नीचे और आसपास उगी झाड़ियों की कटाई का काम भी होगा। इन कार्यों के कारण निर्धारित समय में संबंधित क्षेत्रों में बिजली सप्लाई पूरी तरह बंद रहेगा। इस दौरान विजय नगर, ज्योति नगर, राधास्वामी आश्रम, मूलीखेड़ा रोड, लोंदिया रोड, लक्ष्मी नगर, आदित्य नगर, एबी रोड, पुलिस कॉलोनी, अस्पताल क्षेत्र की दुकानें, बस स्टैंड, मगरिया, पालिटेक्निक कालेज, गांधी हाल, नगर पालिका कार्यालय, मजिस्ट्रेट निवास, कालेज के पीछे का क्षेत्र, टेंशन चौराहा और स्टेडियम के पीछे का क्षेत्र शामिल है जहां प्रातः 11 बजे तक बिजली प्रदाय बाधित रहेगा। बिजली कंपनी ने नागरिकों से इस रखरखाव कार्य में सहयोग की अपील की है। कंपनी ने उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि वे निर्धारित समय में होने वाली असुविधा से बचने के लिए अपने आवश्यक कार्य पहले ही पूरे कर लें।

जोशी बने भाजपा प्रदेश प्रवक्ता

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश कार्यकारिणी में शाजापुर जिले के युवा नेता और पत्रकार विजय जोशी को प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति गुरुवार रात को की गई। इस पद पर उनकी नियुक्ति को संगठन के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

विजय जोशी लंबे समय से संगठन में सक्रिय रहे हैं। उन्होंने पूर्व में भाजपा शाजापुर जिले के जिला मीडिया प्रभारी के रूप में कार्य किया है। संगठनात्मक गतिविधियों में उनकी सक्रिय भागीदारी रही। साथ ही मीडिया और जनसंपर्क के क्षेत्र में उनके अनुभव को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है। भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने विश्वास व्यक्त किया है कि विजय जोशी अपनी नई भूमिका में पार्टी की नीतियों और योजनाओं को प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उनकी नियुक्ति को संगठन के विस्तार और मजबूती की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। जिले के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने विजय जोशी को बधाई दी है।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के बेरछा रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार को एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना सुबह करीब 11 से 12 बजे के बीच हुई। सूचना मिलने पर बेरछा थाना पुलिस और रेलवे पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची।

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। मृतक की पहचान दौलतपुर थाना सोनकच्छ निवासी गोपाल पिता हिम्मत सिंह के रूप में हुई है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए शाजापुर जिला अस्पताल भेजा गया। आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। बेरछा थाना प्रभारी भरत किरण ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक दो दिन पहले बारात में शामिल होने के लिए इलाहाबाद प्रयागराज गया था। पुलिस को आशंका है कि वापस आते समय ट्रेन से गिरने के कारण उसकी मौत हुई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और मामले की विस्तृत जांच जारी है। घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

बेकाबू होकर खाई में गिरी कार, तीन लोग घायल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के नेशनल हाईवे-52 पर शुक्रवार को दो अलग-अलग सड़क हादसों में पांच लोग घायल हो गए। इन सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार लालघाटी इलाके में भेरू डूंगरी के पास दोपहर को एक तेज रफ्तार कार अचानक बेकाबू होकर सड़क किनारे खाई में जा गिरी। गाड़ी में सवार प्रदीप शर्मा, अशोक व्यास और शैलेंद्र घायल हो गए। ये तीनों नसरुल्लागंज से नलखेड़ा मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। सूचना मिलते ही पुलिस की डायल 112 टीम ने मौके पर पहुंचकर घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। दूसरा हादसा शाम के वक्त सुनेरा इलाके में महाकाल ढाबे के पास हुआ। यहां पीछे से आ रही एक कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर सवार पति कमल और उनकी पत्नी जमुना बाई घायल हो गए। दोनों को 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां फिलहाल उनका उपचार किया जा रहा है।

युवती की मौत के बाद युवक ने भी तोड़ा दम

मामला- युवक-युवती द्वारा जहर खाने का

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। करेड़ी नाके पर गुरूवार को युवक-युवती ने जहर खा लिया था। जिला अस्पताल में युवती की उपचार के दौरान मोत हो गई थी और युवक को गंभीर हालत में इंदौर रैफर किया गया था, जहां युवक ने भी उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार घटना लालघाटी थाना क्षेत्र के करेडी नाके पर गुरुवार शाम 4.30 बजे की है। सुनेरा निवासी आशुतोष उर्फ गोलू धाकड़ (25) और देवास निवासी कशिश परिहार के बीच प्रेम संबंध थे। दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन परिजन इस रिश्ते के खिलाफ थे। 8 दिन पहले युवती की सगाई उज्जैन में हुई थी। इसके बाद गुरूवार को दोनो ने करेड़ी नाका पर जहर खा लिया था। इसके बाद आशुतोष ने अपने एक दोस्त को इसकी सूचना दी जो तुरंत मौके पर पहुंचा और दोनो को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया। जहां कशिश की उपचार के दौरान मौत हो गई थी। वहीं आशुतोष को गंभीर हालत में इंदौर रैफर किया गया था। जहां उसकी भी मौत हो गई। शुक्रवार को दोनो के शव परिजनों को सौंप दिए गए। पुलिस ने मामला जांच में लिया है।

माता-पिता इंदौर गए, बेटी शाजापुर आई- युवती के पिता भरत परिहार ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब 10 बजे तक बेटी घर पर ही थी। वे और उनकी पत्नी हर गुरुवार की तरह इंदौर सामान लेने गए थे। देवास में उनकी साड़ी की दुकान है। कशिश ब्यूटी पार्लर का काम करती थी और काम के सिलसिले में उसका बाहर आना-जाना रहता था। कुछ दिन पहले वह सारंगपुर और शुजालपुर भी काम से गई थी। गुरुवार को वह देवास से शाजापुर पहुंची थी।

देवास में कांग्रेस संगठन में नई नियुक्ति

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कांग्रेस संगठन में महत्वपूर्ण नियुक्ति करते हुए जिला पंचायत सदस्य बनेसिंह अस्ताया को अनुसूचित जाति विभाग का जिला अध्यक्ष बनाया गया है। उनकी नियुक्ति मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार द्वारा की गई है। बनेसिंह अस्ताया को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का करीबी माना जाता है। वहीं पूर्व कैबिनेट मंत्री सज्जन सिंह वर्मा को उनका राजनीतिक मार्गदर्शक बताया जाता है। इसके अलावा उनके पारिवारिक संबंध जिला पंचायत उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह बघेल से भी जुड़े हुए हैं, जिससे संगठन में उनकी पकड़ और मजबूत मानी जा रही है। इस नियुक्ति में जिले के कई वरिष्ठ नेताओं की अहम भूमिका रही। जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनीष चौधरी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह बघेल, प्रयास गौतम, मनोज राजानी सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने खुले तौर पर उनका समर्थन किया। बनेसिंह अस्ताया की नियुक्ति से जिले में अनुसूचित जाति वर्ग के बीच कांग्रेस संगठन को मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। अस्ताया के जिलाध्यक्ष बनने पर मिथुन यादव, जसपाल सिंह यशोना, गोपाल सिंह पटेल, धन्ना लाल बामनिया, विशाल, नीरज, आदि ने बधाई दी।

विधायक गायत्री राजे पवार ने किया 36 वे ग्रीष्मकालीन शिविर का शुभारंभ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रगति एथलेटिक्स क्लब एवं देवास जिला सॉफ्टबॉल एसोसिएशन एवं विशेष सहयोगी खेल एवं युवक कल्याण विभाग द्वारा आयोजित 36 वे ग्रीष्मकालीन शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमंत गायत्री राजे पवार, कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोज राजानी पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष, विशेष अतिथि अमरजीत सिंह खनूजा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन देवास, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ मदनलाल कहार, खेल एवं युवक कल्याण अधिकारी रीना गडरिया द्वारा किया गया।

प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत प्रगति एथलेटिक्स क्लब के संचालक अनिल श्रीवास्तव, सचिव राजीव श्रीवास्तव, शिवनारायण टांडी, किरण बाला टांडी, तीरंदाजी के प्रशिक्षक निरंजन यादव, एथलेटिक्स कोच जितेंद्र गोस्वामी, धर्मेंद्र भदोरिया, भरत वर्मा, पवन यादव, विक्रम अवॉर्डी, रागिनी चौहान, पवन पाटिल, शैलेंद्र चंद्रवंशी, सुदामा शर्मा, भोजराज मालवीय, बैडमिंटन के रोहित गुप्ता, नवीन सोलंकी, गणेश पटेल, श्री राणा स्विमिंग कोच सौरभ कहार द्वारा किया गया। क्लब अध्यक्ष मनोज राजानी ने क्लब की जानकारी देते हुए बताया कि प्रगति क्लब वर्ष 1991 से निरंतर प्रतिवर्ष समर कैंप आयोजित करता आ रहा है और यहां से हर वर्ष 20 से 30 बच्चे राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व करते हैं एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी 15 से 20 खिलाड़ी प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

क्लब को दो एकलव्य अवार्ड एवं एक विक्रम अवार्ड भी मिल चुके हैं। यहां के कई खिलाड़ी शासकीय विभागों में पदस्थ है और आपको बताते हुए यह हर्ष हो रहा है कि यह स्टेडियम सॉफ्टबॉल खिलाड़ियों एवं प्रगति एथलेटिक्स के प्रयासों की ही देन है। वर्ष 2001 में यहां पर राष्ट्रीय सीनियर सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था। उस समय देवास में ग्राउंड का अभाव था फिर हम लोगों ने आईटीआई की जगह पर जंगल को काटकर ग्राउंड बनाया था और मेरे प्राधिकरण अध्यक्ष बनते ही मैंने स्टेडियम के लिए सज्जन वर्मा के साथ मिलकर इस स्टेडियम का निर्माण करवाया। जिसमें क्लब के सभी खिलाड़ियों ने अपनी अहम भूमिका निभाई। अनिल श्रीवास्तव एवं राजीव श्रीवास्तव की जितनी प्रशंसा की जाए वह कम है, यह दोनों भाई खेलों के विकास के लिए दिन रात लगे रहते हैं और कई खिलाड़ियों को राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने के लिए तन मन धन से सहयोग करते हैं। आज मुझे खुशी हो रही है कि छोटे-छोटे से बच्चे इस समर कैंप में भाग लेकर अपने समय का सदपयोग कर रहे हैं। उन्होंने विधायक श्रीमंत गायत्री राजे पवार का आभार मानते हुए कहा कि देवास की वर्षों पुरानी मांग थी कि देवास में भी एथलेटिक्स का ट्रैक बने और यहां के खिलाड़ी एथलेटिक्स में भी अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सके आज यह सपना साकार रूप ले रहा है इसके लिए मैं विधायक का हृदय से आभार मानता हूं। श्रीमंत गायत्री राजे पवार ने कहा कि आज मे इस कार्यक्रम में आकर अपने आप को गोरांवित महसूस कर रही हूं। कोई भी संस्था निरंतर 36 वर्षों तक कार्य करते हुए खेलों के विकास में अपना संपूर्ण योगदान देती है तो वह संस्था विशिष्ट होती है। मैं आश्वासन देती हूं कि प्रगति एथलेटिक्स क्लब को कभी भी मेरे सहयोग की आवश्यकता होगी मैं हर समय सहयोग प्रदान करने के लिए तैयार रहूंगी, मुझे खुशी है कि आज यहां छोटे-छोटे से बच्चे एवं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी इस शिविर मे भाग है ले रहे हैं और नए बच्चों को तैयार कर रहे हैं इससे देवास के खेल जगत का नाम विश्व पटल पर अंकित होने में देर नहीं लगेगी। अतिथियों द्वारा सृष्टि कहार का स्वागत किया गया जिन्होंने हाल ही में ट्राइबल गेम्स मे रजत पदक अर्जित कर देवास शहर का स्विमिंग में नाम रोशन किया है।

महज 20 साल की उम्र में युवा समाजसेवी लक्की राज सोनी और नेहा चौहान ने समाज में एक नई मिसाल कायम की

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़ावदा के मंडी प्रांगण बड़ावदा में पिछले 15 दिनों से अधिक समय से लगातार आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर संचालित किया जा रहा है। इस शिविर में लगभग 25 से 30 लड़कियों को आत्मरक्षा के महत्वपूर्ण गुर सिखाए जा रहे हैं। खास बात यह है कि इस पहल की शुरुआत घर-घर जाकर जनसंपर्क के माध्यम से की गई, जिससे लोगों में जागरूकता बढ़ी और अभिभावकों ने अपनी बेटियों को प्रशिक्षण के लिए भेजना शुरू किया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का नेतृत्व हिन्दू जागरण मंच बड़ावदा के खंड संयोजक लक्की राज सोनी कर रहे हैं, जिनके साथ नेहा चौहान भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। दोनों प्रशिक्षकों ने मिलकर इस पहल को एक सामाजिक अभियान का रूप दे दिया है, जिसका उद्देश्य बेटियों को आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाना है।

प्रशिक्षण के दौरान लड़कियों को न केवल शारीरिक रूप से मजबूत बनने की तकनीकें सिखाई जा रही हैं, बल्कि मानसिक रूप से भी सशक्त बनाया जा रहा है। उन्हें बताया जा रहा है कि किसी भी आपात स्थिति में कैसे खुद को सुरक्षित रखें, कैसे आत्मविश्वास बनाए रखें और कैसे सही समय पर सही निर्णय लें।

स्थानीय लोगों और अभिभावकों ने इस पहल की जमकर सराहना की है। उनका कहना है कि आज के समय में इस तरह का प्रशिक्षण बेहद आवश्यक हो गया है। कई अभिभावकों ने इसे बेटियों के उज्ज्वल और सुरक्षित भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

इस पहल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इतनी कम उम्र में बिना किसी स्वार्थ के समाज के लिए काम किया जा रहा है। लगातार 15 दिनों से अधिक समय तक प्रशिक्षण देना दोनों युवाओं के समर्पण और जज्बे को दर्शाता है।

आज जब महिलाओं की सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है, ऐसे में इस तरह के प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का काम कर रहे हैं। यह पहल यह साबित करती है कि अगर युवा ठान लें, तो वे समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

अंत में कहा जा सकता है कि लक्की राज सोनी और नेहा चौहान द्वारा बड़ावदा के मंडी प्रांगण बड़ावदा में चलाया जा रहा यह आत्मरक्षा प्रशिक्षण अभियान न केवल लड़कियों को सशक्त बना रहा है, बल्कि पूरे समाज को एक नई दिशा भी दे रहा है।

श्री पंचमुखी मारुति महायज्ञ की ध्वजारोहण सम्पन्न

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर प्रांगण में दिनांक 19 अप्रैल से 23 अर्पित तक आयोजित पंच कुंडात्मक श्री पंचमुखी मारुति महायज्ञ के शुभ अवसर पर आज ध्वजारोहण हेतु एक भव्य एवं दिव्य चल समारोह का आयोजन किया गया। यह पावन यात्रा श्री राम मंदिर, कस्बा उन्हेल से विधिवत पूजा-अर्चना एवं मंत्रोच्चार के साथ प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई यज्ञशाला प्रांगण में पहुंची। मार्ग में श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा, जयघोष एवं भजन-कीर्तन के माध्यम से इस आध्यात्मिक आयोजन का हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया गया। इस पावन अवसर पर पूज्य श्री महंत जगदीश दास जी महाराज, श्री महंत बिहारीदास जी महाराज, आचार्य मधुसूदन जी उपाध्याय, पंडित राहुल शर्मा, मंदिर पुजारी भोला गुरु सहित अनेक संत-महात्मा एवं श्रद्धालुजन उपस्थित रहे। सभी ने यज्ञ की महिमा का गुणगान करते हुए समाज में धर्म, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना के प्रसार का संदेश दिया। ध्वजारोहण की इस मंगल बेला में वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद एवं जय श्री राम के उद्घोष से संपूर्ण वातावरण भक्तिरस में सराबोर हो गया। यह महायज्ञ क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं कल्याण के लिए समर्पित है, जिसमें समस्त भक्तजन बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं।

अवैध रेत उत्खनन व परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, 6 वाहन जब्त खनिज विभाग और पुलिस की संयुक्त दबिश

बालाघाट/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण पर अंकुश लगाने के लिए खनिज विभाग और पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से सख्त कार्रवाई की जा रही है। 2 अप्रैल को खनिज विभाग एवं पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही में 06 वाहन जब्त किये गये है।उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि 02 अप्रैल को तड़के सुबह 4 बजे खनिज निरीक्षक बसंत कुमार पाटिल, सुरेश कुलस्ते एवं बालाघाट पुलिस बल ने तहसील लांजी अंतर्गत ग्राम नंदोरा स्थित सर्रा नदी में आकस्मिक जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान सर्रा नदी में खनिज रेत का अवैध उत्खनन करते हुए 04 ट्रैक्टरों को मौके पर ही पकड़ा गया। सभी वाहनों को जब्त कर थाना लांजी परिसर में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया है। ट्रैक्टर क्रमांक MP50ZA1898, चालक राजकुमार, निवासी ग्राम घोटी, बिना नंबर का पावरट्रैक ट्रैक्टर, चालक मुकेश मात्रे, निवासी ग्राम कड़ता, बिना नंबर का जॉन डियर ट्रैक्टर, चालक मोहनीश दौने, निवासी ग्राम नंदोरा एवं बिना नंबर का पावरट्रैक ट्रैक्टर, चालक दुर्गेश नारनौरे, निवासी ग्राम नंदोरा को जब्त् किया गया है। उप संचालक सुश्री फरहत जहां ने बताया कि इसी कार्रवाई के तहत ग्राम नवेगांव क्षेत्र में दो हाइवा डंपरों को भी खनिज मुरूम का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया है। मुरूम का अवैध परिवहन करने पर हाइवा क्रमांक -CG -11 -AJ -8923, चालक शेख हाशिम, निवासी सरेखा एवं हाइवा क्रमांक-GJ-08-AW-1953, चालक अफरोज खान, निवासी हीरापुर भरवेली को जब्तच किया गया है। दोनों हाइवा डंपरों को कलेक्टर कार्यालय स्थित खनिज शाखा परिसर में खड़ा कराया गया है। प्रशासन द्वारा जब्त किए गए कुल 6 वाहनों पर मध्यप्रदेश खनिज नियम 2022 के तहत अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सियासी गलियारों में सूर्या का धमाका: बदनावर के जय सूर्या बने भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धार जिले की राजनीति में उस वक्त हड़कंप मच गया जब भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर ने अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा की। इस सूची में सबसे चौंकाने वाला और प्रभावी नाम जय सूर्या का रहा, जिन्हें संगठन में प्रदेश उपाध्यक्ष जैसे कद्दावर पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जय सूर्या की इस पदोन्नति ने न केवल उनके विरोधियों की बोलती बंद कर दी है, बल्कि बदनावर की स्थानीय राजनीति में एक नया शक्ति केंद्र स्थापित कर दिया है।

राजनीति के जानकारों की मानें तो जय सूर्या को आधुनिक चाणक्य कहना गलत नहीं होगा। जहाँ बदनावर के कई अन्य युवा नेता प्रदेश कार्यकारिणी में जगह बनाने के लिए महीनों से जोड़-तोड़ और शक्ति प्रदर्शन कर रहे थे, वहीं सूर्या ने बेहद शांत रहते हुए अपनी बिसात बिछाई। सूर्या पर उनके विरोधी लगातार कटाक्ष कर रहे थे और उनके राजनीतिक कद को छोटा करने की कोशिशों में जुटे थे, लेकिन सूर्या ने सीधे प्रदेश नेतृत्व और पार्टी के शीर्ष नेताओं से अपने प्रगाढ़ संबंधों के दम पर यह अहम पद हासिल कर अपनी काबिलियत का लोहा मनवा लिया। इस नियुक्ति का सबसे बड़ा असर जिला राजनीति पर देखने को मिल रहा है। जय सूर्या की इस उपलब्धि के पीछे भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज सोमानी का हाथ और आशीर्वाद स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है। ज्ञात हो कि मनोज सोमानी, जय सूर्या को अपने भतीजे के समान मानते हैं और हर राजनीतिक मोड़ पर उन्हें अपना पूर्ण समर्थन देते आए हैं।

राजनीती विशेषज्ञों का मानना है कि सूर्या के प्रदेश उपाध्यक्ष बनने से मनोज सोमानी का राजनीतिक प्रभाव भी कई गुना बढ़ गया है। यह जुगलबंदी आने वाले चुनावों में जिले की राजनीति की दिशा और दशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जय सूर्या ने इस कम उम्र में प्रदेश स्तर का इतना बड़ा पद हासिल कर जिले के कई अनुभवी दिग्गजों की नींव हिला दी है। सूर्या ने साबित कर दिया कि जमीनी स्तर की राजनीति को बिना किसी दिखावे के कैसे भुनाया जाता है। हालांकि, पिछले कुछ समय से सूर्या ने स्थानीय गुटबाजी और राजनीति से एक सोची-समझी दूरी बना रखी थी, जिसे अब उनकी एक बड़ी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

जैसे ही सूर्या के प्रदेश उपाध्यक्ष बनने की खबर बदनावर पहुँची, उनके समर्थकों में भारी उत्साह देखने को मिला। नगर के प्रमुख चौराहों पर मिठाई बांटकर खुशियां मनाई गईं। युवाओं का कहना है कि सूर्या ने अपनी मेहनत और व्यवहार कुशलता से यह साबित किया है कि अगर आपके पास सही रणनीति है, तो आप किसी भी बाधा को पार कर सकते हैं।

सूर्या की इस नियुक्ति से न केवल युवाओं का मान बढ़ा है, बल्कि संगठन को भी मजबूती मिलेगी।

— मनोज सोमानी, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा

बदनावर सिविल हॉस्पिटल का अधूरा लोकार्पण राज्यपाल के हाथो

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बदनावर में स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर साढ़े आठ करोड़ रुपये से अधिक की लागत से खड़ा किया गया सिविल हॉस्पिटल भवन राजनीति और भ्रष्टाचार के आरोपों के केंद्र में आ गया है। आगामी 5 अप्रैल को महामहिम राज्यपाल के हाथों होने वाले लोकार्पण समारोह से पहले ही क्षेत्रीय विधायक भंवरसिंह शेखावत ने बगावत का बिगुल फूंक दिया है। विधायक ने इसे लोकार्पण नहीं, बल्कि जनता की आंखों में धूल झोंकने वाला एक सरकारी इवेंट करार दिया है। विधायक भंवरसिंह शेखावत ने मीडिया के सामने तीखे सवाल दागते हुए अस्पताल निर्माण की गुणवत्ता पर बड़ा प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। उन्होंने कहा, ÷यह बेहद शर्मनाक है कि 8 करोड़ 65 लाख की लागत से बना भवन उद्घाटन से पहले ही दरक रहा है। दीवारों में बड़ी-बड़ी दरारें आ चुकी हैं, ड्रेनेज चेंबर के ढक्कन टूटे पड़े हैं और सुरक्षा के लिए बाउंड्रीवाल तक नहीं है। क्या विभाग एक असुरक्षित भवन में मरीजों का इलाज करवाना।

म्योरा गैस एजेंसी के खिलाफ फूटा आक्रोश

चौपाटी पर भड़का जनता का गुस्सा, सड़क पर सिलेंडर रख लगाया जाम

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बदनावर शहर और ग्रामीण अंचलों में रसोई गैस की किल्लत अब केवल असुविधा नहीं, बल्कि एक बड़ा जनाक्रोश बन चुकी है। पिछले एक महीने से एक-एक सिलेंडर के लिए दर-दर भटक रहे उपभोक्ताओं के सब्र का प्याला शुक्रवार को छलक गया। आक्रोशित जनता ने खाली सिलेंडर हाथ में लेकर नयागांव लेबर रोड (चौपाटी) पर चक्काजाम कर दिया। तपती धूप में सड़क पर उतरे लोगों ने गैस एजेंसी और स्थानीय प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की, जिससे करीब दो घंटे तक यातायात पूरी तरह ठप रहा।

प्रदर्शन के दौरान काजीपुरा निवासी मुसरबी बी ने एक ऐसा तकनीकी खुलासा किया जिसने गैस एजेंसी की कार्यप्रणाली को संदेह के घेरे में ला खड़ा किया है। मुसरबी ने बताया, ÷मेरे बैंक खाते में 2 अप्रैल 2026 को सिलेंडर की सब्सिडी जमा हो गई है, जबकि हकीकत यह है कि गैस एजेंसी ने मुझे अब तक सिलेंडर दिया ही नहीं है। अगर उपभोक्ता को गैस मिली ही नहीं, तो सरकारी रिकॉर्ड में उसे डिलीवर्ड कैसे दिखा दिया गया? क्या आम जनता के हक का सिलेंडर पीछे के दरवाजे से ब्लैक में ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है?÷ यह सवाल केवल मुसरबी का नहीं, बल्कि वहां मौजूद सैकड़ों उपभोक्ताओं का था, जो पिछले कई दिनों से सुबह 4 बजे से ही म्योरा गैस एजेंसी के गेट पर कतार लगा रहे हैं।

चक्काजाम की खबर मिलते ही पुलिस प्रशासन और राजस्व विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। सड़क के दोनों ओर ट्रकों और यात्री बसों की लंबी कतारें लग गई थीं। अधिकारियों ने जब लोगों को समझाने की कोशिश की, तो महिलाओं ने खाली सिलेंडर दिखाते हुए उन्हें घेर लिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि एक तरफ सरकार दावा करती है कि गैस की कोई कमी नहीं है, वहीं दूसरी ओर बदनावर में लोग चूल्हा जलाने के लिए तरस रहे हैं।

गैस एजेंसी के बाहर रोज सैकड़ों लोग लाइन में खड़े रहते हैं, लेकिन शाम होते ही उन्हें यह कहकर भगा दिया जाता है कि स्टॉक खत्म हो गया है। उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि एजेंसी के कर्मचारी चहेतों और रसूखदारों को बिना लाइन के सिलेंडर मुहैया करा रहे हैं, जबकि गरीब तबका और दिहाड़ी मजदूर अपनी मजदूरी छोड़कर कतार में खड़ा रहने को मजबूर है।

प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद इस शर्त पर जाम खोला गया कि अगले 48 घंटों के भीतर वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और सुचारू बनाया जाएगा। हालांकि, स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन को अल्टीमेटम दिया है।

नक्सल प्रभावित ग्रामों के विकास को लेकर अधिकारियों की अहम बैठक बालाघाट में 100 गांवों के लिए तैयार हो रहा 300 करोड से अधिक का समग्र डेवलपमेंट प्लान

बालाघाट/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नक्सलवाद से मुक्त हो चुके बालाघाट जिले में अब विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। कभी नक्सल प्रभावित रहे गांवों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए जिला प्रशासन ने ठोस पहल शुरू कर दी है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री मृणाल मीना की अध्यक्षता में 02 अप्रैल को संबंधित विभागों के अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें विकास कार्यों के प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में बताया गया कि अति नक्सल प्रभावित रहे 100 ग्रामों को चिन्हित कर विभिन्न विभागों के माध्यम से समग्र विकास योजना तैयार की जा रही है, जिसमें 300 करोड से अधिक के कार्य प्रास?तावित किये जा रहे है। कलेक्टर श्री मीना ने स्पष्ट निर्देश दिए कि केवल वे ही कार्य इस डेवलपमेंट प्लान में शामिल किए जाएं, जो विभागीय योजनाओं के अंतर्गत संभव नहीं हैं, ताकि विशेष योजना के तहत इनका प्रभावी क्रियान्वयन हो सके। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ भी उपस्थित रहे। विभिन्न विभागों द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, सड़क, बिजली, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, पेयजल, महिला एवं बाल विकास और खाद्यान्न वितरण से जुड़े व्यापक प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए।

बैठक में बताया गया कि जल संसाधन विभाग द्वारा 16 ग्रामों में सिंचाई योजनाएं तैयार की गई हैं। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग द्वारा स्टॉपडेम और चेकडेम जैसे लघु सिंचाई कार्य प्रस्तावित हैं। विद्युत विभाग ने सोलर सेंटर एवं ट्रांसफार्मर स्थापना के लिए लगभग 13.50 करोड़ रुपये के प्रस्ताव तैयार किए हैं। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा 37 ग्रामों में उचित मूल्य दुकान सह 50 मीट्रिक टन क्षमता के गोदाम निर्माण की योजना है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने 3करोड़ रुपये से अधिक लागत से नए आंगनवाड़ी भवन एवं मरम्मत कार्य प्रस्तावित किए हैं।

साहित्य के आकाश पर बदनावर की नेहा का उदय

शब्दों की मर्यादा और भावों की बेबाकी से जीतीं हजारों दुआएं

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। साहित्य की दुनिया में शब्द जब संवेदनाओं का हाथ थामते हैं, तो एक ऐसी रचना जन्म लेती है जो युगों तक याद रखी जाती है। बदनावर की धरा से एक ऐसी ही प्रखर और ओजस्वी आवाज़ उभरकर सामने आई है - युवा कवयित्री नेहा भूपेंद्र शर्मा। अपनी लेखनी के माध्यम से समाज को नई दिशा देने और हिंदी भाषा की समृद्ध परंपरा को जीवंत रखने वाली नेहा आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं।

सोशल मीडिया पर रचनाओं की धूम आज के डिजिटल युग में जहाँ साहित्य कहीं खोता जा रहा है, वहीं नेहा शर्मा अपनी कविताओं के माध्यम से तकनीक और कला का अनूठा संगम प्रस्तुत कर रही हैं। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर नेहा शर्मा की कई मर्मस्पर्शी और बेबाक रचनाएँ पढ़ने को मिलती हैं, जिन्हें खूब पसंद और साझा किया जाता है। उनकी पोस्ट्स न केवल युवाओं को प्रेरित करती हैं, बल्कि हिंदी भाषा की मिठास को भी नई पीढ़ी तक पहुँचा रही हैं।

मंच पर अमिट छाप और शालीन व्यक्तित्व नेहा शर्मा की सबसे बड़ी विशेषता उनका शालीन और मिलनसार स्वभाव है। जहाँ आज के दौर में मंचों पर शोर-शराबा अधिक होता है, वहीं नेहा अपनी सौम्यता और गंभीर वाणी से हजारों की भीड़ में भी अपनी एक अलग छाप छोड़ने में सफल रहती हैं। उनकी रचनाएँ सीधे हृदय की गहराइयों में उतर जाती हैं। पुरुष प्रधान काव्य मंचों पर भी वे अपनी सशक्त उपस्थिति से वरिष्ठ कवियों को प्रभावित करती हैं और अपनी मेधा का लोहा मनवाती हैं।

बीते दिनों कृषि उपज मंडी प्रांगण में आयोजित विश्वविख्यात साध्वी ऋतंभरा दीदी की विशाल धर्मसभा में नेहा शर्मा को काव्य प्रस्तुति का सुअवसर प्राप्त हुआ। हजारों की संख्या में उपस्थित जनसैलाब के बीच जब नेहा ने अपनी कविताओं के स्वर बिखेरे, तो पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज उठा।

उस गरिमामय मंच से उन्होंने अपनी प्रतिभा का जो परिचय दिया, उसने उन्हें बदनावर के घर-घर की पसंद बना दिया। समाज और राजनीति में भी अग्रणी एक कुशल कवयित्री होने के साथ-साथ नेहा शर्मा एक सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं। अपने हँसमुख और मिलनसार व्यक्तित्व के कारण वे ब्राह्मण समाज सहित विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में अग्रणी भूमिका निभाती हैं। उनके भीतर का रचनाकार हर उस घटना पर अपनी कलम चलाता है, जो समाज को प्रभावित करती है। नगर के वरिष्ठ साहित्यकारों का कहना है कि नेहा जिस प्रकार अपनी मर्यादा और संस्कारों को साथ लेकर साहित्य सृजन कर रही हैं, वह काबिले तारीफ है। स्थानीय मंचों से लेकर सोशल मीडिया के पटल तक, उनका सफर बदनावर के लिए गौरव का विषय है।

नीमच सब्जी मंडी में जाम का जंजाल, बीच सड़क ठेले और खड़े वाहन, प्रशासन बेखबर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की सबसे व्यस्त सब्जी मंडी इन दिनों 'व्यवस्था' नहीं बल्कि 'अव्यवस्था' का जीता-जागता उदाहरण बन चुकी है। शाम ढलते ही जहां एक ओर खरीददारों की भीड़ उमड़ती है, वहीं दूसरी ओर सड़कें मानो ठेले वालों और बेतरतीब खड़े वाहनों के हवाले हो जाती हैं। नतीजा–आम नागरिक जाम में फंसकर परेशान, और जिम्मेदार विभाग अपनी ही रफ्तार में मस्त।

मंडी में हालात ऐसे हैं कि जैसे ही चहल-पहल बढ़ती है, यातायात नियमों को ठेंगा दिखाते हुए ठेले वाले बीच सड़क पर कब्जा जमा लेते हैं। सब्जी और फल-फरूट के ठेले सड़कों के बीचों-बीच सज जाते हैं, मानो सड़क नहीं, निजी दुकान हो। उधर वाहन चालक भी कम नहीं–वे भी बिना सोचे-समझे अपने वाहन सड़क पर खड़े कर देते हैं, जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है।

परिणामस्वरूप, रोजाना यहां जाम की स्थिति बनती है, राहगीरों को निकलना मुश्किल हो जाता है 7 सवाल यह है कि आखिर इस अव्यवस्था का जिम्मेदार कौन है?

शहरहित को ध्यान में रखते हुए द वॉचमैन पोस्ट ने इस मुद्दे को कई बार प्रमुखता से उठाया है। प्रशासन और नगर पालिका ने बीच-बीच में कार्रवाई भी की, लेकिन वह सिर्फ 'औपचारिकता' बनकर रह गई। कुछ दिन सख्ती, फिर वही ढाक के तीन पात।

ऐसे में बड़ा सवाल यह खड़ा होता है कि क्या नीमच की सब्जी मंडी में कभी स्थायी समाधान निकल पाएगा, या फिर आम जनता को यूं ही हर रोज जाम और अव्यवस्था की मार झेलनी पड़ेगी ?

जब तक जिम्मेदार विभाग ठोस और स्थायी योजना बनाकर सख्ती से लागू नहीं करते, तब तक मंडी में 'जामराज' का यह राज यूं ही कायम रहने वाला है।

इस पूरे मामले में यातायात थाना प्रभारी सोनू बड़गुजर ने बताया कि इस समस्या को लेकर पूर्व में भी कार्रवाई की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि हाल ही में त्योहारों के चलते पुलिस बल व्यस्त था, लेकिन अब मंडी रोड पर बीच सड़क ठेले लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस संबंध में नगर पालिका सीएमओ दुर्गा बामनिया से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनकी ओर से कॉल रिसीव नहीं किया गया।

जनगणना-2027 फील्ड ट्रेनर्स ने घरों में पहुँचकर व्यवहारिक रूप से समझीं जनगणना की बारीकियां

फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार द्वारा कराई जा रही जनगणना 2027 के अंतर्गत ग्वालियर जिले के फील्ड ट्रेनरों को तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के आखिरी दिन शुक्रवार को प्रशिक्षुओं द्वारा फील्ड विजिट कर यानि घरों में पहुँचकर व्यवहारिक रूप से जनगणना की बारीकियां समझीं। फील्ड ट्रेनर्स ने प्रगणक व सुपरवाइजर के रूप में मकान सूचीकरण संबंधी डाटा संग्रहण का कार्य कर प्रतीक स्वरूप मकानों की गणना की। इन फील्ड ट्रेनर्स द्वारा जिले में जनगणना के लिये नियुक्त किए गए लगभग 5 हजार प्रगणक व सुपरवाइजर को प्रशिक्षित किया जायेगा।

बाल भवन में आयोजित हुए तीन दिवसीय प्रशिक्षण के आखिरी दिन प्रशिक्षण ले रहे सभी 82 प्रशिक्षणर्थियों को तीन समूहों में विभाजित कर व्यवहारिक रूप से जनगणना सिखाने के लिये फील्ड विजिट कराई गई। इनमें से एक समूह को ग्रामीण क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बरई में जनगणना के लिये ले जाया गया। दो अन्य समूहों द्वारा नगरीय क्षेत्र के अंतर्गत कर्मचारी आवास विकास कॉलोनी महलगाँव जाकर जनगणना कार्य किया गया। इस दौरान खातौर पर वास्तविक परिस्थितियों में 01 मई 2026 से होने जा रही जनगणना (मकान गणना) की बारीकियों एवं आने वाली कठिनाइयां व उनके निदान को बारीकी से समझ गया।

प्रथम चरण में होगी मकानों की गणना, 34 बिंदुओं की जानकारी होगी संकलित- मुख्य प्रशिक्षक श्री एस बी ओझा ने बताया कि भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत जनगणना के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का काम 01 मई से 31 मई 2026 तक किया जायेगा। जिसमें 34 बिंदुओं में जानकारी संकलित होगी।

उपार्जन से पहले गोदामों में गेहूं भंडारण के सत्यापन के लिए जांच दल गठित

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार समर्थन मूल्य पर गेहूं का उपार्जन 10 अप्रैल से प्रारंभ होगा। रबी उपार्जन वर्ष अंतर्गत अन्य जिलों में खरीदी के लिए निर्धारित गोदामों पर खरीदी प्रारंभ होने के पूर्व एवं बिना स्लॉट बुकिंग के गेहूं भंडारित करने का प्रकरण प्रकाश में आया है। इस स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वारा जिले में गेहूं खरीदी के लिए निर्धारित गोदामों में इस वर्ष की खरीदी से पहले गेहूं के भण्डारण का भौतिक सत्यापन करने के लिए तहसीलवार एवं गोदामवार अधिकारियों के जांच दल गठित किए गए हैं। सभी अधिकारियों को गेहूं उपार्जन के लिए चिन्हांकित गोदामों की जांच कर 02 दिनों में प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देश के पश्चात अधिकारियों के जांच दल गोदामों का निरीक्षण करने पहुंचे। जांच दलों द्वारा श्यामपुर स्थित जानकी वेयर हाउस, नीलेश वेयर हाउस कान्याखेड़ी स्थित पटेल वेयर हाउस, गिल्होर स्थित सुदामा वेयरहाउस, बड़नगर स्थित कमला वेयरहाउस, प्रतीभा श्री वेयरहाउस, बोरदी कला स्थित श्री अष्ट विनायक वेयरहाउस, पांगरखाती स्थित कमला श्री वेयरहाउस, भंवरी कला महाकाल वेयर हाउस सहित जिले अनेक वेयरहाउसों का निरीक्षण किया गया।

नरवाई प्रबंधन में किसान अतुल अहिरवार बने मिसाल, भूसा बनाकर खेतों में मिला रहे अवशेष

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। विदिशा जिले के ग्राम छीरखेड़ा में प्रगतिशील कृषक श्री अतुल अहिरवार द्वारा नरवाई प्रबंधन को लेकर एक सराहनीय पहल की जा रही है। जहां आमतौर पर फसल कटाई के बाद खेतों में नरवाई जलाने की प्रवृत्ति देखी जाती है, वहीं कृषक श्री अहिरवार पर्यावरण संरक्षण और मृदा स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए आधुनिक और उपयोगी तरीका अपना रहे हैं। कृषक श्री अतुल अहिरवार हार्वेस्टर से गेहूं की कटाई के बाद अपने खेत में नरवाई को जलाने के बजाय उसका भूसा तैयार कर रहे हैं। इसके साथ ही वे आसपास के गांवों के अन्य किसानों के खेतों में भी किराए पर जाकर भूसा बनाने का कार्य कर रहे हैं, जिससे क्षेत्र के अन्य कृषकों को भी इस नवाचार का लाभ मिल रहा है। भूसा तैयार करने के बाद वे रोटावेटर चलाकर नरवाई को भूमि में मिला देते हैं। इससे खेत की उर्वरता में वृद्धि होती है, जैविक पदार्थ की मात्रा बढ़ती है और आगामी फसल के लिए भूमि अधिक उपजाऊ बनती है। यह तरीका न केवल पर्यावरण के लिए हितकारी है, बल्कि किसानों के लिए आर्थिक रूप से भी लाभदायक सिद्ध हो रहा है।

फिश फीड मील से सफलता की उड़ान, मुस्कान सिंह और बनवारी लाल बने प्रगतिशील किसान

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्र सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना देश में मत्स्य क्षेत्र के समग्र विकास के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य मछली उत्पादन में वृद्धि करना, आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देना, मत्स्य पालन से जुड़े लोगों की आय बढ़ाना तथा रोजगार के नए अवसर सृजित करना है। योजना के अंतर्गत मत्स्य पालन, प्रसंस्करण, कोल्ड चेन, फिश फीड यूनिट जैसी गतिविधियों के लिए ऋण, अनुदान और तकनीकी सहायता प्रदान की जाती है, जिससे किसान आत्मनिर्भर बन सकें।

इसी योजना ने सीहोर जिले की ग्राम हसनाबाद निवासी महिला किसान श्रीमती मुस्कान सिंह के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का लाभ लेकर न केवल स्वयं को सशक्त बनाया, बल्कि अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित किए हैं।

श्रीमती मुस्कान सिंह बताती हैं कि उन्हें वर्ष 2025 के अप्रैल माह में इस योजना के अंतर्गत 01 करोड़ रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस राशि से उन्होंने एक आधुनिक फिश फीड मील की स्थापना की, जहां मछलियों के लिए उच्च गुणवत्ता का दाना तैयार किया जाता है। इस कार्य में उनके पति श्री बनवारी लाल वर्मा भी सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं।

आज उनकी इस फिश फीड मील का वार्षिक टर्नओवर लगभग 05 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो उनकी मेहनत और योजना की सार्थकता का प्रमाण है। इतना ही नहीं, इस इकाई के माध्यम से 14 लोगों को स्थायी रोजगार भी मिला है, जिससे स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला है।

श्रीमती मुस्कान सिंह द्वारा तैयार किया गया फिश फीड सीहोर जिले के साथ-साथ आसपास के लगभग 06 जिलों में विक्रय किया जा रहा है, जिससे उनका व्यवसाय लगातार विस्तार कर रहा है। आज वे और उनके पति एक प्रगतिशील किसान और सफल उद्यमी के रूप में अपनी पहचान बना चुके हैं।

यह सफलता की कहानी दर्शाती है कि यदि योजनाओं का सही तरीके से लाभ लिया जाए तो वे न केवल व्यक्तिगत जीवन में बदलाव ला सकती हैं, बल्कि समाज और क्षेत्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना इसी प्रकार किसानों और उद्यमियों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल रही है।

केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने 1424.24 लाख रूपये के लागत के 78 कार्यो का किया लोकार्पण

अशोक नगर/दैनिक मालवा हेराल्ड। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के मुख्य आतिथ्य में नगर परिषद मुंगावली में विकास कार्यो का लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया द्वारा 245 लाख रूपये की लागत के 13 कार्यो का लोकार्पण एवं 1179.24 लाख रूपये के 65 कार्यो का शिलान्यास किया गया। केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि जिंदगी के प्रथम चरण से आखिरी चरण तक मुंगावली के विकास के लिए तत्पर रहूंगा। जब भी मुंगावली आता हूं तो खाली हाथ नहीं आता हूं। आज मुंगावली क्षेत्र के विकास के लिए लगभग 15 करोड़ रुपए की विकास कार्यों की सौगात लेकर आया हूं। मुंगावली क्षेत्र में सड़क, रेल,अधोसंरचना के कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पेयजल योजना स्वीकृत कराई गई। ग्रामीण क्षेत्र के पेयजल के लिए राजघाट परियोजना के अंतर्गत 100 गांव को लिए राशि स्वीकृत कराई गई। इसके आधार पर शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके। इसके साथ ही 6 करोड रुपए की राशि अतिरिक्त पेयजल हेतु स्वीकृत कराई गई है। उन्होंने बताया कि संपूर्ण अशोकनगर जिले के लिए 922 करोड रुपए की पेयजल योजना के लिए राशि स्वीकृत कराई गई। उन्होंने मुंगावली के भुजरिया तालाब के संरक्षण हेतु जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत स्वीकृत कराए जाने की बात कही। हितग्राहियों को किया हितलाभ का वितरण केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजना के अंतर्गत हितलाभों का वितरण किया गया। जनपद पंचायत के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति पत्रों, नगर परिषद द्वारा पट्टा वितरण, आवास योजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास स्वीकृति पत्रों का वितरण,लाड़ली लक्ष्मी योजना अंतर्गत प्रमाण पत्रों का वितरण,कृषि विभाग द्वारा कृषि यंत्रों का वितरण, एवं स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा छात्र-छात्राओं को साईकिल वितरण, पशुपालन विभाग द्वारा दुधारू पशु योजना के अंतर्गत लाभान्वित किया गया। इस अवसर पर मुंगावली विधायक श्री बृजेंद्र सिंह यादव, कलेक्टर श्री साकेत मालवीय, पुलिस अधीक्षक श्री राजीव कुमार मिश्रा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री आलोक तिवारी, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती नीतू नरेश ग्वाल, उपाध्यक्ष श्रीमती श्वेता मनीष मोदी, जनपद अध्यक्ष विजयालक्ष्मी जैन, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती उर्मिला यादव आदी।

संकल्प से समाधान अभियान के समापन कार्यक्रम की तैयारियों का लिया गया जायजा

प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में 6 अप्रैल को आयोजित होगा कार्यक्रम

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन एवं भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह की अध्यक्षता में दिनांक 06 अप्रैल 2026 को पीजी कॉलेज परिसर स्थित सभागार में आयोजित होने वाले संकल्प से समाधान अभियान के समापन कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान द्वारा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाओं का सूक्ष्मता से अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मंच व्यवस्था, बैठक व्यवस्था एवं हितग्राहियों की बैठक सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर आयोजित की जाने वाली प्रदर्शनी एवं हेल्थ कैंप के सुव्यवस्थित संचालन पर विशेष ध्यान देने को कहा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने फायर एवं इलेक्ट्रिक सेफ्टी, ट्रैफिक प्रबंधन, पेयजल की समुचित व्यवस्था, अस्थायी अस्पताल की स्थापना तथा साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी संबंधित विभागों को दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और प्रत्येक व्यवस्था समय-सीमा में पूर्ण की जाए, ताकि कार्यक्रम सुव्यवस्थित एवं गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

इस दौरान अपर कलेक्टर श्री सी एस सोलंकी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री महेश कुमार मंडलोई, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती रीतिका पाटीदार एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

अपर कलेक्टर डॉ. गौड़ा ने बड़ौदा अहीर में कार्यक्रम की तैयारियो की समीक्षा की

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल शनिवार को पंधाना तहसील के ग्राम बड़ौदा अहीर में जननायक टंट्या भील के जन्म दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान खंडवा जिले के प्रभारी मंत्री श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी भी उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी गौड़ा ने शुक्रवार शाम को बडौदाअहीर में की। इस दौरान सहायक कलेक्टर डॉक्टर श्रीकृष्णा सुशीर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री महेंद्र तारणेकर, एसडीएम पंधाना श्री दिनेश सावले तथा डिप्टी कलेक्टर सुश्री दीक्षा भगोरे सहित अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।

जिला पंचायत के सीईओ डॉक्टर गौड़ा ने कार्यक्रम स्थल एवं हेलीपैड का भ्रमण कर उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान टंट्या भील स्मारक में अधिकारियों की बैठक लेकर कार्यक्रम की तैयारियो की विस्तार से समीक्षा की। डॉ गौड़ा ने कार्यक्रम स्थल पर फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस, बैरिकेडिंग जैसी विभिन्न व्यवस्थाओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पेयजल व्यवस्था बैठक व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा की।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पौधारोपण कर ली जल एवं प्रकृति संरक्षण की शपथ

मुनादी कराकर किया गया जल संरक्षण के प्रति जागरूक

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत अनेक जल संरक्षण एवं जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान का प्रमुख उद्देश्य जनभागीदारी से जल संरक्षण तथा संवर्धन सुनिश्चित करना है।

पौधारोपण कर ली जल एवं प्रकृति संरक्षण की शपथ- जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बुधनी नगर परिषद द्वारा बुधनी के अदालत कालोनी में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, नगर परिषद के कर्मचारियों, स्वयं सहायता समूह की दीदियों और नागरिकों ने पौधारोपण किया और जल एवं प्रकृति संरक्षण की शपथ ली।

मुनादी कराकर किया गया जल संरक्षण के प्रति जागरूक- जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत भैरूंदा नगर परिषद द्वारा जागरूकता वाहन के माध्यम से नगर के सभी वार्डों में मुनादी कराकर नागरिकों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। इसके साथ ही जल एवं प्रकृति संरक्षण के उद्देश्य से शासन द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान के बारे में जानकारी दी गई।

ध्यान लगाया और ली जल संरक्षण की शपथ- जन अभियान परिषद एवं सुपर विजन सोशल वेलफेयर सोसायटी द्वारा अभियान के तहत सीवन नदी पर जल संरक्षण के उद्देश्य से ध्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सदस्यों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने ध्यान लगाया, नदी किनारे साफ-सफाई की और जल संरक्षण की शपथ भी ली।

अधिकारी बनेंगे शिक्षक, स्कूल में विद्यार्थियों से करेंगे संवाद, बताएंगे भविष्य के मार्ग

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्कूल चलें हम अभियान के तहत आयोजित हो रहे प्रवेशोत्सव कार्यक्रमों की कड़ी में ग्वालियर जिले की शासकीय शालाओं में भी भविष्य से भेंट'' कार्यक्रम होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप शतप्रतिशत पढ़ने योग्य बच्चों को शालाओं से जोड़ने के लिये शासकीय शालाओं में प्रवेशोत्सव मनाए जा रहे हैं।

ग्वालियर जिले में भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत विभिन्न विद्यालयों में जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी पहुंचेंगे और बच्चों से संवाद कर उन्हें पढ़ाई के लिये प्रेरित करेंगे व भविष्य के लिये मार्गदर्शन देंगे। साथ ही पढ़ायेंगे भी । कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिले के वरिष्ठ अधिकारियों की ड्यूटी भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत शालावार लगाई है। बच्चों द्वारा भविष्य के लिए संजोए गए सपनों को साकार कराने में मदद करने के लिए अधिकारी 4 अप्रैल को शासकीय शालाओं में पहुंचकर बच्चों के साथ संवाद करेंगे। बच्चों से उनके भविष्य के सपनों के बारे में पूछेंगे एवं उस सपने को पूरा करने के लिए मार्ग भी बताएंगे। इस आयोजन का मकसद बच्चों में पढ़ाई के प्रति रूचि पैदा करना है, जिससे आगे चलकर बच्चों का भविष्य बेहतर हो सके।

इन विद्यालयों में बच्चों से संवाद करने पहुँचेंगे वरिष्ठ अधिकारी- श्री सोजान सिंह रावत सी.ई.ओ. जिला पंचायत गर्ल्स हायर सेकेण्डरी स्कूल गोरखी, श्री कुमार सत्यम अपर कलेक्टर गर्ल्स जेए सिंध, श्री सी.बी. प्रसाद अपर कलेक्टर, गर्ल्स हायर सेकेण्डरी स्कूल गजराराजा, श्री अनिल बनवारिया उपजिला निर्वाचन अधिकारी हायर सेकेण्डरी स्कूल बॉयज जनकगंज, श्री सुरेश कुमार संयुक्त कलेक्टर संदीपनी गर्ल्स हायर सेकेण्डरी स्कूल पदमा विधायल, श्रीमती जूही गर्ग संयुक्त कलेक्टर हायर सेकेण्डरी स्कूल टकसाल, श्री विनोद सिंह हायर सेकेण्डरी स्कूल पागनवीसी, श्री एन सी. गुप्ता एसडीएम मुरार गर्ल्स हायर सेकेण्डरी स्कूल शिंदे की छावनी, श्री प्रदीप कुमार शर्मा हायर सेकेण्डरी स्कूल जीवाजीराव, श्री नरेन्द्र बाबू यादव एसडीएम शासकीय माध्यामिक विधालय एसएएफ, श्री अतुल सिंह एसडीएम शासकीय माध्यामिक विधालय केंटोमेंट एमएच चौराहा, श्री एस के त्रिपाठी एसडीएम गर्ल्स हायर सेकेण्डरी स्कूल एमएलबी मुरार, श्रीमती भूमजा सक्सेना डिप्टी कलेक्टर संदीपनी मॉडल स्कूल मुरार, श्रीमती मनीषा कौलडिप्टी कलेक्टर शासकीय माध्यामिक विधालय मुरार नंबर, श्रीमती उपासना राय शासकीय माध्यामिक विधालय ठाटीपुर, श्री घनश्याम यादव खनिज अधिकारी शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल शिक्षा नगर, श्री मुन्ना सिंह गुर्जर एसएलआर शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल रेलवे कॉलोनी, श्री मुनीष सिकरवार अपर आयुक्त (नगर निगम) शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल शिक्षा नौमहला, श्री आशीष जैन प्रबंधक ई-गवर्नेंस शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल पटेल नगर, श्री सूरज यादव प्रबंधक लोकसेवा संदीपनी गर्ल्स शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल ग्वालियर, डॉ सचिन श्रीवास्तव सी.एम.एच.ओ. शासकीय प्राथमिक विधालय किलागेट रोड, डॉ आर. के. शर्मा सिविल सर्जन शासकीय माध्यामिक नाका चंद्रवदनी, श्रीमती तृप्ति निगम जिला सूचना विज्ञान अधिकारी शासकीय माध्यामिक विधायल ठाटीपुर ग्राम, श्री आर.बी.एस. जाटव डी.डी.ए. कृषि, शासकीय माध्यामिक विधालय बालाबाई का बाजार, श्री अरविन्द सिंह भदोरिया खाघ विभाग ईपीईएस सिरोल, श्री दीपक कश्यप जिला योजना ईपीईएस मोहनपुर, श्री एस.वी त्रिपाठी जीएमडीआईसी ईपीईएस बड़ागांव, श्री नरेश सिन्हा डीआरसीएस ईपीईएस खुरैरी, श्री आर. के. शर्मा अनु. जाति कल्याण विभाग ईपीईएस हायर सेकेण्डरी सोनसा आदी।

स्ट्रॉ रीपर से बदली तस्वीरः स्व सहायता समूह बना आत्मनिर्भर, नरवाई प्रबंधन से बढ़ी आय और बचा पर्यावरण

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास अब जमीनी स्तर पर सफल होते नजर आ रहे हैं। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में जिले के 22 स्व सहायता समूहों ने एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए आर्थिक स्वावलंबन के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी उल्लेखनीय कार्य किया है।

इन समूहों की महिलाओं द्वारा 22 स्ट्रॉ रीपर मशीनों का सफल संचालन किया जा रहा है। जिन समूहों के पास पहले से ट्रैक्टर-ट्रॉली उपलब्ध थे, उन्होंने संकुल स्तरीय संगठनों एवं बैंकों से ऋण लेकर स्ट्रॉ रीपर मशीनें खरीदीं और इसे स्वरोजगार का साधन बना लिया। इस पहल के माध्यम से गेहूं की कटाई के बाद खेतों में बची पराली (नरवाई) को जलाने के बजाय उसे भूसे में परिवर्तित किया जा रहा है।

अब तक इन मशीनों के जरिए लगभग 400 हितग्राहियों के खेतों में 840 ट्रॉली से अधिक भूसा तैयार किया जा चुका है, जिससे करीब 5 लाख,80 हजार रुपए की आय अर्जित हुई है। यह उपलब्धि न केवल समूहों की आर्थिक सशक्तता को दर्शाती है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की मेहनत, कौशल और नेतृत्व क्षमता का भी प्रमाण है।

इस नवाचार से जहां एक ओर नरवाई जलाने की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण हुआ है, वहीं पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिला है। साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में पशुधन के लिए भूसे की उपलब्धता बढ़ी है, जिससे पशुपालकों को सीधा लाभ मिल रहा है।

पहले जहां किसान पराली को बेकार समझकर जला देते थे, जिससे पर्यावरण को नुकसान होता था, वहीं अब वही पराली आय का साधन बन गई है।

बाल विवाह रोको उड़न दस्तों का गठन

दतिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। अक्षय तृतीया के अवसर पर एवं उसके पश्चात् आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह एवं एकल विवाह समारोह में बाल विवाह के संबंध में जागरूकता का प्रचार-प्रसार करने तथा होने वाले बाल विवाहों को रोकने एवं कानूनी कार्यवाही करने के उद्देश्य से बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम-2006 की धारा 13 की उपधारा (4) एवं (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखड़े द्वारा आदेश जारी कर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को ब्लॉक स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त कर ग्राम स्तर तक बाल विवाह रोको उड़न दस्तों का गठन किया है। जारी आदेश अनुसार जिला स्तर पर कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत जिला दतिया, जिला शिक्षा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग रहेंगे।

विकास खण्ड दतिया, सेवढ़ा एवं भाण्डेर बाल विवाह रोको उड़न दस्तों में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) दतिया सेवढ़ा एवं भाण्डेर ब्लॉक स्तरीय नोडल अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) समस्त अनुभाग जिला दतिया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत, दतिया, सेवढ़ा एवं भाण्डेर, समस्त तहसीलदार, जिला दतिया, समस्त परियोजना अधिकारी, म.बा.वि., जिला दतिया (परि. स्तरीय नोडल अधिकारी), समस्त नगर निरीक्षक एवं थाना प्रभारी, पुलिस विभाग, जिला दतिया, बाल संरक्षण अधिकारी, गैर-संस्थानिक, महिला एवं बाल विकास विभाग, समस्त सेक्टर पर्यवेक्षक, महिला एवं बाल विकास विभाग रहेंगे।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

उज्जैन बनेगी धर्म के साथ विज्ञान की राजधानी, महाकाल स्टैंडर्ड टाइम पर वैश्विक विमर्श शुरू

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने साइंस सेंटर का लोकार्पण किया, 725 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन भी किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धार्मिक नगरी उज्जैन अब विज्ञान के वैश्विक केंद्र के रूप में भी नई पहचान बनाने की ओर तेजी से बढ़ रही है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन प्राचीन काल से ही काल गणना और खगोल विज्ञान का विश्वस्तरीय केंद्र रहा है, जहां समय की गणना केवल धार्मिक नहीं बल्कि पूरी तरह वैज्ञानिक आधार पर की जाती रही है।

वे महाकाल- द मास्टर ऑफ टाइम अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने 15 करोड़ रुपए की लागत से बने आधुनिक साइंस सेंटर का लोकार्पण किया। इस सेंटर में साइंस गैलरी, आउटडोर पार्क, इनोवेशन हॉल और स्टूडेंट एक्टिविटी एरिया जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। सरकार ने साइंस सिटी विस्तार के लिए 25 एकड़ अतिरिक्त भूमि भी उपलब्ध कराई है, जिससे उज्जैन को भविष्य में शिक्षा और अनुसंधान का बड़ा केंद्र बनाया जाएगा।

महाकाल स्टैंडर्ड टाइम की अवधारणा पर जोर- केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि अब समय आ गया है कि दुनिया ग्रीनविच टाइम की बजाय महाकाल स्टैंडर्ड टाइम की अवधारणा पर विचार करें। उन्होंने उज्जैन को वह स्थान बताया जहां विज्ञान और अध्यात्म का अद्भुत संगम होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में समय, प्रकृति और जीवन के बीच गहरा वैज्ञानिक संबंध है।

सिंहस्थ-2028 के लिए 725 करोड़ के विकास कार्य- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए 725 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इसमें से701 करोड़ की लागत से 19.80 किमी लंबा 4-लेन सिंहस्थ बायपास, विक्रमादित्य हेरिटेज होटल का विस्तार, यातायात और आधारभूत संरचना को मजबूत करने की योजना शामिल है।

सरकार का लक्ष्य है कि सिंहस्थ में आने वाले 35 से 40 करोड़ श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलें।

प्रदर्शनी में दिखा विज्ञान और परंपरा का संगम- महाकाल- द मास्टर ऑफ टाइम थीम पर आधारित प्रदर्शनी में प्राचीन भारतीय खगोल विज्ञान से लेकर आधुनिक तकनीक तक का अनूठा प्रदर्शन किया गया। इसमें इसरो के मॉडल (मंगलयान, चंद्रयान), ड्रोन तकनीक, रोबोटिक आरती सिस्टम तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के ग्रंथ शामिल है।

यह प्रदर्शनी युवाओं के लिए आकर्षण का केंद्र रही।

छात्रों ने सीखी सैटेलाइट बनाने की तकनीक- कार्यक्रम में आयोजित सैटेलाइट मेकिंग वर्कशॉप में 10 इंजीनियरिंग कॉलेजों के 120 से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री ने छात्रों से बातचीत कर उनका उत्साहवर्धन किया।

शिक्षा में नवाचार पर जोर- केंद्रीय मंत्री ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उल्लेख करते हुए कहा कि अब शिक्षा को रटने की बजाय क्रिटिकल थिंकिंग, डिजाइन और एआई आधारित बनाया जा रहा है। विद्यार्थी विज्ञान मंथन की वेबसाइट, ब्रोशर और पुस्तिका का भी विमोचन किया गया।

उज्जैन फिर बनेगा विश्व का समय केंद्र- कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने कहा कि उज्जैन को पुनः विश्व के मेरिडियन (शून्य रेखा) के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है।

श्री आलोक नागर और राजेश भट्ट को राज्य सूचना आयुक्त बनाए जाने की राज्य सरकार ने जारी की अधिसूचना

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल द्वारा श्री आलोक नागर और श्री राजेश भट्ट को राज्य सूचना आयुक्त पदस्थ करने की अधिसूचना अवर सचिव सचिन्द्र राव ने जारी कर दी है।

राज्य सरकार ने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 15 की उपधारा (2) के अनुसरण में, राज्य सूचना आयोग, मध्यप्रदेश में वर्तमान में पदस्थ मुख्य सूचना आयुक्त और तीन राज्य सूचना आयुक्तों के अतिरिक्त श्री आलोक नागर और श्री राजेश भट को राज्य सूचना आयुक्त पदस्थ किया हैं।

राज्य सूचना आयुक्त का कार्यकाल उस तारीख से, जिसको कि वे अपना पद ग्रहण करते हैं, तीन वर्ष या पैसठ वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, इनमें से जो भी पूर्वतर हो, होगा।

श्री आलोक नागर उज्जैन में असिस्टेंट रजिस्ट्रार फर्म्स एण्ड सोसाइटी उज्जैन संभाग के पद पर 1990 से 2007 तक रहे और उज्जैन संभाग कार्यालय स्थापित होने के पहले असिस्टेंट रजिस्ट्रार रहे हैं और रजिस्ट्रार पद से भोपाल में 2025 में सेवानिवृत्त हुए, वही श्री राजेश भट्ट उज्जैन निवासी होकर समस्त शिक्षा इसी नगरी में हुई और वर्तमान में आकाशवाणी भोपाल के कार्यक्रम प्रमुख है।

श्री आलोक नागर (रजिस्ट्रार कार्यकाल- 15 जून 2016 - 31 जनवरी 2025) इनके नेतृत्व में रजिस्ट्रार फर्म्स एवं संस्थाएं, मध्यप्रदेश विभाग ने अनेक ऐतिहासिक सुधार और नवाचार किए। उनके कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियाँ-

1. मध्यप्रदेश में पंजीकृत संस्थाओं के मूल रिकॉर्ड्स का डिजिटलीकरण

100+ वर्ष पुराने मूल रिकॉर्ड्स का डिजिटाइजेशन कार्यालय में उपलब्ध सीमित स्टाफ के साथ कराया।

डिजिटाइज किए गए डेटा की एंट्री और वेरिफिकेशन सुनिश्चित कर विभाग को डिजिटल बनाया।

वैधानिक दस्तावेजों को संरक्षित और सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम।

2. Ease of Doing Business के तहत डीम्ड रजिस्ट्रेशन- डीम्ड रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया लागू कर पंजीकरण मामलों के समयबद्ध निपटान की व्यवस्था की।

फर्म्स एवं संस्थाओं के पंजीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया को पारदर्शी और सरल बनाया।

यह सुधार मध्यप्रदेश की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में सुधार का आधार बना।

3. E-Sign प्रक्रिया लागू कर फर्जी हस्ताक्षरों पर रोक- e-Sign प्रक्रिया लागू करने वाला मध्यप्रदेश का पहला शासकीय विभाग बना।

ऑनलाइन प्रकरणों में डिजिटल हस्ताक्षर की अनिवार्यता कर फर्जी साइन और धोखाधड़ी को समाप्त किया।

पंजीकरण प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन, पारदर्शी और सुरक्षित बनाया।

4. अधिकारियों और कर्मचारियों के अतिरिक्त पदों का सृजन- विभाग में अतिरिक्त पद सृजित करवाकर कार्यभार को संतुलित किया। 1989 के उपरांत श्री नागर के अथक प्रयासों से अधिकारियों और कर्मचारियों के अतिरिक्त पदों का सृजन सम्भव हो पाया। डिजिटल सुधारों को लागू करने और सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने में सहायता मिली।

विभागीय कार्यों के सुचारू संचालन के लिए भविष्य की जरूरतों के अनुरूप ढांचा तैयार किया।

महाकालेश्वर मंदिर में सतत जलधारा अभिषेक शुरु, तीन माह तक चलेगा

11 कलशों में पवित्र नदियों का जल स्थापित, भस्म आरती के बाद शुरू होकर शाम पूजन तक जारी रहेगी जलधारा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में परंपरानुसार शुक्रवार से भगवान महाकालेश्वर पर सतत जलाभिषेक की शुरुआत हो गई। वैशाख कृष्ण प्रतिपदा से आरंभ यह विशेष धार्मिक अनुष्ठान ज्येष्ठ पूर्णिमा तक चलेगा। इस दौरान भगवान महाकाल को शीतलता प्रदान करने के लिए गलंतिका के माध्यम से निरंतर जलधारा अर्पित की जाएगी।

शुक्रवार सुबह महाकाल मंदिर में 11 मिट्टी के कलश स्थापित किए गए हैं, जिनमें देश की प्रमुख पवित्र नदियों गंगा, सिंधु, सरस्वती, यमुना, गोदावरी, नर्मदा, कावेरी, सरयू, क्षिप्रा और गंडकी का स्मरण करते हुए मंत्रोच्चार के साथ जल भरा गया। इन कलशों से गलंतिका के जरिए भगवान महाकालेश्वर पर निरंतर जलधारा प्रवाहित की जा रही है।

मंदिर के पुजारी आशीष गुरु ने बताया कि धार्मिक परंपरा के अनुसार यह जलाभिषेक प्रतिदिन प्रात- कालीन भस्म आरती के पश्चात प्रारंभ होता है और संध्या पूजन तक जारी रहता है। मंदिर में इस दौरान श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ देखने को मिल रही है, जो भगवान के इस शीतल अभिषेक के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।

इस वर्ष अधिकमास (पुरुषोत्तम मास) होने के कारण जलाभिषेक की अवधि एक माह बढ़ा दी गई है। सामान्यत- यह अनुष्ठान दो माह तक चलता है, लेकिन इस बार तीन माह तक लगातार भगवान महाकाल पर जलधारा अर्पित की जाएगी।

मंदिर प्रशासन के अनुसार, गर्मी के मौसम में भगवान महाकाल को शीतलता प्रदान करने की यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है, जिसका विशेष धार्मिक महत्व है। श्रद्धालु भी इस अवधि को अत्यंत पुण्यकारी मानते हुए बड़ी संख्या में दर्शन करने पहुंच रहे हैं।

उज्जैन के व्यंग्यकार डॉ. हरीशकुमार सिंह को आचार्य कृष्णदत्त राष्ट्रीय पुरस्कार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के व्यंग्यकार डॉ. हरीशकुमार सिंह को साहित्य गरिमा पुरस्कार समिति, हैदराबाद द्वारा वर्ष 2025 के अखिल भारतीय आचार्य कृष्णदत्त हिंदी साहित्य व्यंग्य लेखन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह प्रतिष्ठित पुरस्कार राष्ट्रीय स्तर पर चयनित उनकी कृति 'चयनित व्यंग्य रचनाएँ' के लिए प्रदान किया गया है।

हैदराबाद में आयोजित सम्मान समारोह में डॉ. सिंह को यह अलंकरण प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आंध्र प्रदेश के पुलिस महानिरीक्षक विश्वजीत सपन, अध्यक्ष प्रो. शुभदा वांजपे और विशिष्ट अतिथि डॉ. शिवशंकर अवस्थी थे। मंच पर आत्मीय अतिथि शांति अग्रवाल, प्रो. ऋषभदेव शर्मा, संयोजक प्रदीप दत्त, कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण प्रणव, डॉ. आशा मिश्रा मुक्ता और डॉ. सुरभि दत्त उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से डॉ. सिंह को शॉल, श्रीफल, अंगवस्त्र, सम्मान राशि, अभिनंदन पत्र और ट्रॉफी भेंट कर सम्मानित किया।

विक्रम विश्वविद्यालय में एनएसयूआई के 55वें स्थापना दिवस का शुभारंभ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के 55वें स्थापना दिवस के अवसर पर 3 अप्रैल से 9 अप्रैल तक स्थापना सप्ताह मनाया जा रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ की मंशानुरूप आयोजित इस सप्ताह के तहत विभिन्न शैक्षणिक, सामाजिक एवं जागरूकता कार्यक्रम किए जाएंगे।

यह आयोजन प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे के नेतृत्व में संपन्न हो रहे हैं, जो छात्र एकता और संगठन की मजबूती को समर्पित हैं। इसी क्रम में उज्जैन स्थित सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के ई-ब्लॉक हॉस्टल परिसर में कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। शुभारंभ के अवसर पर एनएसयूआई प्रदेश महासचिव हिमांशु शुक्ल के नेतृत्व में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर छात्रों को संगठन के विचारों से अवगत कराया गया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष सोहेल जैदी द्वारा गुलमोहर का छायादार पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में एनएसयूआई से जुड़े अखिलेश अस्तेय, आईटी सेल जिला अध्यक्ष अमन रघुवंशी, संजय कुसमरिया, अरबाज खान, अल्फेज कुरैशी, मनोज सोनगरा सहित कई छात्र उपस्थित रहे। प्रदेश एनएसयूआई कार्यालय द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार स्थापना सप्ताह के दौरान कॉलेज एवं विश्वविद्यालय स्तर पर निबंध प्रतियोगिता, भाषण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, रक्तदान शिविर, पौधारोपण सहित विभिन्न सामाजिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। सभी इकाइयों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। एनएसयूआई ने 9 अप्रैल 2026 को स्थापना दिवस को छात्र शक्ति के उत्सव के रूप में मनाने की अपील करते हुए कहा है कि संगठन छात्रों की आवाज को मजबूत करने और उनके अधिकारों के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

बालिकाओं ने तलवारबाजी और कलाबाजी से जीता सबका दिल, हासिल किया प्रथम स्थान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिद्ध योगी श्री श्री 1008 स्वामी सांदीपेन्द्र जी महाराज के जन्मोत्सव अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं कोच पूजा चौहान की टीम ने शानदार प्रदर्शन कर एक बार फिर उज्जैन का नाम रोशन किया है। टीम की बालिकाओं ने हैरतअंगेज कलाबाजी और तलवारबाजी सहित आत्मरक्षा कला का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए कार्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस विशेष आयोजन में कोच पूजा चौहान के नेतृत्व में उतरी टीम की सभी बालिकाओं ने पारंपरिक मराठी साड़ी पहनकर अपनी कला का प्रदर्शन किया, जिसने वहां मौजूद सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। गुरु महाराज ने किया टीम का सम्मान उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद 108 गुरु महाराज श्री रामनाथ जी द्वारा कोच पूजा चौहान का विशेष सम्मान किया गया। उन्हें आशीर्वाद स्वरूप मां बगलामुखी की तस्वीर भेंट की गई। इसके साथ ही टीम की सभी बालिकाओं का हार पहनाकर स्वागत किया गया तथा उन्हें साड़ी और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस शानदार जीत और कला प्रदर्शन में कोच पूजा चौहान के साथ सुहाना प्रजापत, चित्रा चतुर्वेदी, संजना सुनहरे, पीहू सुनहरे, नूपुर सोनी और मोना शर्मा शामिल थीं।

मेडिसिटी निर्माण में बाधा बन रही 28 दुकानों को खाली कराने का नोटिस

रोगी कल्याण समिति का फैसला, 7 दिन में दुकानें खाली करने के निर्देश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मेडिसिटी निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए रोगी कल्याण समिति ने सख्त कदम उठाते हुए जिला अस्पताल परिसर के बाहर स्थित अपनी 28 दुकानों को खाली कराने का नोटिस जारी कर दिया है। समिति के सचिव द्वारा जारी नोटिस में सभी दुकानदारों को आगामी 7 दिनों के भीतर दुकानें खाली करने के निर्देश दिए गए हैं। इस निर्णय से 28 दुकानदारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

उल्लेखनीय है कि जिला अस्पताल के बाहर रोगी कल्याण समिति की कुल 28 दुकानें वर्षों पूर्व लीज पर आवंटित की गई थीं। इन दुकानों को लोगों की आजीविका के साधन के रूप में नीलामी के जरिए किराए पर दिया गया था। कई दुकानदार खुद व्यवसाय कर रहे हैं, जबकि कुछ ने इन्हें अन्य लोगों को किराए पर दे रखा है। बताया जा रहा है कि अब प्रस्तावित मेडिसिटी निर्माण कार्य के चलते जिला अस्पताल के बाहर बनी इन दुकानों को हटाया जाना आवश्यक माना गया है। इसी के चलते समिति ने सभी दुकानदारों को नोटिस जारी कर जल्द से जल्द दुकानें खाली करने के निर्देश दिए हैं। इस कार्रवाई को लेकर प्रभावित दुकानदारों में चिंता और आक्रोश दोनों देखा जा रहा है। दुकानदारों का कहना है कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था के अचानक दुकानें खाली कराने से उनका रोजगार छिन जाएगा और परिवार का पालन-पोषण करना मुश्किल हो जाएगा।वर्तमान में इन दुकानों में नाश्ता-पानी, चाय, फल-सब्जी और अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री की दुकानें संचालित हो रही हैं, जिनसे कई परिवारों की जीविका जुड़ी हुई है। ऐसे में दुकानदारों ने प्रशासन से मांग की है कि उन्हें पर्याप्त समय और वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे अपना व्यवसाय जारी रख सकें।

कम उम्र में साइलेंट अटैक... 4 दिन में 3 मौतें

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में कम उम्र के लोगों में साइलेंट हार्ट अटैक के बढ़ते मामलों ने चिंता बढ़ा दी है। बीते महज 4 दिनों में इस खतरनाक बीमारी के कारण तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जिससे आमजन में भय का माहौल है। चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें एक 20 वर्षीय युवती और एक 10वीं का छात्र भी शामिल है। उज्जैन जिला चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. जितेन्द्र शर्मा के अनुसार, बदलती जीवनशैली, अनियमित खानपान, बढ़ता मानसिक तनाव और भागदौड़ भरी दिनचर्या इसके मुख्य कारण बन रहे हैं। उन्होंने बताया कि साइलेंट अटैक में कई बार व्यक्ति को पहले कोई स्पष्ट लक्षण नहीं मिलते, जिससे यह और भी खतरनाक साबित होता है। मिली जानकारी के अनुसार मिल्कीपुरा क्षेत्र की एक 20 वर्षीय युवती को अचानक साइलेंट अटैक आया, जिससे वह बाथरूम में गिर गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं शहर के पूर्व पार्षद प्रतिनिधि राकेश राव भी इसी तरह के अटैक का शिकार हो गए। इसी कड़ी में दो दिन पहले एक और दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 10वीं कक्षा का छात्र सुबह घर से कचरा फेंकने गया था। इसी दौरान उसे साइलेंट अटैक आया और उसकी जान चली गई। बताया जा रहा है कि वह पूर्व नगर निगम कर्मचारी का पुत्र था। डॉ. शर्मा ने बताया कि समय रहते सतर्क रहना बेहद जरूरी है। नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, पर्याप्त नींद और तनाव से दूरी बनाकर ही इस खतरे से बचा जा सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. श्री गुरकीरत सिंह मनोचा के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन प्रवास के दौरान स्व. श्री गुरकीरत सिंह मनोचा के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। विगत दिवस कनाडा में दुखद दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शासन प्रदेशवासियों के सुख दुख में साथ है।प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की भारत सरकार और मध्य प्रदेश शासन के प्रयासों से स्व. श्री मनोचा का पार्थिव शरीर कनाडा से भारत लाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा श्री महाकाल से स्व. श्री मनोचा के परिवार को यह दुख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा ने भी स्व. श्री मनोचा को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

एलिवेटेड ब्रिज की जद में 100 दुकानें, 40 फीट तक होगा नुकसान

इंदौर गेट-देवास गेट मार्ग पर मार्किंग से मचा हड़कंप, दो बड़े ब्रिज प्रोजेक्ट से बढ़ी व्यापारियों की चिंता

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में प्रस्तावित एलिवेटेड ब्रिज परियोजना ने एक बार फिर व्यापारियों की चिंता बढ़ा दी है। इंदौर गेट से देवास गेट के बीच गुरुवार को जैसे ही सड़क चौड़ीकरण के लिए लाल निशान लगाए गए, वैसे ही करीब 100 से अधिक दुकानदारों के सामने संकट खड़ा हो गया।

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सिंहस्थ डिवीजन द्वारा की गई इस कार्रवाई में रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड के सामने स्थित होटल, लॉज, रेस्टोरेंट और गैरेज सहित कई प्रतिष्ठानों पर 20 से 40 फीट तक तोड़फोड़ की मार्किंग की गई है। इससे व्यापारियों में हड़कंप की स्थिति बन गई है।व्यापारियों का कहना है कि वे पहले ही सिंहस्थ 2016 के दौरान सड़क चौड़ीकरण में अपने प्रतिष्ठानों का बड़ा हिस्सा खो चुके हैं। उस समय भी करीब 20-20 फीट तक तोड़फोड़ की गई थी और अब दोबारा इतनी ही बड़ी कार्रवाई से उनका व्यवसाय पूरी तरह प्रभावित हो सकता है।

करोड़ों के दो एलिवेटेड ब्रिज की तैयारी- शहर में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए करोड़ों रुपये की लागत से दो एलिवेटेड ब्रिज बनाए जाने की योजना है।मकोड़ियाआम से गदा पुलिया तक बनने वाला ब्रिज करीब 3.7 किलोमीटर लंबा होगा, जिसकी अनुमानित लागत 510 करोड़ रुपये है।

वहीं निकास चौराहा से इंदौर गेट तक 1.2 किलोमीटर लंबा दूसरा ब्रिज 99.34 करोड़ रुपये में तैयार किया जाएगा। इन परियोजनाओं का उद्देश्य रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और प्रस्तावित मेडिसिटी क्षेत्र में बढ़ते यातायात दबाव को कम करना है। हालांकि, इसके लिए बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाने और सड़क चौड़ीकरण की जरूरत पड़ेगी।

व्यापार पर पड़ सकता है सीधा असर- प्रभावित व्यापारियों का कहना है कि एलिवेटेड ब्रिज बनने के बाद नीचे का क्षेत्र सुनसान हो जाएगा, जिससे उनका कारोबार खत्म होने की कगार पर पहुंच सकता है। उनका तर्क है कि यदि डिजाइन में बदलाव नहीं किया गया तो वर्षों से चल रहा व्यापार पूरी तरह चौपट हो जाएगा।

सीएम से लगाएंगे गुहार- मार्किंग के बाद व्यापारी संगठन सक्रिय हो गए हैं। प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों से चर्चा भी की, लेकिन संतोषजनक समाधान नहीं मिलने पर अब वे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कर अपनी समस्या रखने की तैयारी कर रहे हैं।

व्यापारियों की मांग है कि या तो प्रोजेक्ट के डिजाइन में बदलाव किया जाए या फिर उन्हें उचित मुआवजा और वैकल्पिक व्यवस्था दी जाए, ताकि उनका रोजगार सुरक्षित रह सके।

शहर विकास बनाम व्यापार, बड़ी चुनौती- एक ओर शहर को जाम से राहत दिलाने के लिए बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट जरूरी हैं, तो दूसरी ओर सैकड़ों परिवारों की रोजी-रोटी भी दांव पर है। ऐसे में प्रशासन के सामने संतुलन बनाना सबसे बड़ी चुनौती बन गया है।

वर्षा ऋतु को देखते हुए वे ही कार्य प्रारंभ करें जो वर्षा ऋतु के पहले पूर्ण हो सकें- संभागायुक्त

संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री सिंह और कलेक्टर ने सिंहस्थ के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक ली

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह ने शुक्रवार को सिंहस्थ 2028 के प्रचलित निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक ली। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्माण कार्य कराने वाले संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी समय में वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए केवल उन्ही निर्माण कार्यों को प्रारंभ किया जाए, जिनका कार्य वर्षा ऋतु प्रारंभ होने से पूर्व सुनिश्चित हो सके। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्माणाधीन सड़क मार्ग के कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए, जिससे आमजन को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा प्राप्त हो सके। बैठक में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

सिंहस्थ मेला कार्यालय के सभागार में सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत प्रचलित निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न निर्माण एवं अधोसंरचना कार्यों की प्रगति का विस्तृत अवलोकन किया गया। संभागायुक्त श्री सिंह ने बैठक में प्रचलित निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग अपने-अपने कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करना सुनिश्चित करें, जिससे विकास कार्यों में गति एवं पारदर्शिता बनी रहे।

संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सदावल हेलीपैड का निर्माण कार्य प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए। साथ ही हेलीपैड से संबंधित सभी कार्य (संचालन प्रारंभ करने की प्रक्रिया) को भी तत्काल प्रारंभ कर समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाए, ताकि उक्त स्थल पर हेलीकॉप्टर उतरने की सुविधा यथाशीघ्र उपलब्ध हो सके।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि नागझिरी-दताना मार्ग के निर्माण कार्य को शीघ्रता से एवं निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें, जिससे आमजन को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा प्राप्त हो सके।

बैठक में निर्माण कार्य कराने वाले संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।